ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 06 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-303

चैंपियंस की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर महिला वर्ल्ड कप की चैंपियंस की मेजबानी की। पीएम मोदी ने टीम को जीत के लिए बधाई दी और टूर्नामेंट में लगातार तीन हार और सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग के बाद उनकी शानदार वापसी की तारीफ की। इस अवसर पर, कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2017 में प्रधानमंत्री मोदी से हुई मुलाकात को याद किया, जब वे बिना ट्रॉफी के प्रधानमंत्री से मिली थीं, और अब जब वे ट्रॉफी के साथ उनसे मिली हैं तो वे उनसे और भी बार मिलना चाहती हैं। वाइस कैप्टन स्मृति मंधाना ने कहा कि पीएम मोदी ने उन्हें मोटिवेट किया है और वे उन सभी के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे आज लड़कियां सभी फील्ड में अच्छा कर रही हैं और इसके पीछे की वहज प्रधानमंत्री मोदी हैं। वहीं, दीप्ति शर्मा ने कहा कि वह पीएम मोदी से

मिलने का इंतजार कर रही थीं। उन्होंने 2017 की मुलाकात को याद किया और बताया कि तब पीएम मोदी ने उनसे कड़ी मेहनत करते रहने को कहा था और फिर वे अपना सपना पूरा कर पाएंगी।

मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने दीप्ति शर्मा से कहा कि उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जय श्री राम लिखा है और उनकी बांह पर भगवान हनुमानजी का टैटू है। इस पर शर्मा ने कहा कि इससे उन्हें ताकत मिलती है।

हरमनप्रीत ने पीएम मोदी से पूछा कि वे हमेशा प्रेजेंट में कैसे रहते हैं। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऐसा रहना उनकी जिंदगी का हिस्सा बन गया है और उनकी आदत बन गई है।

इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ हरलीन के मशहूर कैच को भी याद किया, जिसके बारे में उन्होंने उस समय सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। ▶10पर

झूठ की सियासत के प्रतिनिधि-नेता साबित हो रहे राहुल गांधी

तथ्यों की कसौटी पर फिर खोखला निकला दावा

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी झूठ और लफ्फाजी की राजनीति के प्रतिनिधि नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। उनकी बातों का तथ्यों से कोई लेनादेना नहीं रहता। आज भी जिस प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी हाइड्रोजन बम फोड़ने का दावा कर रहे थे, वह पिछली बार की ही तरह फिसड्डी और तथ्यहीन साबित हुआ। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर राहुल गांधी ने जो भी बात कही, वह सब तथ्यों के परीक्षण में बेमानी पाए गए। राहुल गांधी ने चार सीटों पर वोट चोरी का जिक्र किया, लेकिन खुद यह तथ्य बताने से चुरा लिया कि वहां भाजपा पोस्टल बैलट में आगे थी और फाइनल में कांग्रेस से हार गई।

राहुल गांधी ईवीएम को लेकर जो जहर उगलते हैं, अगर वह सही होता तो भाजपा कांग्रेस से पराजित नहीं होती। चुनाव आयोग के आधिकारिक डेटा के मुताबिक हरियाणा के जुलाना, हाथिन, नांगल चौधरी और

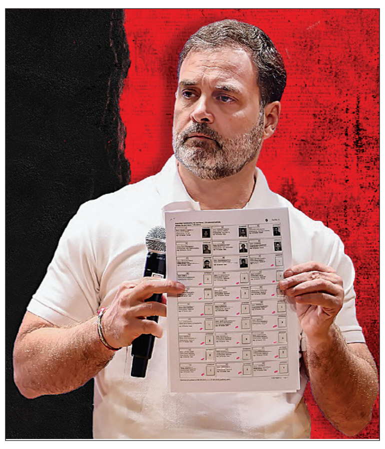

बौखलाए राहुल गांधी जेनजी को भड़काने में लगे

आदमपुर सीट में भाजपा पोस्टल बैलट में कांग्रेस से आगे थी। लेकिन अंत में कांग्रेस से हार गई। राहुल गांधी जानबूझ कर यह समझना नहीं चाहते कि पोस्टल बैलट को फाइनल रिजल्ट एनालिसिस का आधार नहीं बनाया जा सकता। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि हरियाणा में पहली बार पोस्टल वोट रिजल्ट से अलग थे। पोस्टल बैलट में कांग्रेस को 73 सीटें मिलीं जबकि भाजपा को 17 सीटें। राहुल गांधी की यह टिप्पणी उनकी बालबुद्धि का परिचायक है।

वोट चोरी के प्रलाप की बात को दरकिनार भी कर दें तो राहुल गांधी जिस तरह जेनजी को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं, वह गंभीर और गैरकानूनी हरकत है। राहुल गांधी ने कहा, मैं चाहता हूं कि भारत के युवा, जेनजी इसे स्पष्ट रूप से समझें, क्योंकि यह आपके भविष्य के बारे में है। मैं भारत में चुनाव आयोग, लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा हूं, इसलिए मैं इसे 100% सबूत के साथ कर रहा हूं। हमें पूरा यकीन है कि कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की योजना बनाई गई थी। ▶10पर

आम चुनाव से पहले बना नया राजनीतिक मोर्चा

नेपाल के नौ वाम दलों का विलय

काठमांडू, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

नेपाल की राजनीति में बुधवार को एक बड़ा बदलाव देखने को मिला जब नौ वाम दलों ने एकजुट होकर नई पार्टी का गठन किया। इस विलय में नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत समाजवादी) जैसे प्रमुख दल शामिल हैं। यह कदम आगामी 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव से पहले उठाया गया है, जिसे देश की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ माना जा रहा है। भृकुटीमंडप में आयोजित एक भव्य समारोह में इन दलों के विलय की औपचारिक घोषणा की गई। कार्यक्रम से पहले एक विशाल रैली भी निकाली गई। नवगठित दल का नाम नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (NCP) रखा गया है और इसका चुनाव चिह्न पांच-सितारा होगा।

नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी नाम रखा गया

नई पार्टी के समन्वयक होंगे - नेकपा (माओवादी केंद्र) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड, जबकि सह-समन्वयक की भूमिका नेकपा (एकीकृत समाजवादी) प्रमुख माधव कुमार नेपाल निभाएंगे।

पार्टी ने अपने मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में मार्क्सवाद-लेनिनवाद को अपनाने का फैसला किया है और आने वाले छह महीनों के भीतर राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जाएगा। माओवादी केंद्र और एकीकृत समाजवादी के अलावा, इस विलय में - नेपाल समाजवादी, नेकपा (समाजवादी), जनसमाजवादी पार्टी नेपाल, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी, नेकपा (माओवादी समाजवादी), नेकपा साम्यवादी, देशभक्त समाजवादी मोर्चा (गोपाल किराती के नेतृत्व में) शामिल हुए हैं।

हालांकि यह विलय नेपाल की वामपंथी राजनीति के लिए ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है, लेकिन इससे अंदरूनी मतभेद भी उभर आए हैं। माओवादी केंद्र के भीतर जनार्दन शर्मा के नेतृत्व वाला एक धड़ा इस एकीकरण का विरोध कर रहा है और उसने अलग राजनीतिक अभियान चलाने की घोषणा की है। ▶10पर

न्यूयॉर्क को मिला पहला मुस्लिम मेयर

भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने रचा इतिहास

वाशिंगटन, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर को जोहरान ममदानी के रूप में उनका पहला मुस्लिम मेयर मिल गया है। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एंड्रयू कोओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लीवा को पछाड़कर शहर के इतिहास में तीसरे गैर-श्वेत मेयर बने हैं। हालांकि उनकी इस जीत के बाद डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी में अब और तनाव बढ़ने की आशंका जताई गई है, क्योंकि चुनाव से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने जोहरान ममदानी का यह कहकर विरोध किया था कि अगर ममदानी चुनाव जीतते हैं तो वह न्यूयॉर्क शहर को मिलने वाले फेडरल फंड में कटौती कर देंगे। लेकिन चुनाव के नतीजे डेमोक्रेट नेता ममदानी के पक्ष में आए। जोहरान ममदानी एक शिया मुस्लिम युगांडाई शिक्षाविद महमूद ममदानी और भारत की मशहूर फिल्म निर्माता मीरा नायर के बेटे हैं। शिक्षाविद महमूद ममदानी के पूर्वज भी भारतीय हैं। वहीं मीरा नायर भारत में एक हिंदू परिवार से आती हैं। मीरा नायर की कुछ चर्चित फिल्मों में सलाम बॉम्बे, मॉनसून वेडिंग, द नेमसेक, कामसूत्र: द टेल ऑफ लव और मिसिसिपी मसाला शामिल हैं। ▶10पर

नीतीश कुमार के सीएम बने रहने पर कभी कोई संदेह नहीं रहा: धर्मेंद्र प्रधान

पटना, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार के आगे भी मुख्यमंत्री बने रहने को लेकर कभी कोई संदेह नहीं रहा। यह बयान इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि विपक्ष लगातार दावा कर रहा था कि अगर एनडीए फिर सत्ता में आती है, तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। धर्मेंद्र प्रधान ने इन दावों को अफवाह करार देते हुए कहा कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बिहार को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान गुरुवार, यानी 6 नवंबर को होगा। धर्मेंद्र प्रधान ने विपक्षी महागठबंधन, खासकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो आज नीतीश कुमार का अपमान कर रहे हैं, चुनाव परिणाम आने के बाद उन्हें अपने

शब्द वापस लेने पड़ेंगे। मुख्यमंत्री खुद कह चुके हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम बिहार को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा रहे हैं।धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं को बड़ों का सम्मान करना नहीं आता। उन्होंने कहा कि जो लोग वंशवाद की राजनीति करते हैं और समाज को बांटने में विश्वास रखते हैं, वे राजनीतिक रूप से दिवालिया हैं। उनमें सहनशीलता नहीं है, दृष्टि संकीर्ण है और घमंड इतना है कि उन्हें अपनी भाषा और मर्यादा की भी समझ नहीं रह गई।

बीजेपी नेता ने कहा कि पार्टी अपनी स्थिति को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि हम कोई आंकड़ा नहीं बताना चाहते, लेकिन हमारे नेता अमित शाह ने कहा है कि एनडीए को 160 सीटें मिलेंगी, और मुझे पूरा विश्वास है कि हम इस अनुमान से भी आगे जाएंगे।

उन्होंने विपक्ष के घोषणापत्र पर भी निशाना साधा और कहा कि बिहार की जनता ठान चुकी है कि वह एनडीए सरकार को ही मौका देगी। हमने रोजगार और विकास की बात की है और जो वादे किए हैं, वे पूरी तरह व्यावहारिक हैं। हम जनता को चांद-तारे लाने के सपने नहीं दिखा रहे - हम ङ्गमुंगेरीलालफ नहीं हैं। विपक्ष बिहार को फिर से ङ्गजंगलराजफ की ओर ले जाना चाहता है, लेकिन जनता उन्हें इसका मौका नहीं देगी। ▶10पर

अदालतों के पास न तो तलवार की ताकत है और न ही शब्दों की : बीआर गवई

मुंबई, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई ने बुधवार को कहा कि लोकतंत्र के सभी अंग - कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका - नागरिकों की भलाई के लिए हैं और कोई भी अलग-थलग होकर काम नहीं कर सकता। मुंबई में महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि स्वतंत्रता, न्याय और समानता के सिद्धांत हमारे संविधान में निहित हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, न्यायपालिका के पास न तो तलवार की ताकत है और न ही शब्दों की। जब तक कार्यपालिका इसमें सहयोग नहीं करेगी, न्यायपालिका के लिए उचित बुनियादी ढांचा और कानूनी शिक्षा प्रदान करना कठिन है। उन्होंने आगे कहा कि विधि शिक्षा अब अधिक व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ विकसित हो रही है, जिसके लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे की आवश्यकता अनिवार्य है।

उन्होंने उस आलोचना का खंडन किया कि न्यायिक बुनियादी ढांचे के मामले में महाराष्ट्र सरकार कमजोर पाई गई है। जस्टिस गवई ने स्पष्ट किया कि यह धारणा गलत जानकारियों पर आधारित है और उन्होंने राज्य सरकार तथा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सराहना की, जिन्होंने न्यायपालिका को बेहतर बुनियादी ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

ऑपरेशन सिंदूर के 6 महीने बाद, लश्कर और जैश ने जम्मू-कश्मीर को दहलाने की बनाई योजना

एलओसी की ड्रोन से रेकी, फिदायीन हमले का खतरा

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में शांति की तरफ लौटते हालात के बीच एक नई खुफिया रिपोर्ट ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, छह महीने पहले ऑपरेशन सिंदूर में कई आतंकी ठिकाने ध्वस्त होने के बाद पाकिस्तान में बैठे आतंक के आका एक बार फिर घाटी को सुलगाने की तैयारी कर रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद नए हमलों की फिराक में हैं।

खुफिया विभाग के डॉजियर के मुताबिक, सितंबर 2025 से एलओसी के पार से घुसपैठ, रेकी और लॉजिस्टिक सपोर्ट में तेजी देखी गई है। पाकिस्तान के स्पेशल सर्विसेज ग्रुप और आईएसआई की मदद से लश्कर और जैश के कई आतंकी दस्ते जम्मू-कश्मीर में दाखिल हो चुके हैं। सूत्रों का दावा है कि कमांडर शमशेर की अगुवाई वाली लश्कर की एक यूनिट ने एलओसी पर गैप्स की ड्रोन के जरिए रेकी की है। इससे संकेत मिलता है कि आने वाले हफ्तों में सीमापार से फिदायीन हमले या हथियार गिराने जैसी कोशिशें हो सकती हैं। खुफिया रिपोर्ट से यह भी खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में बॉर्डर एक्शन टीमों को फिर से तैनात कर दिया गया है। इन टीमों में स्पेशल सर्विसेज ग्रुप के पूर्व सैनिक और आतंकी शामिल होते हैं और ये अपनी वीभत्स हरकतों के लिए कुख्यात हैं। यह दिखाता है कि पाकिस्तान फिर से घाटी में आतंक की आग भड़काने में जुट गया है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2025 में जमात-ए-इस्लामी, हिज़्बुल मुजाहिदीन ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

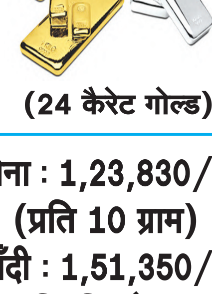

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,23,830/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,51,350/-
(प्रति किलोग्राम)

वीर लोकाशाह जयंती एवं चातुर्मास कृतज्ञता दिवस आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर संघ में विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तिनी तप कौमुदी महासती निर्मला के पावन सान्निध्य में चातुर्मास समापन एवं कृतज्ञता दिवस कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर साध्वी नंदिनीजी ने कहा कि वीर संत लोकाशाह का स्थानकवासी परंपरा पर अनन्य उपकार रहा है। उन्होंने असंख्य लोगों को धर्म से जोड़ने का कार्य किया और आगम में निहित धर्म के स्वरूप को सरल भाषा में समझाया। लोकाशाह ने सत्य वचनों को जन-जन तक पहुंचाया और धर्म का प्रकाश फैलाया। उनका प्रभाव इतना व्यापक था कि उनके प्रवचनों में जनसैलाब उमड़ पड़ता था। उन्होंने संघ और शासन की महती प्रभावना की। आज जो स्थानकवासी परंपरा सुरक्षित और सुदृढ़ रूप में विद्यमान है, वह लोकाशाह के उपकारों का प्रतिफल है। ऐसे वीर संत के चरणों में साध्वीवृंद ने सत् सत् वंदन नमन किया। साध्वी ने आगे कहा कि राजाजीनगर श्री संघ ने तन, मन, धन से, उत्साह और लगन के साथ इस चातुर्मास में सेवा का श्रेष्ठ कार्य किया है।

संघ के पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी सदस्यगण, त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहु मंडल, राजाजीनगर युवा मंडल, ब्राह्मी कन्या मंडल एवं जिनेश्वर युवा महावीर जैन पाठशाला के सभी सदस्यों ने विविध धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से चातुर्मास को एक स्वर्णिम अध्याय बना दिया है। साध्वी ने कहा हम साध्वीवृंद का दायित्व है कि हम आप सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करें। तीर्थंकरों का अनंत उपकार हम सब पर है, और संघ का सहयोग हमारे लिए प्रेरणास्रोत रहा है। राजाजीनगर श्री संघ ने सेवा, भक्ति और समर्पण का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने आगे कहा गुरु माता-पिता तुल्य हैं, श्रावक अम्माँ-पिया समान हैं। राजाजीनगर संघ ने साता पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भविष्य में भी यही समर्पण भाव संघ सभी संत-सतीवृंद के प्रति रखे, यही हमारी मंगल भावना है। अंत में उन्होंने साध्वी मंडल की ओर से मन, वचन, काया से क्षमायाचना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अनेक श्रद्धालुओं ने साध्वीवृंद के प्रति भाव व्यक्त किए और कृतज्ञता प्रकट की। अध्यक्ष प्रकाश ने सभी का चातुर्मास सफलता पर सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया और गुरुवर्या के चरणों में कृतज्ञता अर्पित की। कार्यकारिणी व समस्त सहयोगी संस्थाओं व सभी समितियों का सेवा हेतु आभार व्यक्त किया। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने चातुर्मास में सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संघ की एकता और सेवा भावना इस चातुर्मास की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। हमने इस चातुर्मास में धार्मिक आयोजनों को ही नहीं देखा बल्कि संघ में एकता अनुशासन और सौहार्द का वातावरण भी देखा। इस चातुर्मास से हम एक संकल्प अवश्य ले कि हम सभी सदैव धर्म और संघ से जुड़े रहे। उन्होंने महासती मंडल एवं सभी कार्यकर्ताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की और क्षमायाचना भी की। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन भलगट, जंबूकुमार दूगड़, महावीरचंद धोका, ज्ञानचंद लोढ़ा, किशोरकुमार दलाल, भागचंद गुगलिया, जसवन्त छाजेड, नेमीचन्द बाबेल, वसंतकुमार रांका, विनयकुमार बंब, कांतिलाल गांधी, त्रिशला महिला मंडल अध्यक्ष सुशीलाबाई बोहरा, मंत्री रेखा पोखरना, त्रिशला बहु मंडल अध्यक्ष नीतू लुंकड़, सहमंत्री ममता बागरेचा, राजाजीनगर युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, जिनेश्वर युवा मंत्री आयुष भलगट, ब्राह्मी कन्या मंडल अध्यक्ष नेहा लूणावत, महावीर जैन पाठशाला से कांता बागरेचा, सरला दुग्गड, नीमा देरासरीया, व अन्य ने भी अपने भाव व्यक्त किए। इस मौके पर जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, उपाध्यक्ष किशोरकुमार दलाल, जसवंत गन्ना, हस्तीमल बाफना, गुलाबचंद पगारिया, अनिल बाफना, जसवंत दलाल, रत्नीबाई मेहता, युवा शाखा अध्यक्ष आशीष भंसाली, रूपेश सिसोदिया, सुनील बंब व अन्य उपस्थित रहे।

वीर लोकाशाह जयंती मनाई

दूसरों की कमजोरी देखना छोड़ो: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में वीर लोकशाह जयंती मनाई गई। गुरुदेव ने फरमाया कि आज कार्तिक पूर्णिमा है। अंतिम दिन हम महान क्रांतिकारी को याद कर रहे हैं। कुछ लोग होते है जो याद नहीं आते। लेकिन कुछ लोग जाने के बाद भी याद किए जाते है। यह सब मनुष्य के कार्यों पर निर्भर करता है। जो जैसा करेगा उसकी पहचान भी वैसी ही बनेगी। जीवन के बाद अगर याद रहना है तो अच्छे कर्म कर के धर्म कार्य करते रहना चाहिए। ऐसे ही वीर लोकशाह का जीवन था। लोक शाह का जन्म सिरोही के एक गांव में हुआ था। कार्तिक पूर्णिमा के दिन उनका जन्म हुआ था। कारवाड़ में रहते थे। अच्छे श्रावक थे। धीरे धीरे जवाहरात का काम सिख गए। पहले सोने चांदी का अधिकांश व्यापार जैनी करते थे। हीरे और सोने का व्यापार आंखों पर निर्भर होता है। दक्ष आदमी ही कर सकता है। पिता के दिवंगत होने के बाद वे अहमदाबाद में रहने लगे। अच्छे लोगों पर समाज और शासन की नजर पड़ ही जाती है। फूल कभी पत्तों से नीचे नहीं बल्कि ऊपर आ ही जाता है। ऐसे ही अच्छे लोगों की पहचान हो जाती है। उनकी हैंडराइटिंग बहुत अच्छी थी। जब कोई कॉपी देखता है तो सबसे पहले उसकी नजर हैंडराइटिंग पर पड़ती है। लिखना और बोलना एक कला है। लोकशाह की गहन शक्ति बहुत अच्छी थी। वो आगम लिखने के साथ पढते और मनन करते थे। आगम में कुछ और है और आज का जीना कुछ और है। लोकशाह बहुत ही निडर थे। चेहरा तेज था। वाणी में बल था। दुनिया उनके वचनों पर झुकती थी। आगम लिखते लिखते उन्होंने जैनों के सिद्धांतों का प्रचार शुरू किया। वे दिन भर आगम पढते थे। शास्त्र पढते थे। उन्होंने अपना जीवन संतों की सेवा करने में लगाया। लोकशाह जैनत्व क्या है, आगम क्या है इसका प्रचार करते थे। वे अकेले चले, लेकिन बाद में हजारों लोग उनके भक्त हो गए। वे जहां गए उनका प्रभाव जोरदार पड़ा। वे बहुत ही ज्ञानी थे। उन्होंने अपने ज्ञान से प्रकाश फैलाने का काम किया। गुरुदेव ने फरमाया कि किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए। कभी कभी सुई भी काम आ जाती है। इसलिए किसी को छोटा ना समझें। सभी के प्रेम को स्वीकार करना चाहिए। गरीब हो या अमीर सबका सम्मान करो। सभी में योग्यता है। बिना मांगे कभी कोई सलाह नहीं देना चाहिए। दूसरों की कमियों को नहीं देखना चाहिए। ऐसा करने वाले अपना जीवन बदल सकते हैं। चातुर्मास समापन पर कैलाशचंद टेबा ने गुरुदेव के प्रति अपने विचार प्रकट किए। पुष्पा विनायकिया ने भी विचार व्यक्त किए। उसके बाद अनीता कोटेचा, पायल तातेड़, चंदनबाला, आशा सुराणा ने गितिका प्रस्तुत की। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने स्वागत किया एवं महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि आगामी रविवार को श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य श्री मिश्रीमल जी मधुकर' की पुण्यतिथि मनाई जाएगी।

चौमासी दर्पण का कार्य करती है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हम तो ठहरे परदेशी, कल सुबह चले जाएंगे। एक रात के और मेहमान, कल सुबह चले जाएंगे। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित चातुर्मास के अंतिम प्रवचन में उपरोक्त गीत के साथ साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि चौमासी दर्पण का कार्य करती है कि इस कल्प का किसने कितना लाभ लिया है और कौन क्यों वंचित रह गया। गुरु का साथ और गुरु का हाथ दुर्लभ होता है। भक्ति संपन्न अलसूर संघ ने भक्ति का अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि हम संसार की कलाएं नहीं सीखें तो चलेगा किंतु नर से नारायण बनने की कला अवश्य सीखें। आत्म चिंतन करें और परमात्म पथ की शोध करें। अपने प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने अलसूर संघ की सेवा भावना, जिज्ञासु वृति और अनुशासन तथा सशक्त संगठन की अनुमोदना करते हुए देव गुरु और धर्म पर श्रद्धा रखने का आह्वान किया। उन्होंने लोकाशाह का गुणानुवाद करते हुए कहा कि लोकाशाह का स्थानकवासी परंपरा पर अनंत उपकार है। उन्होंने आगम का शोध कर सत्य तत्व सार्वजनिक किए। इंदुप्रभा जी ने कहा कि व्याख्यान इस तरह सुने कि जीवन की व्याख्या ही बदल दे। महेंद्र कुमार भंसाली एवं लाड कंवर बाई भंसाली ने आजीवन ब्रह्मचर्य पालन का नियम लिया। संघ की ओर से उनका और चातुर्मास में सेवा देने वालों का सम्मान किया गया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने साध्वीवृंद के प्रति संघ की कृतज्ञता व्यक्त की। महावीर चोरड़िया, राजेश लोढ़ा, जेपीपी महिला फाउंडेशन, दीपक भंडारी ने अपने विचार रखे। श्रेयांश पारणा समिति सहित अनेक संघों ने साध्वी वृंद से शेखे काल पधारने की विनती रखी। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने चातुर्मास उपलब्धियों की जानकारी दी और संघ की ओर से क्षमा याचना की। साध्वी रिद्धिप्रभा जी ने गीतिका प्रस्तुत की। शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

मुनि मलयप्रभ सागर जी एवं हर्षपूर्णा जी का कृतज्ञता ज्ञापन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में सफलतम चातुर्मास सम्पन्न करने के पश्चात मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वीजीवर्या श्री हर्षपूर्णा श्रीजी का दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से कृतज्ञता ज्ञापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी ने इस चातुर्मास में युवावर्ग को धर्म से जोड़ने की प्रेरणा दी और अनेक युवाओं ने स्वाध्याय, सामायिक और अनेक धार्मिक अनुष्ठानों में आगे आकर रुचि दिखाई। गुरुदेव ने आगे भी इसी तरह युवावर्ग को जुड़ने का आह्वान किया। साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी ने ट्रस्ट मंडल को बहुत ही अच्छी वैयावच्च हेतु साधुवाद दिया और आशीर्वचन देते हुए कहा कि आगे भी ट्रस्ट

मंडल इसी तरह सेवा में जुड़कर देशभर में अपनी अलग ही पहचान बनाए रखे। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सकल संघ की ओर से गुरुदेव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपश्री के द्वारा चातुर्मास के दौरान आपके उच्च अध्ययन होते हुए भी इतनी सुन्दर ज्ञान, ध्यान, स्वाध्याय की आराधना करवाई गई। संघवी तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि इतनी छोटी वय में भी आपने इतनी श्रुतज्ञान की आराधना की है। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि गुरुदेव और गुरुवर्या जी ने चातुर्मास के दौरान इतनी सुन्दर आराधना में सभी को जोड़ा और अनेक अनुष्ठान सफलतापूर्वक करवाए। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि अनेक सदस्यों द्वारा गुरुदेव और गुरुवर्या जी के सफलतम चातुर्मास पूर्ण होने पर भावपूर्ण अभिव्यक्ति प्रदान की। खरतरगच्छ संघ के महामंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा ने संचालन करते हुए 'कृतज्ञ हैं हम गुरु आपके, आंखें भी हुई है नम' गीतिका प्रस्तुत की। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने कहा कि गुरुदेव हमें अंधकार से दूर करके प्रकाश की ओर ले जाते हैं और गुरु ही हमें जीवन में सही मार्ग पर चलने का मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इस अवसर पर श्री जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल के सदस्यों ने सामूहिक विदाई गीतिका प्रस्तुत की। साथ ही गौतम बाफना, हेमन्त गुलेच्छा, जैनम चौपड़ा, नीलेश मेहता, मोहित बाफना, नितेश बोहरा, यशोदा गुलेच्छा, नन्दा बाफना, वन्दना चौपड़ा, पवनी बाफना आदि सदस्यों ने भी अपनी भावपूर्ण गीतिकाएं और विचार प्रस्तुत किए। पुखराज जितेन्द्र कुमार कवाड परिवार की ओर से चातुर्मास परिवर्तन के उपलक्ष्य में गुरुदेव, गुरुवर्या श्री जी के साथ सकल संघ को अपने निवास पर पधारने की विनती की।

साधु साध्वी भगवंतों को एक स्थान से दूसरे स्थान का परिवर्तन करना पड़ता है: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि भगवान महावीर के शासन एक व्यवस्था है कि अपना चातुर्मासिक प्रवास पूर्ण कर साधु साध्वी भगवंतों को एक स्थान से दूसरे स्थान का परिवर्तन करना पड़ता है।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने कहा कि श्रावकों की भावनाएं ऐसे जुड़ जाती हैं कि साधू साध्वियों को अलग करने का मन नहीं करता है, परंतु व्यवस्था से चलना भी हमारी परम्परा है। कार्तिक पूर्णिमा को आदिनाथ भगवान का 108 अभिषेक शांतिधारा स्तोत्र अभिषेक का लाभ मुकेश कुमार, विमल कुमार, गौतम कुमार, जोमतराज परिवार ने लाभ लिया। राजेंद्र पोरवाल ने कहा कि गुरुवार को दादागुरुदेव राजेन्द्र सूरिश्वरजी का 108 अभिषेक होगा। नेमीचंद भबूतमल परिवार ने लाभ लिया है। चातुर्मास परिवर्तन का लाभ सुरेश कुमार, मोहनलाल, रतनचंद पोरवाल ने लिया। इस अवसर पर श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी, उपाध्याय राजेन्द्र कुमार पोरवाल, सचिव महावीर कुमार संघवी, अंबालाल शाह, भंवरलाल जैन, महेंद्र कुमार जैन, राजु भंडारी, संजय कुमार पोरवाल, सुरेश कुमार पोरवाल, नटवरलाल जैन, अशोक कुमार जैन, किशोरमल जैन एवं श्री जैन संघ दावणगेरे उपस्थित रहा।

गौशाला के लिए एकत्र की गई खाद्य सामग्री

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में बुधवार को पूर्णिमा के दिन पार्श्व पूनम रोटी बैंक के तहत खाद्य सामग्री रोटी गुड़ केले तरकारी समेत कई चीजों को एकत्रित कर गौशाला भिजवाई गई। गौशाला में पलने वाली गायों की सेवा बहुत ही पुण्य का कार्य है। गायों के भोजन के लिए रोटी तरकारी अनाज गुड़ जैसी खाद्य सामग्री की आवश्यकता होती है। गदग जैन समाज और श्रद्धालु इस कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी इस सेवा में सहयोग देते हैं। गौशाला में जब पर्याप्त भोजन पहुंचता है, तो गायें प्रसन्न होकर शांति से भोजन करती हैं। उनकी आंखों में संतोष और आशीर्वाद झलकता है। यह दृश्य देखने से मन को असीम शांति मिलती है। इस प्रकार, गौशाला के लिए खाद्य सामग्री एकत्र करना न केवल सेवा का कार्य है, बल्कि यह समाज में प्रेम, दया और सहयोग की भावना को भी बढ़ाता है। इस अवसर पर संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़, अध्यक्ष पंकज बाफना, समित सदस्य सचिन जैन, पृत्वीराज संकलेचा, ओमप्रकाश तातेड़, राजेंद्र भंसाली, रमेश फोलामुथा, सुरेश बोरा, मीना भंसाली, टंकीदेवी संकलेचा, मीनाक्षी लुंकड़, निर्मलादेवी बाफना समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

उड़ान 2026 के पोस्टर का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा आगामी बी2बी ट्रेड फेयर उड़ान 2026 के पोस्टर का भव्य विमोचन नेशनल वीमेंस कॉन्क्लेव 2.0 मैसूरु के दौरान किया गया। यह आयोजन 15 व 16 जनवरी 2026 को गणेश बाग, इन्फैंट्री रोड में आयोजित होगा। पोस्टर विमोचन में जीतो एपेक्स प्रेसिडेंट विजय भंडारी, जेएलडब्लू चेयरपर्सन शीतल दुग्गड़, डायरेक्टर इंचार्ज सोनाली जैन, उड़ान संयोजक अनिता सेठिया, केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, महामंत्री दिलीप जैन, केकेजी जोन संयोजक जेएलडब्लू एपेक्स पिंकी जैन, कीर्ति संचेती एवं कई एपेक्स, केकेजी जोन एवं बेंगलूरु, मैसूरु और अन्य चैप्टर के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चेप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया एवं महामंत्री विजय सिंघवी ने भी इस पहल के प्रति उत्साह व्यक्त किया। इस कार्यक्रम की चेयरपर्सन जीतो महिला विंग से लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, संयोजिका बिंदु नाहर, साथ ही इवेंट सहसंयोजिका सारिका जैन हैं। उड़ान का उद्देश्य महिलाओं के उद्यमिता कौशल, रचनात्मकता और नेटवर्किंग को सशक्त बनाना है। इस मेले के माध्यम से महिलाएं अपने व्यवसायिक विचारों को नए अवसरों में बदल सकेंगी, अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर सकेंगी और बिजनेस ग्रोथ की नई दिशा पा सकेंगी। उड़ान 2026 महिलाओं के सशक्तिकरण, प्रतिभा प्रदर्शन और भविष्य निर्माण का प्रतीक बनेगा।

श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक की टीम पांच राज्यों में साधु-साध्वीवृंद के दर्शन कर बेंगलूरु लौटी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में मानव सेवा के क्षेत्र में सेवारत तथा जरूरतमंदों को प्रतिमाह अमावस्या पर भोजन प्रसाद कराने में अग्रणी श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु की टीम देश के विभिन्न राज्यों के अनेक शहरों में चातुर्मासार्थ विराजित साधु साध्वीवृंद के दर्शन वंदन कर पुन: बेंगलूरु लौटे।

समिति के कार्याध्यक्ष आशीष बाफना ने बताया कि 9 दिनों के इस धार्मिक यात्रा में करीब पांच राज्यों के विभिन्न शहरों में साधु-साध्वीवृंद के दर्शन वंदन एवं अनेक संतों के अविस्मरणीय आशीर्वाद प्राप्ति का कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस दौरान समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल एवं कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना का प्रमुख रूप से सान्निध्य रहा। उन्होंने बताया कि इस मौके पर सर्वप्रथम सभी बेंगलूरु से महाराष्ट्र राज्य के पुणे शहर पहुंचे, यहां महावीर प्रतिष्ठान में साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी महाराज साहब आदि ठाणा की निश्रा में गुरु गणेशलालजी महाराज की 146वीं जन्म जयंती तथा साध्वी श्रीनिर्मितजी के मास खमन की तपस्या के साक्षी बने। इसके बाद बींबबेवाडी स्थित स्थानक में मुकेशमुनिजी, हरीशमुनिजी महाराज साहब आदि ठाणा तथा विश्रांतवाड़ी में महासाध्वी संबोधिजी मसा. आदि ठाणा के दर्शन वंदन का लाभ लिया। यहां से तेलंगाना राज्य के हैदराबाद सिकंदराबाद पहुंचकर काचीगुड़ा स्थानक में साध्वीश्री जयश्रीजी महाराज साहब आदि ठाणा की निश्रा में वंदन कर दीक्षार्थी बहन कोमल छाजेड़ का समिति की ओर से सम्मान किया गया।

सिख विलेज स्थित साध्वीश्री राजमतीजी आदि ठाणा, रामकोट स्थित महासाध्वी सुधाकंवरजी आदि ठाणा, अमीरपेट स्थित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी मसा आदि ठाणा, पाट मार्केट स्थित साध्वीश्री सुमंगलाश्रीजी आदि ठाणा, मारडेपल्ली में संतश्री राजेशमुनिजी मसा आदि ठाणा के दर्शन वंदन का लाभ लिए। उत्तराखंड राज्य की राजधानी देहरादून में प्रेम सुख धाम में श्रमण संघीय उपाध्याय प्रवरश्री रविंद्रमुनिजी मसा आदि ठाणा व यहां साध्वी भवन में उपप्रवर्तनीश्री रिद्धिमाजी मसा आदि ठाणा के दर्शन वंदन के साथ महावीर गौशाला में गौ सेवा का लाभ लिया।

देहरादून से पंजाब राज्य के लुधियाना पहुंचे समिति के पदाधिकारियों ने यहां सिविल लाइंस स्थानक में उपाध्यायश्री जितेंद्रमुनिजी मसा. आदि ठाणा, सेक्टर 39 में महासाध्वी पुनीतज्योतिजी मसा बहन मुक्ताश्रीजी मसा आदि ठाणा के दर्शन कर प्रवचन श्रवण किए। लुधियाना से राजधानी दिल्ली पहुंचकर समिति के पदाधिकारियों ने विवेक नगर में अनुपममुनिजी मसा आदि ठाणा, त्रिनगर में विशालमुनिजी, प्रबुतमुनिजी, तीर्थेशमुनिजी आदि ठाणा, करोल बाग प्रेम भवन में पारसमुनिजी भंते, दीपेंद्रमुनिजी आदि ठाणा, वीरनगर में रचितमुनिजी आदि ठाणा के दर्शन वंदन नमन तथा प्रवचन श्रवण आदि का लाभ लिया।

दिल्ली से प्रस्थान कर औरंगाबाद में श्री गणेश मिश्री तपोधाम में सभी ने शीश नवाया। इसके बाद बदनापुर में गणेश तपोधाम में विराजित साध्वीश्री प्रतिभाश्रीजी मसा आदि ठाणा तथा जैन स्थानक में साध्वीश्री अमितसुधाजी मसा आदि ठाणा के दर्शन वंदन किया। यहां से जालना पहुंचकर खद्दरधारी संतश्री गणेशलालजी मसा के धाम पर शीश नवाया। श्रमण संघीय सलाहकारश्री रमणीक मुनिजी मसा के 59वें जन्मोत्सव प्रसंग के साक्षी बनकर प्रवचन श्रवण का लाभ लिया।

महासाध्वीश्री हिमानीजी के 124वें आयंबिल तप की अनुमोदना कार्यक्रम में प्रवचन श्रवण किया। साथ ही अगले दिन पारणा कार्यक्रम में शिरकत करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। आशीष बाफना ने बताया कि समिति के पदाधिकारी जालना से बीड पहुंचकर बीड स्थानक में महासाध्वीजी आभाश्रीजी आदि ठाणा के दर्शन किए।

यहां से अहमदनगर में संतश्री आनंदऋषिजी के पावन धाम में वंदनीय दर्शन किए। साथ ही यहां विराजित संतश्री कुंदनऋषिजी, आलोकऋषिजी मसा के प्रवचन श्रवण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अहमदनगर में घोड़नदी शिरूर स्थानक में गौतममुनिजी (बरसा) मसा आदि ठाणा के दर्शन कर सुश्रावक परिवार नीतिन, प्रवीण भंडारी के निवास पर आतिथ्य स्वागत सत्कार कार्यक्रम में भागीदारी निभाई।

शिरूर से पुणे स्थित शिवाजी नगर स्थानक में विराजित महासाध्वी सुशीलाकंवरजी मसा आदि ठाणा, महावीर प्रतिष्ठान में महासाध्वी चैतन्यश्रीजी मसा आदि ठाणा, बिबवेवाड़ी कोठारी निवास में महासाध्वी प्रतिभाश्रीजी मसा आदि ठाणा, आदिनाथ सोसायटी में संतश्री प्रवीणऋषिजी मसा तथा आदर्शज्योतिजी मसा आदि ठाणा, सादड़ी सदन गणेशपेठ में तारकत्रऋषिजी मसा आदि ठाणा के दर्शन वंदन का लाभ लिया। इस दौरान महावीर प्रतिष्ठान में श्रमण संघ के वरिष्ठ सुस्रावक विजयकांति कोठारी का सम्मान भी समिति की ओर से किया गया।

कोषाध्यक्ष मनोहर लाल बाफना ने बताया कि करीब 30 ठाणे के संत सतियों का दर्शन लाभ किया और खूब आशीर्वाद मिला।

गन्ना किसानों के संघर्ष को न्याय अवश्य मिलेगा

अन्नदाताओं के साथ जन्मदिन कभी नहीं भुलाया जा सकेगा: विजयेंद्र

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। इस देश के अन्नदाताओं के साथ अपना 50वां जन्मदिन मनाना मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय अवसर है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने इसे एक वरदान बताया है। विजयेंद्र ने बुधवार को जिले के गुरलापुरा चौराहे पर चल रहे गन्ना किसानों के संघर्ष में भी हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि आपके संघर्ष को न्याय मिलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि मंत्री केंद्र सरकार पर आकर बैठें नहीं। उन्होंने कहा कि जब मंत्री आएंगे तो वह यहाँ नहीं होंगे। गन्ना किसानों को तौल और रिकवरी के मामले में ठगा जा रहा है। किसानों को उनकी आंखों के सामने ठगा जा रहा है। उन्होंने

उम्मीद जताई कि कड़ी धूप में संघर्ष कर रहे किसानों की समस्या का समाधान होगा। मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था कि प्रभारी मंत्री, जो 20 किलोमीटर दूर हैं, और गन्ना मंत्री, जो 50 किलोमीटर दूर हैं, गन्ना किसानों का संघर्ष देखकर तुरंत आएंगे, शिकायत स्वीकार करेंगे और समस्या का समाधान करेंगे। संघर्ष छठे दिन में प्रवेश कर गया, फिर भी राज्य सरकार ने ध्यान नहीं दिया। चिलचिलाती धूप में भी किसान संघर्ष कर रहे थे, लेकिन राज्य सरकार ने उनकी पुकार नहीं सुनी। मुझे लगा कि इसका कारण राज्य सरकार का सत्ता का लालच है। इसलिए, बिना एक पल की भी देरी किए, उन्होंने कहा, पार्टी नेताओं से चर्चा करने के बाद वे यहाँ पहुँचे। उन्होंने कहा कि उन्होंने संघर्ष में भाग लिया और राज्य सरकार के कान दबाने का काम किया। उन्होंने याद दिलाया कि बी.एस. येदियुरप्पा हमेशा कहते हैं, 'हमारे किसान गरीब हो सकते हैं, लेकिन अगर कोई अमीर दिल वाला है, तो वे हमारे किसान हैं। मैं इस मंच पर एक राजनेता या विधायक के रूप में लड़ने के लिए नहीं आया हूं। उन्होंने कहा कि मैं आज इस संघर्ष में बी.एस. येदियुरप्पा के पुत्र, एक वीर योद्धा, जिसने देश को देखा है, एक चतुर व्यक्ति जिसने देश को देखा है, और एक अद्वितीय किसान नेता के रूप में आया हूं। मीडिया के निरंतर कवरेज के परिणामस्वरूप, आपके संघर्ष की आंच राज्य सरकार तक पहुंच गई है। मैंने बेलगावी के जिला कलेक्टर, मंत्री और चीनी विभाग के आयुक्त से चर्चा की है। उन्होंने बताया कि उन्होंने केवल एक ही बात कही थी। गन्ना उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा न लें। उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से बात की थी और उन्हें संघर्ष की आंच न फैलाने की चेतावनी दी थी।

मेंगलूरु पुलिस ने आत्महत्या का प्रयास कर रहे व्यक्ति और उसकी बेटी को बचाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर की पुलिस ने उल्लेखनीय सतर्कता और समन्वय का परिचय देते हुए आत्महत्या का प्रयास कर रहे दो लोगों – एक व्यक्ति और उसकी छोटी बेटी – की जान सफलतापूर्वक बचा ली। यह घटना कावूर थाना क्षेत्र के अंबिका नगर निवासी राजेश (35) और उसकी चार साल की बेटी के साथ हुई थी। बचाव अभियान पनाम्बूर और कावूर पुलिस टीमों द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया। राजेश, जिसकी सात साल पहले शादी हुई थी, वैवाहिक कलह का सामना कर रहा था। सोमवार को, अपनी पत्नी से झगड़े के बाद, वह कथित तौर पर हताश हो गया और अपनी बेटी के साथ आत्महत्या करने का फैसला किया। वह अपनी बेटी को तन्निर्भवी समुद्र तट पर ले गया और एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने कहा चलो दोनों मर जाते हैं। फिर उसने वीडियो को रिश्तेदारों के व्हाट्सऐप ग्रुप में शेयर कर दिया। इस दुखद वीडियो

में, जिसमें राजेश समुद्र तट की ओर जाते हुए तुलु भाषा में बात करते हुए दिखाई दे रहे थे, उनकी बेटी भी विनती करती हुई दिखाई दे रही थी, कृपया, मत मरो, अप्पा। यह वीडियो तेजी से परिवार के सदस्यों के बीच फैल गया और अंततः शाम लगभग 7 बजे पनमबुर पुलिस तक पहुंच गया। पनाम्बूर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संदेह जताया कि घटना पनाम्बूर बीच के पास हुई होगी और इलाके में तलाशी शुरू की, लेकिन उस व्यक्ति या बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। फिर उन्होंने अपनी खोज को तन्निर्भवी बीच तक बढ़ाया, लेकिन फिर भी कोई सुराग नहीं मिला। साइबर क्राइम पुलिस की मदद से, अधिकारियों ने राजेश का मोबाइल नंबर ट्रेस किया और उसे कावूर के शांतिनगर में पाया। पनाम्बूर पुलिस इंस्पेक्टर ने तुरंत कावूर पुलिस स्टेशन को सूचित किया और अपनी टीम को उस स्थान पर भेज दिया। पनाम्बूर के पुलिसकर्मी फकीरप्पा, शरणप्पा और राकेश चिन्हित घर पहुंचे, लेकिन वह अंदर से बंद पाया। खटखटाने और आवाज लगाने के बावजूद, कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। आखिरकार, पुलिस को दरवाजा तोड़ना पड़ा, तो राजेश अपनी बेटी के साथ फांसी लगाने की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों व्यक्तियों को बचाया और कावूर पुलिस को सौंप दिया। राजेश की काउंसलिंग की गई और बाद में उसे घर भेज दिया गया। मंगलवार को, दोनों पति-पत्नी को पुलिस स्टेशन बुलाया गया, जहां अधिकारियों ने मध्यस्थता की और उन्हें समझाइश दी। घटना के संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

मैसूरु सांसद ने विनोबा रोड, जेएलबी रोड पर फ्लाईओवर का विरोध किया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने शहर में दो नए फ्लाईओवर बनाने के प्रस्ताव (जाहिर तौर पर कर्नाटक सरकार के लोक निर्माण विभाग द्वारा) का विरोध करते हुए कहा कि चुनी गई सड़कें विरासत के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं और इस परियोजना के परिणामस्वरूप कई पेड़ों की कटाई हो सकती है। यहां बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांसद ने कहा मुझे मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से फ्लाईओवर की योजनाओं के बारे में पता चला। एक कॉन्सेप्ट वीडियो प्रसारित किया जा रहा है और मिट्टी परीक्षण का काम पहले से ही चल रहा है। ऐसा लगता है कि अधिकारियों ने अपना मन बना लिया है। हम कई आधारों पर इसका विरोध करते हैं और जरूरत पड़ने पर इसे अदालत में चुनौती देने के लिए भी तैयार हैं। कथित तौर पर प्रस्तावित

फ्लाईओवर जे.एल.बी. रोड और विनोबा रोड (हुंसूर रोड) पर बनाए जाने की योजना है, दोनों को हेरिटेज रोड के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्होंने कहा ये हिस्से ऐतिहासिक इमारतों से घिरे हैं और घनी हरियाली से घिरे हैं। हूटागल्ली जंक्शन के आगे यातायात संबंधी चिंताएं हो सकती हैं, लेकिन विनोबा रोड पर मेट्रोपोल सर्कल और ऐश्वर्या पेट्रोल बंक के बीच ऐसी कोई समस्या नहीं है। मुझे इन दोनों जगहों पर फ्लाईओवर बनाने का कोई औचित्य नहीं दिखता। यह कहते हुए कि ऐतिहासिक इमारतों और हरियाली को संरक्षित किया जाना चाहिए, सांसद ने कहा कि यातायात की भीड़भाड़ से निपटने के वैकल्पिक तरीके हैं। उन्होंने कहा इस पैमाने की परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अध्ययन और सार्वजनिक परामर्श की आवश्यकता होती है। ऐसा लगता है कि इनमें से कुछ भी नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय आयुक्त कार्यालय, उपायुक्त आवास, जलदर्शिनी गेस्ट हाउस और सीएफटीआरआई परिसर सहित कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक इमारतें विनोबा रोड पर स्थित हैं। यह हिस्सा मानसगंगोत्री परिसर और कुक्कराहल्ली झील से भी घिरा है। उन्होंने बताया इस हिस्से पर पेड़ों की छतरी अमूल्य है। सड़क को उचित रखरखाव की आवश्यकता है, फ्लाईओवर जैसे संरचनात्मक विस्तार की नहीं। यह स्पष्ट करते हुए कि वह विकास का विरोध नहीं कर रहे हैं, वाडियार ने वैज्ञानिक शहरी नियोजन की आवश्यकता पर बल दिया। फ्लाईओवर कोई स्थायी समाधान नहीं हैं। बेंगलूरु में दर्जनों फ्लाईओवर हैं, फिर भी यातायात की समस्या बनी हुई है। हमें मैसूरु की विरासत के अनुरूप दीर्घकालिक समाधानों की आवश्यकता है। हाल ही में ग्रेटर मैसूरु पर आयोजित एक बैठक में मुख्यमंत्री ने भी इस ओर ध्यान दिलाया था। अगर सोच-समझकर योजना बनाई जाए तो हम मैसूरु में मेट्रो रेल जैसी परियोजनाओं का स्वागत करेंगे। मुंबई में, विरासत क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए मेट्रो लाइनें भूमिगत चलती हैं। सांसद ने सार्वजनिक परिवहन में सुधार और केंद्रीय व्यावसायिक जिले में भीड़भाड़ कम करने के लिए बाजारों का विकास और सेवाओं को आवासीय इलाकों में स्थानांतरित करने पर जोर दिया। वाडियार ने कहा, अगर अधिकारी फ्लाईओवर योजनाओं पर आगे बढ़ते हैं, तो हम कानूनी रास्ता अपनाने और जनता का समर्थन जुटाने के लिए तैयार हैं।

सरकारी संपत्तियों पर एसोसिएशन की गतिविधियों पर प्रतिबंध के खिलाफ अपील पर फैसला सुरक्षित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सरकारी संपत्तियों पर संगठनों की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने वाले सरकारी आदेश पर सरकार द्वारा जारी स्थगन आदेश पर उच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। उच्च न्यायालय की धारवाड़ खंडपीठ के न्यायमूर्ति एस.जी. पंडित और न्यायमूर्ति के.बी. गीता की खंडपीठ ने राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई की। महाधिवक्ता शशिकरण शेट्टी ने सरकार की ओर से दलीलें दीं, जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक होरनल्ली ने आवेदक पुनर्चेतना सेवा संस्था की ओर से दलीलें दीं।

सरकार की ओर से दलीलें देते हुए शशिकरण शेट्टी ने कहा कि सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण बीएनएस अधिनियम के तहत अपराध है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश न्यायोचित है। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने इस पर फिर से सवाल उठाते हुए कहा कि आदेश में दस लोगों का एक

जगह इकट्ठा होना गैरकानूनी है। क्या लोगों को एक साथ चलने के लिए अनुमति की आवश्यकता है? उन्होंने सुझाव दिया कि वे स्पष्ट करें कि यह आदेश किसी भी चीज पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास कर रहा है। आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि लोगों को किसी रैली या बैठक में शामिल होने से पहले पूर्व अनुमति लेनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्क में टहलने या मैदान में खेलने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश को रद्द किया जाना चाहिए। सरकार जनहित में अपने आदेश की रक्षा के लिए कदम उठा रही है। एकल सदस्यीय पीठ ने कहा कि सरकारी आदेश पर रोक लगाने के बजाय, वह अंतरिम राहत दे सकती थी। जब पीठ ने सवाल किया कि क्या सरकार का तर्क यह है कि निजी संस्थानों को सरकारी संपत्ति का उपयोग नहीं करना चाहिए, तो शशिकरण शेट्टी ने कहा कि आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि अनुमति प्राप्त करने के बाद गतिविधियां की जा सकती हैं। आपके अनुसार, यदि दस से अधिक लोग इकट्ठा होते हैं, तो क्या यह रैली है या सभा? यदि किसी पार्क में दस से अधिक लोग इकट्ठा होते हैं तो क्या होगा? जब पीठ ने कहा कि इस मामले में एकल सदस्यीय पीठ के समक्ष अंतरिम आदेश में स्पष्टीकरण नहीं मांगा जा सकता था, तो इस मामले पर एक दलील दी गई। पीठ पार्क के संबंध में स्पष्टीकरण दे सकती है। हमें पार्क में लोगों के टहलने पर कोई आपत्ति नहीं है। याचिकाकर्ता पार्क में टहलने की मांग नहीं कर रहे हैं। बल्कि, वे पार्क में पढ़ाने की मांग कर रहे हैं। अदालत को इस बात की जांच करनी चाहिए कि याचिकाकर्ता क्या अनुरोध कर रहे हैं। पार्क हवाई यात्रा और अन्य गतिविधियों के लिए बनाया गया है। वहां सेमिनार आयोजित नहीं किए जा सकते। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि इसके लिए हॉल का अधिग्रहण किया जाना चाहिए। अशोक हरनहल्ली ने तर्क दिया कि राज्य सरकार ने सारी संपत्ति अपनी मान ली है। सरकार को ज्ञापन दाखिल करने के बजाय, एकल न्यायाधीश पीठ के समक्ष अंतरिम राहत के लिए ज्ञापन दाखिल करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि इसलिए सरकार के ज्ञापन पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने एकल न्यायाधीश पीठ द्वारा जारी अंतरिम आदेश पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

कल देशभर में होगा सामूहिक वंदे मातरम गायन: मालविका अविनाश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष और वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ की प्रदेश संयोजक मालविका अविनाश ने कहा कि 7 नवंबर को देशभर में सामूहिक वंदे मातरम गायन और वंदे मातरम उत्सव मनाया जाएगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि 7 नवंबर को 150 से ज्यादा यानी लगभग 300-400 लोग प्रदेश कार्यालय में एकत्रित होकर सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन करेंगे। उन्होंने सभी से इसमें शामिल होने का अनुरोध किया। देश भर के सभी भाजपा कार्यालयों में सामूहिक वंदे मातरम गायन होगा। स्वयं प्रधानमंत्री भी इस गायन में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि पार्टी ने 150 जिलों में वंदे मातरम मनाने का फैसला किया है और कर्नाटक के बेंगलूरु, मैसूरु, चित्रदुर्ग, बागलकोट, गदग, कलबुर्गी और दक्षिण कन्नड़ जिलों में सामूहिक वंदे मातरम गायन होगा। 1875 में श्री बंकिंचंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे

मातरम गीत की रचना की थी। यह गीत अब अपनी 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। केंद्र की एनडीए सरकार, जिसका नेतृत्व उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं, ने पूरे देश में वंदे मातरम मनाने का सुझाव दिया है। उन्होंने बताया कि यह स्वतंत्रता संग्राम का मूल मंत्र था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस गीत को गाकर उत्सव मनाने का फैसला किया है। 7 नवंबर को पूरे देश में वंदे मातरम गीत का सामूहिक गायन और वंदे मातरम का उत्सव मनाया जाएगा। 1896 में, नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था कि यह गीत लोगों के मन में अपनी जगह बनाने के लिए गाया गया था और इससे इसे ज्यादा प्रचार मिला। इस गीत का इस्तेमाल 20वीं सदी के शुरुआती दौर में स्वतंत्रता संग्राम के नारे के तौर पर किया गया था। उन्होंने याद दिलाया कि अंग्रेज विरोधी आंदोलनों में वंदे मातरम का नारा लगाया जाता था। उन्होंने कहा कि 1923 के कांग्रेस पार्टी अधिवेशन में वंदे मातरम गीत की कुछ पंक्तियों का विरोध किया गया था। डॉ. मौलाना आजाद ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वंदे मातरम को इसलिए हटा दिया था क्योंकि इस बात पर चर्चा हुई थी कि पूरे गीत में 'त्वं हि दुर्गा दशप्रहरण धारिणी' पंक्ति अल्पसंख्यकों को नाराज करेगी। 1950 में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने संयुक्त विधानसभा में कहा था कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम को जनमत के समान सम्मान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2019 में मध्य प्रदेश में सत्तासीन कांग्रेस सरकार ने सचिवालय में वंदे मातरम के गायन पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह कांग्रेस की राजनीति है। हमारे लिए वंदे मातरम अत्यंत पवित्र है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि कर्नाटक में महिलाओं पर लगातार हत्याएं और अन्य अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पर सवाल उठाना जरूरी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि 27 अक्टूबर को बेंगलूरु में पुलिस ने एक महिला पर हमला किया और बाद में उसका शव एक ऑटो में मिला। 17 अक्टूबर को एक ब्राजीलियाई मॉडल के साथ बलात्कार हुआ। उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि एक घर में घुसकर लूटपाट, बलात्कार और हत्या की गई और एक इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा के साथ शौचालय में यौन उत्पीड़न किया गया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष मंजुला और वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ की प्रदेश सह-संयोजक श्यामला कुंदर भी उपस्थित थीं।

कुंडापुरा में कार का शीशा तोड़कर 2 लाख रुपये की नकदी चोरी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कुंडापुर के पास तल्लूर में मंगलवार शाम दिनदहाड़े एक दुस्साहसिक चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए बदमाशों ने एक खड़ी कार का शीशा तोड़कर 2 लाख रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। केंचनूर निवासी और ठेकेदार गुंडू शेट्टी ने तल्लूर के एक बैंक से 2 लाख रुपये निकाले और नकदी अपनी कार में रख ली। इसके बाद उन्होंने तल्लूर शहर के पास एक आवासीय परिसर के सामने गाड़ी खड़ी की और अपने किराए के घर चले गए। लगभग 10-15 मिनट बाद जब वह वापस लौटे, तो उन्होंने कार का शीशा टूटा हुआ और नकदी गायब पाई। खबरों के अनुसार, बदमाशों ने कार की दाहिनी ओर की खिड़की तोड़ दी और डैशबोर्ड में रखे पैसे चुरा लिए। चोरी तल्लूर जंक्शन के पास एक व्यस्त इलाके में हुई, जहां आवासीय अपार्टमेंट, व्यावसायिक परिसर और पास में ही एक बस और ऑटो स्टैंड है। दिनदहाड़े हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। आशंका है कि चोरों ने चोरी करने से पहले गुंडू शेट्टी की नकदी निकासी की पुष्टि करने के बाद बैंक से उनका पीछा किया होगा। कुंडापुर के एसआई नंजा नाइक और उनकी टीम ने घटनास्थल का दौरा किया, जानकारी जुटाई और जांच शुरू कर दी है। कुंडापुर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

नंदिनी घी की कीमत में 90 रुपये की बढ़ोतरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ऐसे समय में जब रोजमर्रा की जरूरतों की चीजों की बढ़ती कीमतों से लोग हांफ रहे हैं, कर्नाटक सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ ने भी नंदिनी घी की कीमत में अचानक 90 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। नंदिनी घी की कीमत में 90 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई है और नई कीमत बुधवार से ही लागू हो जाएगी। पहले 1 किलो घी की कीमत 610 रुपये थी, जो अब 90 रुपये बढ़कर 700 रुपये हो गई है। घी के अलावा नंदिनी के अन्य उत्पादों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बाहरी राज्यों से भारी मांग

के कारण केएमएफ घी की कीमत में बढ़ोतरी की गई है। एक लीटर घी की कीमत में 90 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अब एक लीटर एओई घी की कीमत 700 रुपये तय की गई है। पहले एक लीटर घी 610 रुपये में बिकता था। जीएसटी स्लैब सुधार से पहले यह 650 रुपये था और जीएसटी सुधार के बाद इसमें 40 रुपये की कमी की गई। केएमएफ ने जीएसटी सुधार से पहले ही कीमत बढ़ाने का फैसला किया था। केएमएफ अधिकारियों ने बताया कि विश्व बाजार में घी की कीमत में अपरिहार्य वृद्धि के कारण घी की कीमत में वृद्धि की गई है।

भारत-न्यूज़ीलैंड एफटीए पर चल रही बातचीत से व्यापार, निवेश और इनोवेशन के संबंधों को बढ़ाने का रास्ता खुलेगा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां) । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन से अपनी मुलाकात को बेहतरीन बताते हुए कहा कि न्यूजीलैंड के साथ अपनी बढ़ती पार्टनरशिप को भारत बहुत अधिक महत्व देता है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर चल रही बातचीत से व्यापार, निवेश और इनोवेशन के संबंधों को बढ़ाने का रास्ता खुलेगा। हम इस पार्टनरशिप को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के अपने साझा इरादे को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि वे न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर और ट्रेड मिनिस्टर टॉड मैकक्ले के साथ इंडियन कम्युनिटी इवेंट में शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री ने इस इवेंट में अपने संबोधन को लेकर जानकारी देते हुए कहा, मैंने पीएम मोदी के भारत-न्यूजीलैंड पार्टनरशिप को मजबूत बनाने के विजन के बारे में बात की और बताया कि किस प्रकार एक फेयर और बैलेंस्ड एफटीए नए अवसरों को पेश कर सकता है। साथ ही, किस प्रकार इस एफटीए से दोनों तरफ के लोगों को फायदा पहुंचा सकता है।

उन्होंने आगे कहा, मैंने अपने भारतीय डायस्पोरा के शानदार योगदान पर भी जोर दिया, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने अपने संबोधन में कहा, हमने लगातार डायरेक्ट और इनडायरेक्ट दोनों तरह के टैक्स कम किए हैं। अब ऐसे कानूनों से क्रिमिनलाइजेशन का कोई खतरा नहीं है, जो छोटी-मोटी गलतियों के लिए कानूनी कार्रवाई की धमकी देते हैं। कोशिश यह है कि भारत को एक आकर्षक डेस्टिनेशन बनाया जाए।

उन्होंने कार्यक्रम में भारत-न्यूजीलैंड एफटीए को लेकर कहा, न्यूजीलैंड के साथ एक संभावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट न केवल हमारे ट्रेड और इन्वेस्टमेंट संबंधों को मज़बूत करेगा, बल्कि दुनिया को एक बड़ा संदेश देगा कि न्यूजीलैंड और भारत एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। हम न्यूजीलैंड और भारत के लोगों के बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करेंगे, बिजनेस के नए मौके देंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे और दोनों देशों के आर्थिक विकास में योगदान देंगे। क्योंकि दोनों ही देशों के लिए इंक्लूसिव और सस्टेनेबल डेवलपमेंट हमारी फिलॉसफी के मूल में है।

छात्रावास में विद्यार्थियों ने ली भ्रष्टाचार मुक्त भारत की शपथ

जम्मू, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।
जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजेन्द्र सिंह एमवीसी बॉयज़ हॉस्टल में केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन के मार्गदर्शन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. राकेश झा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम छात्रावास के निवासियों को भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने की शपथ दिलाई गई। छात्रावास के अधीक्षक प्रो. भारत भूषण ने राष्ट्र के विकास के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत निर्माण की आवश्यकता पर आलोकपात किया। उन्होंने कहा कि देश के सभी नागरिकों को मनसा-वाचा-कर्मणा भ्रष्टाचार मुक्त होने की परम आवश्यकता है। उन्होंने जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति के आदर्श सिद्धांत और कर्मठता के बारे में बताते हुए कहा कि आज़ हमारा छात्रावास जिस प्रकार सुंदर और सभी प्रकार की सुविधाओं से सम्पन्न हो सका है, इसका श्रेय कुलपति जी की पारदर्शी नीति के कारण संभव हो पाया है। हमें भी इस छात्रावास को भ्रष्टाचार मुक्त बनाते हुए इसका संरक्षण की जरूरत है। इस अवसर पर संयुक्त अधीक्षक डॉ प्रवेश पाल ने सभी को शपथ दिलाई। वाद विवाद प्रतियोगिता में भारी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें शुभम को प्रथम, स्पर्श कुमार को द्वितीय तथा मंगल पांडे को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुए। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। दोनों संयुक्त अधीक्षक डॉ शशिकांत मिश्र एवं डॉ प्रवेश पाल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर छात्रावास कार्यालय के अधिकारी पवन कुमार और उपदेश का भी विशेष सहयोग रहा।

एअर इंडिया का विमान उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों को लेकर दिल्ली आया

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।
एअर इंडिया का एक विमान मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों को लेकर बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचा। तकनीकी समस्या के कारण सोमवार को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान का मार्ग परिवर्तित कर उसे मंगोलिया की राजधानी ले जाया गया, जिसके बाद यात्री वहां फंस गए थे।

इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि उलानबटोर से यात्रियों को लेकर एअर इंडिया का राहत विमान बुधवार सुबह करीब आठ बजकर 24 मिनट पर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा।राहत उड़ान संख्या एआई183 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के साथ संचालित की गई। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने सोमवार को कहा था कि उलानबटोर ले जाए गए बोइंग 777 विमान में 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों सहित 245 लोग सवार थे।

एयरलाइन ने बुधवार को एक बयान में कहा, ''एहतियाती तौर पर मार्ग परिवर्तन के बाद मंगोलिया के उलानबटोर में फंसे एआई174 के यात्रियों और चालक दल को लेकर राहत उड़ान आज सुबह दिल्ली में उतरी।''

संबंधित अधिकारियों के अलावा एअर इंडिया ने भी अपने यात्रियों को मार्ग परिवर्तन के दौरान उनके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद दिया। सोमवार को टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअरलाइन ने कहा, ''सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए दिल्ली जा रही एआई174 को उलानबटोर में एहतियातन उतारा गया, क्योंकि उड़ान के चालक दल को रास्ते में तकनीकी समस्या का संदेह था।'' बोइंग 777 विमान उलानबटोर में सुरक्षित उतर गया था।

पूरब के बाद अब पश्चिम में ताकत आजमाएगा अपना दल

बरेली, 05 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्वांचल की सियासत में पैठ बना चुके अपना दल-एस की निगाह अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन पर है। अपना दल-एस ने तीन दशक की अपनी सियासी यात्रा के समारोह के लिए बरेली को चुना। कुर्मी मतदाताओं वाले रुहेलखंड में पार्टी की आलाकमान अनुप्रिया पटेल और आशीष पटेल ने स्थापना दिवस समारोह के जरिए पार्टी के विस्तार का भी शंखनाद किया। समारोह में आए कार्यकर्ताओं के उत्साह को देख आशीष पटेल ने मंच से ही कहा भी कि बरेली में उमड़ी भीड़ पार्टी के लिए ऑक्सीजन का काम करेगी।

उत्तर प्रदेश की सियासत का रुख काफी हद तक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के मतदाताओं के मिजाज पर निर्भर करता है। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में अपना दल ने दो विधायकों के सहारे प्रदेश में सियासी सफर शुरू किया था। 2017 के विधानसभा चुनाव में अपना दल के विधायकों की संख्या नौ हुई। मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में अपना दल-एस के 13 विधायक, एक एमएलसी और एक सांसद हैं। इसके साथ ही लगातार तीन बार से सांसद अनुप्रिया पटेल प्रदेश में ओबीसी की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले कुर्मी समाज की सबसे बड़ी नेता बन चुकी हैं।

कमेरा समाज की पार्टी कहलाने वाली अद-एस के बरेली में स्थापना दिवस को लेकर राजनीति के जानकारों का कहना है कि इसके पीछे की अहम वजह कुर्मी मतदाता हैं। बीते 36 वर्षों में पांच वर्ष को छोड़ दिया जाए तो कुर्मी मतदाताओं के बूते ही भाजपा ने बरेली लोकसभा क्षेत्र को अपना अजेय गढ़ बना रखा है। 2023 में विधानसभा के उपचुनाव में बरेली के पड़ोसी जिले रामपुर के स्वार विधानसभा क्षेत्र से शफीक अहमद अंसारी को अद-एस के सिंबल पर जीत नसीब हुई थी। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव में पश्चिम के कुर्मी मतदाता बहुल इलाकों में सियासी समीकरण को देख-समझ कर अद-एस अपने प्रत्याशी उतारने की मांग भाजपा से कर सकती है।

बरेली कॉलेज की प्रोफेसर प्रो. वंदना शर्मा ने कहा, 2012 के विधानसभा चुनाव से अब तक के चुनावों में उत्तर प्रदेश में अपना दल का सफलता का प्रतिशत बढ़ता ही चला आया है। अपना दल के मतदाता मूलत: कुर्मी समाज से हैं। बरेली में लंबे समय से कुर्मी समाज का राजनीतिक प्रतिनिधित्व है और मतदाताओं की भी अच्छी खासी संख्या है। इसे देखते हुए ही अपना दल ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में संगठन को विस्तार देने और राजनीतिक अवसर तलाशने के लिए स्थापना दिवस के समारोह के आयोजन के लिए बरेली को चुना।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने पत्रकारों से कहा कि आने वाले प्रत्येक चुनाव के लिए आज से हमारी तैयारियों का आह्वान है। हमने इस धारणा को तोड़ा है कि हमारी पार्टी एक सीमित क्षेत्र तक ही है। उत्तर प्रदेश में पूर्व से लेकर पश्चिम और उत्तर से लेकर दक्षिण तक सभी जिलों में हमारा संगठन बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम केंद्र और राज्य की सरकार में गठबंधन में हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर विपक्ष के दल लोगों के बीच बेवजह भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। इससे कुछ बिगड़ने वाला नहीं है, बल्कि हमारी चुनावी प्रक्रिया और मजबूत होगी।

अपना दल को कभी वोटकटवा कहा जाता था। डॉ. सोनेलाल पटेल की विचारधारा को मानने वाले उनके कार्यकर्ताओं के संघर्ष, समर्पण और मेहनत की बदौलत आज हम उत्तर प्रदेश की तीसरी बड़ी पार्टी हैं। आज हम सभी यह संकल्प लेकर जाएं कि अपने बल से अपना दल को नंबर एक पार्टी बनाना है। हर पिछड़े, शोषित और वंचित की उम्मीद का दीया जलाना है। यह बातें केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को अर्बन हाट के हॉल में अपना दल-एस के स्थापना दिवस पर कहीं।

अद-एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कहा कि 4 नवंबर 1995 को स्थापित अपना दल को आज 30 साल पूरे हुए। कार्यक्रम का संचालन केके पटेल ने किया। अध्यक्षता अद-एस के प्रदेश अध्यक्ष जाटव आरपी गौतम ने की। आयोजन अद-एस के जिलाध्यक्ष एडवोकेट अनुज गंगवार के नेतृत्व में पार्टी की बरेली इकाई ने किया।

भगदड़ विवादों के बीच तळक्षरू का ऐलान, 2026 में जीतेंगे चुनाव, कोई रोक नहीं पाएगा

चेन्नई, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।
सितंबर के आखिर में करूर में हुई दुखद भगदड़ के बाद, एक्टर विजय ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है। अपनी तमिलगा वेत्री कझगम पार्टी के सदस्यों को संबोधित करते हुए, उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा में आ रही कठिनाइयों को कुछ समय के लिए बताया और दृढ़ता से घोषणा की कि कोई भी उन्हें 2026 का चुनाव जीतने से नहीं रोक सकता।अपनी स्पीच में, विजय ने करूर की पिछली पब्लिक मीटिंग में दिए गए अपने बयान को दोहराया, जो भगदड़ से पहले हुई थी। उन्होंने कहा, मैं वही दोहराऊंगा जो मैंने अपनी पिछली पब्लिक मीटिंग में कहा था। जब नेचर और भगवान हमारे साथ हों, जब हमारे अपने लोग हमारे साथ खड़े हों, तो हमें

कौन रोक सकता है? ये सभी मुश्किलें बस कुछ समय के लिए हैं, चलो इन्हें तोड़ देते हैं। हमारा सफर रुकेगा नहीं। चलो कॉन्फिडेंट रहें, और अच्छी चीजें जरूर होंगी।

एक्टर ने भगदड़ के बाद फैलाई गई बेमतलब राजनीतिक बातों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, अपने परिवार के लोगों को खोने की वजह से मैं इतने दिनों से बहुत ज्यादा दर्द और परेशानी में था। ऐसे में, यह हमारा फर्ज है कि हम अपने लोगों की भावनाओं के साथ खड़े हों।उन्होंने कहा, शांति और दुख के समय, बेमतलब की अफवाहें और बुरी पॉलिटिकल बातें फैलाई गईं और हम पर थोपी गईं। इन सबका मकसद कानून और सच्चाई को खत्म करना है। हालांकि, हम कानून और सच्चाई के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे, और इन झूठों को दूर करेंगे।

27 सितंबर को, विजय की लीडरशिप में टीवीके की एक रैली के दौरान भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई और लगभग 60 लोग घायल हुए।

करूर डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी मथियाझगन, जिन्हें भगदड़ के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया, उन्होंने इस घटना को एक साजिश और एक ऐसी दुखद घटना कहा।

चेन्नई लौटने के बाद, विजय ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर पीड़ितों के लिए प्रार्थना और संवेदना जताई। 28 सितंबर को, उन्होंने हर मृतक पीड़ित के परिवार को 20 लाख और घायलों को 2 लाख की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया।भगदड़ के ठीक एक महीने बाद (27 अक्टूबर), उन्होंने चेन्नई के पास एक तटीय शहर मामल्लापुरम के एक रिसॉर्ट में पहली बार पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की।

अमृतसर में भारत-पाक सीमा के पास भारी मात्रा में हथियार बरामद

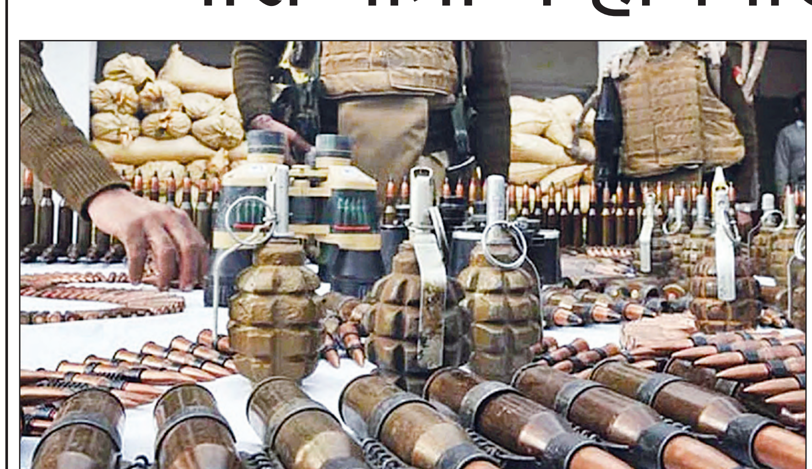

अमृतसर, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।
पंजाब पुलिस ने मंगलवार को अमृतसर में अत्याधुनिक हथियारों के साथ भारी मात्रा में गोला-बारूद जब्त किया और दावा किया कि उसने पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि बरामद हथियारों में दो एके-सीरीज़ की असॉल्ट राइफल, .30 बोर की एक पिस्तौल और 10 मैगज़ीन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि .30 बोर के 50 कारतूस और 7.62 एमएम के 245 कारतूस भी जब्त किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में पाक प्रायोजित आतंकवादियों की बढ़ती गतिविधियों और अंतर-गिरोह प्रतिद्वंद्विता के संबंध में हाल में प्राप्त सूचनाओं के मद्देनजर एक बड़ी घटना टल गई।डीजीपी ने बताया कि नेटवर्क के संबंधों सहित पूरे गठजोड़ को उजागर करने के लिए जांच जारी है। उप महानिरीक्षक (सीमा रेंज) संदीप गोयल ने बताया कि सीमा पार से अत्याधुनिक हथियारों की खेप आने की सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने रावी नदी के पास घोनेवाल गांव में तलाशी अभियान शुरू किया।

राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में होगा आयोजन : भाजपा

नयी दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने बुधवार को कहा कि राष्ट्र गीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूरे के अवसर पर सात नवंबर को देशभर के प्रमुख 150 स्थानों पर सामूहिक राष्ट्र गान का आयोजन किया जाएगा।

श्री चुघ ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि पार्टी की तरफ से भी इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इन प्रमुख स्थलों में कारगिल से लेकर अंडमान का सेलुलर जेल तक शामिल है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर इसे उत्सव के रूप में बनाने का निर्णय लिया था। प्रधानमंत्री ने पूरे देश में हर जगह पर वंदे मातरम् का सामूहिक रूप से गायन होने के लिये आह्वान किया है।

उच्चतम न्यायालय ने गुरुग्राम की डीएलएफ सिटी में अवैध निर्माण हटाने के आदेश को रद्द किया

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।
उच्चतम न्यायालय ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत गुरुग्राम की डीएलएफ सिटी में अनधिकृत एवं अवैध निर्माण को हटाने का निर्देश दिया गया था।

न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि यह निर्देश उन संपत्ति मालिकों को सुनवाई का अवसर दिए बिना जारी किया गया था, जिन्हें मुकदमों में पक्षकार नहीं बनाया गया था।

पीठ ने कहा कि मौजूदा मामले में, उच्च न्यायालय की ओर से जारी निर्देश, चाहे वह दीवानी अदालत के अधिकार क्षेत्र के संबंध में हो या निर्माणों को हटाने के, याचिकाकर्ताओं को रिट याचिका में पक्षकार बनाए बिना दिया गया प्रतीत होता है। उसने कहा, यह कहने की जरूरत नहीं है कि निष्पक्ष रूप से न्याय सुनिश्चित करने के लिए सुनवाई का अवसर दिया जाना अनिवार्य है और अदालत को किसी भी

ऐसे पक्ष के अधिकारों पर फैसला नहीं देना चाहिए, जिनका पक्ष नहीं सुना गया हो।

हालांकि, पीठ ने 28 अक्टूबर को पारित आदेश में कहा कि आवासीय संपत्ति पर वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए मानदंडों, नियमों और विनियमों के विपरीत निर्मित अनधिकृत या अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं दिया जा सकता है।

उसने कहा, हम स्पष्ट करते हैं कि अगर कोई भी प्रभावित व्यक्ति निर्दिष्ट समय के भीतर उच्च न्यायालय में आवेदन करता है, तो उसे भी (सुनवाई में) शामिल होने की अनुमति दी जाएगी।

राज्य के प्राधिकारी प्रभावित व्यक्तियों को जनहित याचिका में शामिल करने के लिए इस आदेश का व्यापक प्रचार करने के लिए स्वतंत्र हैं।

पीठ ने कहा कि अगर प्रभावित व्यक्ति दो हफ्ते में सुनवाई में शामिल होने के लिए आवेदन नहीं करते हैं, तो उच्च न्यायालय इस मुद्दे पर विचार करने और निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है।

उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास एवं विनियमन अधिनियम 1975 की धारा-15 के तहत दो महीने के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के समक्ष मामले का विस्तृत सार पेश किया था, जिसमें गुरुग्राम क्षेत्र के विभिन्न निवासियों के निर्माण में कई उल्लंघन करने का संकेत दिया गया था।

कार्तिक पूर्णिमा पर घाटों पर उमड़ी आस्था की भीड़

अयोध्या, 05 नवंबर (एजेंसियां)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार सुबह से ही सरयू नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रामनगरी की आस्था शिखर को स्पर्श करती नजर आई। लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में डुबकी लगाई। यह सिलसिला भोर से ही शुरू हुआ तो पौ फटने के साथ यह और प्रगाढ़ होता गया। सरयू के स्नान घाट से प्रमुख मंदिरों की ओर जाने वाले मार्ग श्रद्धालुओं से पटे पड़े हैं।

30 अक्टूबर को चौदह कोसी परिक्रमा के साथ आरंभ हुए कार्तिक पूर्णिमा मेले के अंतिम पर्व पर स्नान दान व दर्शन-पूजन के लिए पूर्व संध्या से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। पूर्णिमा स्नान को तड़के तीन बजे से ही श्रद्धालुओं का रेला सरयू के घाटों पर जुटने लगा। सरयू के समानांतर ही सरयू के घाटों पर आस्था की धारा भी प्रवाहित होती दिखी। कोहरे में अल सुबह सूर्यदेव भले ही देर से चमके, उनसे पहले आस्था का सूर्य जरूर चमक रहा था। सुबह की ठंडक भी श्रद्धालुओं की आस्था को नहीं डिगा पाई। श्रद्धालुओं ने पावन सलिला में डुबकी लगाई और सरयू पूजन-अर्चन के बाद गो दान की परंपरा का निर्वहन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पौराणिक पीठ नागेश्वरनाथ में श्रद्धालुओं ने यथा शक्ति और भक्तिभाव से भोले बाबा का अभिषेक किया। यहां लंबी कतार लगी रही। नगरी के आराध्य भगवान राम और उनके प्रिय दूत हनुमंत लला के दरबार बजरंगबली की प्रधानतम पीठ हनुमानगढ़ी, वैष्णव परंपरा की आस्था के केंद्र में रहने वाले कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि आदि मंदिर पर सुबह से दर्शनार्थियों की कतार लगी हुई थी। इसी तरह गोंडा के भौरीगंज स्थित सरयू घाट, पसका त्रिमुहानी और आसपास के सभी तीर्थ स्थलों पर भक्तों ने स्नान, दान और पूजा-अर्चना की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की आराधना करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। इस दिन गंगा या सरयू स्नान, दीपदान और भगवान विष्णु-शिव की उपासना का विशेष महत्व बताया गया है।

श्रीराम जानकी मंदिर के मुख्य पुजारी महंत गोकरण दास ने कहा कार्तिक पूर्णिमा के दिन किया गया स्नान, दान और पूजन अक्षय फल देता है। यही कारण है कि हर वर्ष श्रद्धालु बड़ी संख्या में सरयू तट पर पहुंचते हैं। सरयू के तट पर स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने श्रीराम जानकी मंदिर में दर्शन किए और प्रसाद अर्पित किया। घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना की।

अंबेडकरनगर में भी कार्तिक पूर्णिमा का पावन पर्व बुधवार को पूरे जिले में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह होते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ विभिन्न घाटों पर उमड़ पड़ी। आलापुर, राजेसुल्तानपुर और टांडा क्षेत्र के सरयू नदी के घाटों पर हजारों की संख्या में लोगों ने पवित्र स्नान किया। घाटों पर हर हर गंगे और जय सरयू मइया के जयकारों से गूंजता माहौल श्रद्धा और आस्था की भावना को प्रकट कर रहा है। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने जरूरतमंदों को दान देकर पुण्य अर्जित किया। मंदिरों में तुलसी पूजन और भगवान की विशेष आरती का आयोजन किया गया।

यूपी में 402 करोड़ की जीएसटी चोरी

मास्टर माइंड फरार, एसआईटी कर रही तलाशी

मुरादाबाद, 05 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के 402 करोड़ की जीएसटी चोरी मामले में राज्य कर विभाग ने मास्टरमाइंड अंकित कुमार की क्राइम कुंडली एसआईटी को सौंपी है। लखनऊ निवासी ने 22 राज्यों में 144 फर्जी फर्में खोलकर 1960 करोड़ का टर्नओवर दिखाया और फर्जी दस्तावेजों से कर चोरी की। विभाग ने डिजिटल साक्ष्य पुलिस को दिए हैं।

जीएसटी अधिकारियों ने आरोपियों के बारे में पुलिस को अहम साक्ष्यों को सौंपा। एसएसपी सतपाल अंतिल ने पुलिस लाइन में राज्य कर के आधा दर्जन अधिकारियों के साथ बैठक की। राज्य कर के अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह ने एसआईटी को बताया कि दो ट्रकों को पकड़ने के बाद विभागीय अधिकारियों ने विभागीय पोर्टल के माध्यम से लखनऊ के अंकित कुमार के दो मोबाइल नंबरों को हासिल किया। तीन दिनों की लगातार छानबीन के बाद पता चला कि आरोपी ने अपने साथियों की मदद से जम्मू कश्मीर, दिल्ली से लेकर चेन्नई, पश्चिम बंगाल, झारखंड, विहार, उत्तर प्रदेश सहित 22 राज्यों में 144 बोगस फर्मों को खोला है। आरोपी ने सीजीएसटी और एसजीएसटी में फर्मों को खोलने के लिए फर्जी पैन, बिजली बिल और किराए का फर्जी एग्रीमेंट लगाया था।

आरोपी अंकित कुमार ने मुज्जफनगर के सौरभ मिश्रा के लिए लोहे से लदे ट्रकों को भेजा था। अंकित के अलावा सौरभ का पता भी फर्जी निकला है। इस मामले में सिविल लाइंस थाने में दो मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। आरोपियों तक पहुंचने के लिए राज्य कर अधिकारियों ने एसआईटी को डिजिटल साक्ष्य सौंपे। बताया कि किस प्रकार आरोपियों ने सरकार को करोड़ों का चूना लगाया। अभी कितने लोगों ने आईटीआर भरी और आईटीसी दाखिल किया है। इसके अलावा एसएसपी जिले के थानों में दर्ज अन्य छह मुकदमों के बारे में जानकारी ली। राज्य कर अधिकारियों ने बताया कि इसी प्रकार लकड़ी के कारोबारियों ने भी सीजीएसटी में बोगस फर्मों का पंजीयन कराकर करीब 200 करोड़ का चूना लगाया था। एसआईटी ने राज्य कर के अधिकारियों से आरोपियों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। बैठक में अपर आयुक्त ग्रेड -2 आरए सेठ, संयुक्त आयुक्त एसपी तिवारी, मिलिंद राज सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

एसएसपी सतपाल अंतिल ने आरोपियों को पकड़ने के लिए एसआईटी के सीओ और निरीक्षकों को आवश्यक टिप्स दिए। एसआईटी ने आरोपियों की गर्दन पकड़ने की रणनीति पर चर्चा की। पुलिस इस मामले में छापा मारकर विधिक कार्रवाई करेगी। अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह ने एसआईटी का तकनीकी सहयोग करने के लिए एसआईबी के संयुक्त आयुक्त मिलिंद राज, डिप्टी कमिश्नर उत्तम तिवारी और असिस्टेंट कमिश्नर विपिन कुमार को तैनात किया है। एसएसपी ने एसआईटी के अधिकारियों को राज्य कर के अधिकारियों से आपस में समन्वय स्थापित कर घोटाले से जुड़े साक्ष्य आपस में साझा करेंगे, ताकि मजबूत साक्ष्य एकत्रित किया जा सके।

देव दीपावली पर गंगा स्नान के लिए जा रहे थे वाराणसी

कालका एक्सप्रेस की चपेट में आकर 6 महिलाओं की मौत

मिर्जापुर के चुनार रेलवे स्टेशन पर हुआ हादसा

मिर्जापुर, 05 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के चुनार रेलवे स्टेशन पर बुधवार को ट्रैक पार करते समय कालका एक्सप्रेस की चपेट में आने से छह श्रद्धालु महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई। कई अन्य घायल हुए हैं। श्रद्धालुओं का समूह वाराणसी में देव दीपावली पर गंगा स्नान करने जा रहा था।

सभी श्रद्धालु चोपन से वार-ाणसी की ओर जा रहे थे। वे पैसेंजर ट्रेन से चुनार स्टेशन पहुंचे थे और वहां से दूसरी ट्रेन पकड़ने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर चार से प्लेटफॉर्म नंबर एक की ओर जाने लगे। जल्दी के चलते उन्होंने फुट ओवर ब्रिज का इस्तेमाल नहीं किया और सीधे पटरियों से गुजरने लगे। उसी दौरान कालका एक्सप्रेस ट्रेन वहां से गुजरी और कई महिलाएं उसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि घटना इतनी अचानक हुई कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। आरपीएफ और रेलवे कर्मियों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

मरने वाली महिलाओं में 1. सविता (28) पत्नी राजकुमार निवासी कमरिया थाना राजगढ़, 2. साधना (16) पुत्री विजय शंकर बिंद, 3. शिव कुमारी (12) पुत्री विजय शंकर, 4. अप्पू देवी (20) पुत्री श्याम प्रसाद, 5. सुशीला देवी (60) पत्नी स्व. मोतीलाल निवासी महुआरी थाना पड़री, 6. कलावती देवी (50) पत्नी जनार्दन यादव निवासी बसवा थाना कर्मा सोनभद्र की शिनाख्त हुई है।

घटना की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी, एसडीएम और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया है कि घायलों का इलाज पूरी गंभीरता से कराया जाए और राहत कार्य में कोई लापरवाही न हो। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने भी हादसे पर गहरा शोक जताया है।

556वें प्रकाश पर्व पर बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गुरु नानक देव का उपदेश हमारा प्रेरणास्त्रोत है: योगी

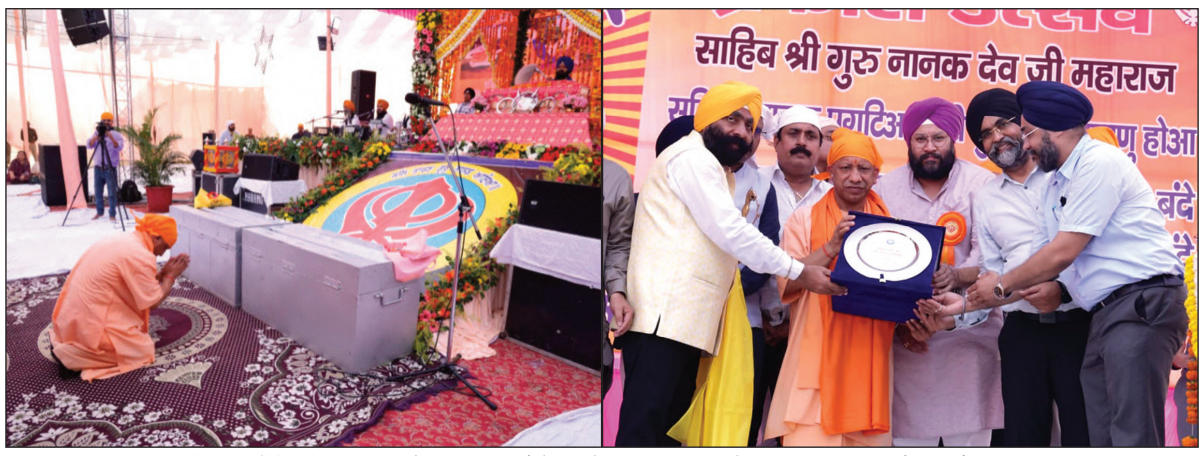

लखनऊ, 05 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व पर राजधानी लखनऊ के डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने सिख गुरुओं के सम्मान में अपना शीश नवाया और दर्शन किए। समारोह में कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री का स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी भारत के एक उच्च कोटि के आध्यात्मिक महापुरुष थे, जिन्होंने 500 वर्ष पहले समाज के संगठन, समानता और सेवा का जो संदेश दिया, वही आज भारत की सामाजिक व्यवस्था की नींव है।

सीएम योगी ने कहा कि उस काल में जब देश बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता झेल रहा था, जब मंदिर तोड़े जा रहे थे, आस्था पर प्रहार हो रहे थे, तब भी गुरु नानक देव जी बिना भय, बिना दबाव समाज को मार्गदर्शन दे रहे थे। उन्होंने मिल-बांटकर खाने, गरीबों की मदद करने और एकजुट समाज बनाने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने गुरु नानक देव जी की आध्यात्मिकता का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि भारत संतों और महापुरुषों की उस परंपरा का देश है, जिसने संकट के समय भी राष्ट्र की आत्मा को जीवित रखा। योगी ने कहा कि जब विदेशी आक्रांताओं के आगे कई राजा-रजवाड़े झुक गए, तब गुरु नानक देव जी ने बाबर को 'जाबर' यानी जल्लाद कहने का साहस दिखाया। यही भारत की संत परंपरा की शक्ति थी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समाज में एकता और धर्म की मजबूती का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज जब कुछ क्षेत्रों में धर्मांतरण जैसी गतिविधियां दिखाई देती हैं, तो हमें सिख पंथ की मूल भावना, एकता, संगठन और सेवा को और सशक्त करना होगा। योगी ने कहा कि अगर कहीं कोई कमी है, तो हमें उसे दूर करना होगा। गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने जब खालसा पंथ की स्थापना की, तब उन्होंने समाज के हर वर्ग को जोड़ा। उसी भावना को हमें फिर से जीवंत करना होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हम मजबूत रहेंगे, तो हर कोई हमारी आस्था का सम्मान करेगा। सिख गुरुओं और महापुरुषों का बलिदान हमारे लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई दी और कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं हमारे जीवन और समाज को दिशा देती रहें।

योगी सरकार की बड़ी सौगात

निर्माण श्रमिकों की बेटी की शादी पर 85,000 की मदद

लखनऊ, 05 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्माण श्रमिकों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। राज्य के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना में आर्थिक सहायता राशि में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। अब सामान्य विवाह के लिए 65,000, अन्तर्जातीय विवाह के लिए 75,000 और सामूहिक विवाह के लिए 85,000 प्रति जोड़े की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त 15,000 आयोजन के लिए पृथक से उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि श्रमिक परिवार समाज की रीढ़ हैं। उनकी बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग देना सरकार का मानवीय कर्तव्य है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी श्रमिक बेटी बिना चिंता के अपने जीवन का नया अध्याय शुरू कर सके। इसी क्रम में सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की संपूर्ण व्यवस्था श्रम विभाग एवं बोर्ड द्वारा की जाएगी ताकि श्रमिक परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विवाह आयोजन में सुरक्षा, आवास, परिवहन और भोजन की सभी व्यवस्थाएं विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाएंगी।

बोर्ड की सचिव पूजा यादव ने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का उद्देश्य हर पंजीकृत श्रमिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कन्या विवाह सहायता राशि में वृद्धि से श्रमिक परिवारों को सीधा और ठोस लाभ मिलेगा। वर्तमान में 1.88 करोड़ से अधिक श्रमिक बोर्ड में पंजीकृत हैं। पंजीकृत श्रमिक मात्र 20 एकमुश्त पंजीकरण शुल्क और 20 वार्षिक अंशदान देकर योजनाओं के पात्र बन सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन एवं निःशुल्क है। श्रमिक वेबसाइट या जन सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 72 परिवारों को दी घर की चाबी

जहां कभी माफिया मुख्तार का कब्जा था, वहां गरीबों को मिला अपना घर

लखनऊ, 05 नवंबर (एजेंसियां)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में माफिया से मुक्त कराई गई भूमि पर सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना का लोकार्पण किया। जियामऊ, डालीबाग स्थित एकता वन में आयोजित भव्य समारोह में सीएम ने दुर्बल आय वर्ग के 72 परिवारों को फ्लैट के आवंटन पत्र वितरित किए। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह केवल आवास वितरण नहीं, बल्कि संदेश है कि माफिया से छीनी गई भूमि पर गरीबों का आशियाना बनेगा। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए चेतावनी है जो माफिया को शागिर्द बनाते हैं, उनकी कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं, वे गरीबों का शोषण करवाते हैं। अब यूपी में ऐसा नहीं चलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर कोई गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा, अगर कोई सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करके समाज को डराने-धमकाने का काम करेगा, तो लेने के देने पड़ जाएंगे। यह सरकार जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यही नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की पहचान है, जहां विकास के साथ धर्म, संस्कृति और परंपरा का संगम है। मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से मुलाकात की, उन्हें गृह प्रवेश का सामान भेंट किया, नन्हीं बच्चियों को गोद में लेकर दुलार किया और चॉकलेट बांटी। इस दौरान आवास परिसर में सीएम योगी ने वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने लोगों को कार्तिक पूर्णिमा की बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्राइम लोकेशन पर लखनऊ विकास प्राधिकरण ने 10.70 लाख में फ्लैट दिए, इसकी कीमत बाजार में करीब 1 करोड़ रुपए है।

सीएम योगी ने कहा कि 8000 आवेदनों में 5700 आवेदन योग्य लोगों का था, इसमें से 72 को पहले आवंटन मिला है। मुख्यमंत्री ने सभी 72 लाभार्थियों को आवास की सुविधा मिलने पर उन्हें और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि इन लोगों को अब अपना सिर उठाकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिला है। यह प्रधानमंत्री आवास योजना से कवर होगा तो यह और सस्ता व लाभकारी होगा। उन्होंने कहा कि आज लखनऊ में कितना सुंदर वातावरण बना है, कितने अच्छे पार्क विकसित हो चुके हैं। सरकार चाहती है कि हर नागरिक खुशहाली से अपना जीवन व्यतीत करे और प्रदेश के विकास में भागीदार बने। सीएम योगी ने कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है अब यह अभियान पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा ताकि हर गरीब, हर जरूरतमंद को उसका सम्मानजनक आवास मिल सके।

माफियाओं पर जीरो टॉलरेंस नीति पर जोर देते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2017 से तय किया था कि यूपी की नकारात्मक छवि बदलेंगे। अपराध-अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस नीति लागू करेंगे। 8.5 वर्षों में बिना रुके, बिना झुके माफियाओं पर कार्रवाई की। माफिया संविधान का अपमान करते, कानून का मजाक उड़ाते, अधिकारी भी उनके सामने झुक जाते थे। यही नहीं पूर्व सरकारें भी ऐसे माफियाओं के सामने घुटने टेकती थीं। उन्होंने कहा कि पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण, बुंदेलखंड क्षेत्र और हर जगह माफिया हावी थे, लेकिन आज ऐसा नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जीरो टॉलरेंस की नीति ने इन माफियाओं की कमर तोड़ दी। सीएम योगी ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो माफिया को सहानुभूति देते हैं, वे प्रदेश की क्षति कर रहे हैं। जालिम माफिया किसी के नहीं हैं इनसे गरीब, शोषित, व्यापारी, बहन-बेटियां सब असुरक्षित हैं। सरकार ऐसे माफियाओं और उन्हें प्रश्रय देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करती रहेगी। विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जो लोग माफियाओं को शागिर्द बनाते थे और गरीबों का शोषण करवाते। आज उनकी कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज माफियाओं की कब्जे वाली संपत्ति जब्त कर गरीबों को घर बनवाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि प्रदेश में अबतक 60 लाख गरीबों को आवास दिए हैं। इसके आलवा निवेश 15 लाख करोड़ जमीनी, 5 लाख पाइपलाइन, 45 लाख कुल। यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश है। दंगे खत्म हुए और आज हर पर्व शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जा रहा है। दुनिया भर से उद्यमी निवेश को तैयार हैं। उन्होंने का कहा कि एकता वन सरदार पटेल को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि कुकरेल-गोमती तट से माफिया मॉल हटाए, सौमित्र वन बनाया गया। घुसपैठिए-रोहिंग्या को हटाए गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, बृजलाल, संजय सेठ, महापौर सुषमा खर्कवाल समेत कई जनप्रतिनिधि व लखनऊ विकास प्राधिकरण से जुड़े अधिकारीगण मौजूद रहे।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने माफियाराज की भयावह कहानियां साझा कर सभी को स्तब्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि कैसे पूर्व समाजवादी पार्टी सरकार में माफिया खुलेआम गुंडागर्दी करते थे, पुलिस-प्रशासन सलाम ठोकता था और गरीब-व्यापारी असहाय थे। उन्होंने कहा कि आज जो भूमि गरीबों को आवास दे रही है, कभी यहां मुख्तार अंसारी जैसे माफियाओं का कब्ज़ा था।

प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने कहा कि एक समय था जब डीजीपी कार्यालय के सामने तक माफियाओं का राज चलता था। उन्होंने खुलासा किया कि पूर्व की सरकारों में पुलिस और प्रशासन अपराधियों के सामने बेबस था। मुख्तार अंसारी जैसे माफिया की दहशत ऐसी थी कि बड़े-बड़े पुलिस अधिकारी और आईएएस अधिकारी उसके घर जाकर सलाम करते थे। पूर्व डीजीपी ने बताया कि वर्ष 2005 में बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय की हत्या की साजिश के पीछे भी मुख्तार अंसारी का हाथ था। उन्होंने कहा कि जब मैं आईजी कानून-व्यवस्था था, तब जानकारी मिली कि मुख्तार ने कश्मीर से लाइट मशीन गन मंगाई है। हमारे डीएसपी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने वह हथियार कारतूस समेत बरामद किया था, लेकिन सत्ता के दबाव में उन्हें इतना प्रताड़ित किया गया कि उन्होंने इस्तीफा देना पड़ा।

बृजलाल ने कहा कि सपा सरकार के संरक्षण में अपराधियों ने समानांतर सरकार चला रखी थी। कृष्णानंद राय की हत्या में 600 गोलियां चलाई गईं, 67 गोलियां उन्हें लगीं, पर किसी ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि मऊ दंगे के दौरान मुख्तार खु-लेआम राइफल लेकर खुलीगाड़ी में सड़कों पर घूम रहा था और सरकार आंखें मूंदे बैठी थी। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वह माफियागिरी समाप्त हो चुकी है। कुछ अपराधी मारे जा चुके हैं, कुछ जेल में हैं, कुछ प्रदेश छोड़ भाग गए हैं और कुछ अब माला जप रहे हैं। योगी सरकार में कानून का राज स्थापित हुआ है, इसलिए आज निवेशक भी उत्तर प्रदेश पर भरोसा कर रहे हैं। कभी जहां रंगदारी और अपहरण उद्योग चलता था, वहीं आज 40 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आ रहा है।

संपादकीय

ना'पाक परमाणु परीक्षण!

पाकिस्तान ने तीसरी बार परमाणु परीक्षण किया है अथवा परीक्षण किया जा रहा है या ऐसी कोई रणनीति है! अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐसा खुलासा कर दुनिया में सनसनी फैला दी है। उन्होंने कहा है कि रूस, चीन, उत्तरी कोरिया और पाकिस्तान परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। सिर्फ अमरीका ने ऐसा नहीं किया है। अमरीका ने 1992 में अंतिम परमाणु परीक्षण किया था, जब 1990 में रूस ने परीक्षण कर विश्व को चौंका दिया था। हड़कंप मच गई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने अब यह भी कहा है कि अमरीका हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकता, लिहाजा बहुत संभावनाएं हैं कि तीन लंबे दशकों के बाद अमरीका फिर परमाणु परीक्षण करे! वैसे ट्रंप के बयान भरोसे लायक नहीं हैं, क्योंकि वह अनर्गल आलाप के आदी हैं, लेकिन परमाणु परीक्षण के संदर्भ में अमरीकी राष्ट्रपति व्यर्थ बयान नहीं दे सकते, ऐसा हमारा मानना है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान को रूस, चीन, उत्तरी कोरिया की जमात में रख कर खुलासा किया है। ये सभी देश परमाणु परीक्षण करने में जुटे हैं। मसलन-रूस ने 'खाबरोवस्क' परमाणु पनडुब्बी लॉन्च की है, जो परमाणु रिएक्टर से चलेगी। यह पानी में 500 मीटर भीतर तक कारगर है और बहुत विनाशकारी हथियार है। रूस ने हाल ही में 14,000 किमी तक प्रहार करने वाली मिसाइल का भी परीक्षण किया है, जिसे लेकर अमरीका समेत शेष विश्व भयभीत है। उसके वारहेड भी परमाणुमय हैं। चीन का बयान भी सामने आया है कि वह पहले परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं करेगा। हमारे हथियार आत्मरक्षा के लिए हैं। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी पर्दाफाश किया है कि ऐसे परीक्षण जमीन के गहरे भीतर किए जाते हैं। उनसे जो कंपन होता है, उसे 'भूकम्प' करार दिया जाता है। चूंकि बीते रविवार को अफगानिस्तान में भी कथित भूकम्प के, 6.3 की तीव्रता के, झटके महसूस किए गए, जिनमें 20 लोगों की मौत हो गई। ऐसे झटके भारत के किसी भी हिस्से में महसूस नहीं किए गए, जबकि पाकिस्तान उससे सटा हुआ पड़ोसी देश है। बल्कि पाकिस्तान भारत का सहोदर देश है। यह एक गंभीर सवाल हो सकता है। सवाल यह भी मौजू है कि जिस देश पर 103.38 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए का कर्ज है, जिस देश की जीडीपी के 70 फीसदी हिस्से के बराबर कर्ज है, जिसके प्रत्येक नागरिक पर 1230.5 डॉलर की उधारी है और 40 फीसदी से अधिक आबादी 'गरीबी-रेखा' के नीचे है, क्या ऐसा देश परमाणु परीक्षण की सोच सकता है? अथवा परीक्षण कर सकता है? राष्ट्रपति ट्रंप के खुलासे के बाद पाकिस्तान की सिट्टी-पिट्टी गुम है। खुफिया एजेंसी आईएसआई और सेना की तरफ से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं है। ज्यादातर मंत्रियों और फौजी अफसरों तक को कोई जानकारी नहीं है। पाकिस्तान राष्ट्रपति ट्रंप के बयान का खंडन नहीं कर सकता, क्योंकि 'आका' नाराज हो जाएंगे और उधारी का रास्ता बंद हो जाएगा। यदि पाकिस्तान परमाणु परीक्षण की आधिकारिक पुष्टि करता है, तो अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा प्राधिकरण (आईएईए) सख्त कार्रवाई कर सकता है। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम पर ढक्कन लगा कर आईएईए उसके परमाणु हथियारों को अपने कब्जे में ले सकता है। पाकिस्तान पर अमरीका भी आर्थिक पाबंदियां थोप सकता है। सवाल यह भी है कि क्या परमाणु परीक्षण चोरी-छिपे किए जा सकते हैं? भारत ने मई, 1998 में पोखरण में एक साथ पांच परमाणु परीक्षण किए थे। बदले में पाकिस्तान ने भी 29-30 मई, 1998 को चागई-1 और 2 के तहत कुल पांच परीक्षण किए। उनके बाद कोई परमाणु परीक्षण नहीं किए गए, लेकिन पाकिस्तान में परमाणु हथियारों की सुरक्षा के मद्देनजर आशंकाएं उठाई जाती रही हैं कि परमाणु अस्त्र आतंकियों के हाथों में जा सकते हैं अथवा पाकिस्तान सऊदी अरब सरीखे मुस्लिम देशों को परमाणु हथियार किराये पर भी दे सकता है। क्या ऐसा संभव है? पाकिस्तान में परमाणु अस्त्रों की ऐसी असुरक्षा के मद्देनजर भारत की संप्रभुता और अखंडता को लेकर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। खतरों पर चिंताएं जताई जाती रही हैं। हालांकि सेना ने बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि भारत हरेक खतरे और चुनौती का सामना करने में सक्षम है। यदि परमाणु परीक्षण किया जा रहा है, तो भी भारत की सेनाएं और सरहदें चौकस हैं। हालांकि हम विदेश मंत्रालय के अधिकृत बयान की प्रतीक्षा में हैं। पुष्टि के बाद ही ऐसे बयान संभव हैं। विश्व समुदाय को यह सुनिश्चित बनाना चाहिए कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार आतंकवादियों के हाथ न लगें।

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐसा खुलासा कर दुनिया में सनसनी फैला दी है। उन्होंने कहा है कि रूस, चीन, उत्तरी कोरिया और पाकिस्तान परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। सिर्फ अमरीका ने ऐसा नहीं किया है। अमरीका ने 1992 में अंतिम परमाणु परीक्षण किया था, जब 1990 में रूस ने परीक्षण कर विश्व को चौंका दिया था। हड़कंप मच गई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने अब यह भी कहा है कि अमरीका हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकता, लिहाजा बहुत संभावनाएं हैं कि तीन लंबे दशकों के बाद अमरीका फिर परमाणु परीक्षण करे! वैसे ट्रंप के बयान भरोसे लायक नहीं हैं, क्योंकि वह अनर्गल आलाप के आदी हैं, लेकिन परमाणु परीक्षण के संदर्भ में अमरीकी राष्ट्रपति व्यर्थ बयान नहीं दे सकते, ऐसा हमारा मानना है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान को रूस, चीन, उत्तरी कोरिया की जमात में रख कर खुलासा किया है। ये सभी देश परमाणु परीक्षण करने में जुटे हैं। मसलन-रूस ने 'खाबरोवस्क' परमाणु पनडुब्बी लॉन्च की है, जो परमाणु रिएक्टर से चलेगी। यह पानी में 500 मीटर भीतर तक कारगर है और बहुत विनाशकारी हथियार है। रूस ने हाल ही में 14,000 किमी तक प्रहार करने वाली मिसाइल का भी परीक्षण किया है, जिसे लेकर अमरीका समेत शेष विश्व भयभीत है। उसके वारहेड भी परमाणुमय हैं। चीन का बयान भी सामने आया है कि वह पहले परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं करेगा। हमारे हथियार आत्मरक्षा के लिए हैं। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी पर्दाफाश किया है कि ऐसे परीक्षण जमीन के गहरे भीतर किए जाते हैं। उनसे जो कंपन होता है, उसे 'भूकम्प' करार दिया जाता है। चूंकि बीते रविवार को अफगानिस्तान में भी कथित भूकम्प के, 6.3 की तीव्रता के, झटके महसूस किए गए, जिनमें 20 लोगों की मौत हो गई। ऐसे झटके भारत के किसी भी हिस्से में महसूस नहीं किए गए, जबकि पाकिस्तान उससे सटा हुआ पड़ोसी देश है। बल्कि पाकिस्तान भारत का सहोदर देश है। यह एक गंभीर सवाल हो सकता है।

कुछ अलग

बधाई हो बधाई...

कल ज्यों ही चंडूखाने उर्फ सोशल मीडिया पर दिल बाग बाग कर देने वाली खबर हाथ लगी कि दुनिया के सबसे प्रदूषित सारे शहर मेरे मोहल्ले में हैं तो मेरी छाती फूल कर छप्पन हो गई। मन में प्रदूषणभक्ति की लहरें हिलोरें मारने लगीं, फेफड़े डांस करने लगे। आत्मा मुझे धिक्कार उठी, पर आत्मा की जब गधा भी नहीं सुनता, तो मैं तथाकथित बुद्धिजीवी क्यों सुनूं। मैं ही क्या, मेरे मोहल्ले का हर असभ्य से लेकर घोर सभ्य अपनी अपनी योग्यतानुसार मोहल्ले को दूषित, प्रदूषित करने के लिए दिनरात एक किए है।

राज्य के जन्म के लिए धरनारत रहे उस व्यक्ति का नाम लोग भूल चुके

चौथाई सदी में कितना बदला धान का कटोरा

उमेश चतुर्वेदी

इक्कीसवीं सदी की आहट सुनाई देने लगी थी..उन दिनों इन पंक्तियों का लेखक मध्य प्रदेश-राजस्थान के एक बड़े अखबार का दिल्ली में संवाददाता था..उस दिन खबरों का सूखा था..उसे दूर करने की नीयत से इन पंक्तियों का लेखक धरनों के लिए विख्यात जंतर-मंतर पर जा पहुंचा...वहां जाकर देखा, मध्य प्रदेश से अलग करके छत्तीसगढ़ राज्य बनाने की मांग को लेकर साधारण-सा व्यक्ति धरने पर बैठा था..साथ में गिनती के विश्वासपात्र ही बैठे थे..पता चला कि धरनारत उस व्यक्ति के पास खाने तक के पैसे नहीं थे..उनसे पता चली कि रात को रोजाना अपनी क्षुधा शांत करने के लिए पास ही स्थित गुरूद्वारा बंगला साहिब या फिर रकाब जाते और वहां के लंगर से अपनी भूख शांत करते थे..उनके साथियों का भी यही हाल था..वनोपज और प्राकृतिक संसाधनों से युक्त राज्य का धरना और उसे सहारा लंगर का..मर्म को छूने वाली वह खबर थी..खबर लिखी भी, 'लंगर के सहारे चलता अलग राज्य का धरना'. खबर छपते ही रायपुर और उसके आस-पास हलचल मच गई। तब आज की तरह फोन नहीं थे..लेकिन लोग उस धरना देने वाले व्यक्ति का पता पूछने और उन तक अपनी श्रद्धा रकम पहुंचाने की जैसे होड़ लग गई.. एक नवंबर के दिन छत्तीसगढ़ की उम्र चौथाई सदी पूरी कर चुकी है। इस राज्य के जन्म के लिए धरनारत रहे उस व्यक्ति का नाम लोग भूल चुके हैं। राजनेताओं की लंबी फेहरिस्त राजनीतिक क्षितिज पर अपनी अच्छी-बुरी उपलब्धियों के साथ चमक रही है। लेकिन दाऊ आनंद अग्रवाल का संघर्ष कहीं खो गया है। पता नहीं छत्तीसगढ़ के लोगों, विशेषकर प्रबुद्ध लोगों को उनका नाम याद है भी या नहीं। उन दिनों छत्तीसगढ़ के एक प्रमुख दैनिक के दिल्ली ब्यूरो प्रमुख रहे विनोद वर्मा बताते हैं कि दाऊ के एक वक्त का भोजन अखबारों के प्रमुख दफ्तर आईएनएस बिल्डिंग की कैंटीन में होता था..जिसका खर्च विनोद वर्मा उठाते थे। यहां बता दें कि विनोद वर्मा बाद के दिनों में छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार रहे। आनंद अग्रवाल को ही क्यों, बहुत लोगों को पवन दीवान की भी याद नहीं होगी। पवन दीवान बुनियादी रूप से समाजवादी नेता थे। यह बात और है कि उन्होंने बाद में राजनीतिक दलों में खूब आवाजाही की। कभी बीजेपी के कमलधारक बने तो कभी कांग्रेस के हाथ का साथ लिया। लेकिन छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने के लिए बड़ा आंदोलन उन्होंने किया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर उन्होंने बड़ा प्रदर्शन भी किया था। छत्तीसगढ़ अब अलग राज्य के रूप में फल-फूल रहा है। लेकिन उसे मध्य प्रदेश से अलग राज्य बनाने की पहली बार ठोस मांग करने वाले खूबचंद बघेल के नाम को कितने लोग याद करते हैं, पता नहीं। पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी वर्षों में उन्होंने छत्तीसगढ़ भ्रातृ संघ बनाया था और अलग राज्य की उन्होंने मांग को पहली बार ताकतवर सुर दिया था। जिन्होंने भी छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग रखी, उनकी मांग का आधार था छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधन, वनोपज और खूबसूरत नजारे। सबका मानना था कि अपने प्राकृतिक सौंदर्य, वनोपज और खनिजों की वजह से छत्तीसगढ़ कहीं

ज्यादा समृद्ध है, लेकिन उसका फायदा उसके निवासियों को नहीं मिल रहा है। उस पर कब्जा राज्य के दूसरे इलाके के लोगों और राजनीतिक वर्चस्व वाली ताकतों को मिल रहा है। वैसे छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग 1924 में रायपुर में हुई थी। लेकिन तब देश गुलाम था, अंग्रेजी दासतां से मुक्ति तब पहला उद्देश्य था। लिहाजा यह मांग सिरे से परवान नहीं चढ़ पाई। दिलचस्प यह है कि जिन्होंने अलग राज्य की मांग रखी, राजनीतिक रूप से उनका आज कोई अस्तित्व ही नहीं है। इसे बिडंबना कहें कि कुछ और, यह स्थिति छत्तीसगढ़ के साथ बने उत्तराखंड राज्य की भी है। उत्तराखंड को उत्तर प्रदेश से अलग राज्य बनाने की मांग को लेकर सबसे जोरदार आंदोलन उत्तराखंड क्रांति दल ने चलाया, उसकी कीमत भी चुकाई। मुजफ्फरनगर कांड उस कीमत की चरम परिणति कही जा सकती है। लेकिन उत्तराखंड में आज उत्तराखंड क्रांति दल हाशिए पर है। छत्तीसगढ़ से जुड़ा एक और वाकया याद आ रहा है। छत्तीसगढ़ में पहली बार विधानसभा चुनाव 2003 में हो रहा था। उसकी तैयारी भारतीय जनता पार्टी ने एक साल पहले ही शुरू कर दी थी। उन दिनों केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार थी। उस सरकार में रमन सिंह इस्पात राज्य मंत्री थे। बीजेपी ने तय किया कि उन्हें चुनावी तैयारी के लिए छत्तीसगढ़ भेजा जाए। रमन सिंह छत्तीसगढ़ जाना नहीं चाहते थे। दिल्ली के ललित होटल के एक कार्यक्रम में दबी जुबान से बीजेपी के इस फैसले का विरोध भी जताया था। शायद उन्हें अपने भावी किस्मत का पता नहीं था। भारी मन से वे छत्तीसगढ़ गए, लेकिन विधानसभा चुनावों में उनकी अगुआई में भारी जीत मिली। मुख्यमंत्री बने और लगातार तीन कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहने का उन्हें स्वर्णिम मौका मिला। छत्तीसगढ़ ने तब से लेकर अब तक लंबी यात्रा कर ली है। छत्तीसगढ़ की पच्चीस साल की इस यात्रा में सत्रह साल तक बीजेपी का शासन रहा है, जबकि महज आठ साल कांग्रेस की सरकार रही। छत्तीसगढ़ जब अलग हुआ था तो उसका बजट महज पांच हजार सात सौ करोड़ का था। आज राज्य का बजट एक लाख 65 हजार सौ करोड़ तक पहुंच गया है। राज्य की मौजूदा विष्णुदेव साय सरकार इसे गति यानी सुशासन, त्वरित अवसंरचना, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विकास की थीम पर आधारित बजट बता रही है। छत्तीसगढ़ राज्य जब बना तो वहां सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज था, वहां एकमात्र मेडिकल कॉलेज पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, रायपुर था। यह कॉलेज 1963 में स्थापित किया गया था और इसे रायपुर मेडिकल कॉलेज के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन छत्तीसगढ़ में आज 14 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें 11 सरकारी, एक एम्स और 3 निजी कॉलेज शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य में 4 नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों के निर्माण की घोषणा की जा चुकी है। ये कॉलेज बन गए तो उनकी संख्या 18 हो जाएगी। कह सकते हैं कि राज्य ने मेडिकल के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगा ली है। छत्तीसगढ़ को लेकर एक छवि यह है कि वह छोटा राज्य है। लेकिन हकीकत ऐसा नहीं है। उसे छोटा मानने की वजह उसकी अपेक्षाकृत कम जनसंख्या है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य की जनसंख्या दो करोड़ 55 लाख से ज्यादा है। अनुमान है कि इन दिनों राज्य की जनसंख्या तीन करोड़ आठ लाख के करीब है। आम धारणा है कि छत्तीसगढ़ बिहार से भी छोटा है। बिहार की जनसंख्या करीब तेरह करोड़ से कुछ ज्यादा है। लेकिन हकीकत यह है कि छत्तीसगढ़ रकबा के लिहाज से बिहार से डेढ़ गुना बड़ा राज्य है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के सलाहकार पंकज झा कहते हैं कि छोटा राज्य होने की छवि के चलते छत्तीसगढ़ को भारतीय राजनीति का ज्यादातर हिस्सा उसे कमतर आंकता है। इस छवि को तोड़ना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। जब छत्तीसगढ़ बना था, तब उसके हिस्से मध्य प्रदेश के 16 जिले आए थे। लेकिन आज छत्तीसगढ़ में 33 जिले हैं। खूबसूरत झरने, प्राकृतिक जंगलों और खूबसूरत पहाड़ों के प्रदेश छत्तीसगढ़ में कोयला, लोहा और टिन का प्रचुर खनिज भंडार है। देश का तीसरा सबसे बड़ा वनाच्छादित राज्य छत्तीसगढ़ है, जिसका कुल 44.24 प्रतिशत हिस्सा जंगलों से ढंका पड़ा है। जाहिर है कि इनकी वजह से जहां पर्यावरण की रक्षा हो रही है, वहीं जंगल पर आधारित जनजातियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ एक नए राज्य के रूप में अपनी स्थापना के बाद से, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था जैसे कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव से गुजरा है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय में लगभग 10 गुना वृद्धि हुई है, राज्य की जीडीपी 21,000 करोड़ डॉलर से बढ़कर लगभग अब करीब 5 लाख करोड़ डॉलर की हो गई है। कभी यहां आने में बैंक हिचकते थे, लेकिन अब यहां बैंकों का जाल है। राजमार्ग और रेलवे का नेटवर्क भी राज्य में बहुत बढ़ा है। मध्य प्रदेश से अलग होते वक्त राज्य में महज चार विश्वविद्यालय थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 25 हो चुकी है। पहले नक्सल प्रभावित इलाकों में स्कूलों की भारी कमी थी। लेकिन अब यहां नए स्कूल खोले गए हैं और पोटाकेबिन, आश्रम और छात्रावास जैसी पहल शुरू की गई हैं। बस्तर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण किया गया है, हालाँकि यह अभी अधूरा है। नक्सलवाद के चलते यहां परिवहन ढांचा सुदृढ़ नहीं था। लेकिन अब उसमें भी बदलाव आया है। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों और रेल लाइनों की लंबाई दोगुनी हो गई है। पहले राज्य की राजधानी रायपुर से सिर्फ छह उड़ानों की सुविधा थी, जो अब बढ़कर 76 हो गई है।

राजस्थान के एक बड़े अखबार का दिल्ली में संवाददाता था..उस दिन खबरों का सूखा था..उसे दूर करने की नीयत से इन पंक्तियों का लेखक धरनों के लिए विख्यात जंतर-मंतर पर जा पहुंचा...वहां जाकर देखा, मध्य प्रदेश से अलग करके छत्तीसगढ़ राज्य बनाने की मांग को लेकर साधारण-सा व्यक्ति धरने पर बैठा था..साथ में गिनती के विश्वासपात्र ही बैठे थे..पता चला कि धरनारत उस व्यक्ति के पास खाने तक के पैसे नहीं थे..उनसे पता चली कि रात को रोजाना अपनी क्षुधा शांत करने के लिए पास ही स्थित गुरूद्वारा बंगला साहिब या फिर रकाब जाते और वहां के लंगर से अपनी भूख शांत करते थे..उनके साथियों का भी यही हाल था..वनोपज और प्राकृतिक संसाधनों से युक्त राज्य का धरना और उसे सहारा लंगर का..मर्म को छूने वाली वह खबर थी..खबर लिखी भी, 'लंगर के सहारे चलता अलग राज्य का धरना'. खबर छपते ही रायपुर और उसके आस-पास हलचल मच गई।

देश दुनिया से

युवाओं को खोखला करती नशे की चुनौती

नशा जो व्यक्ति की नस-नस में समा जाए, नशे की शुरुआती साइकिल पहले शौक से चलती है, फिर आदत और आदत मजबूरी बनती है। इस तरह नशा विकसित होता है। नशे के स्वरूप नकारात्मक और सकारात्मक दोनों हो सकते हैं, एक नशा किताबें पढ़ने का, खेलने का, घूमने फिरने का, आगे बढ़ने का, यह नशे का सकारात्मक रूप है, क्योंकि इसका व्यक्ति के मस्तिष्क व शरीर पर भी सकारात्मक प्रभाव ही पड़ता है। दूसरा नशा शराब का, भांग का, सिगरेट तथा चिट्टे के सेवन का है। यह नशे नकारात्मक हैं क्योंकि इनका प्रभाव भी अधिक नकारात्मक है। भारत के युवाओं की स्थिति : भारत की कुल आबादी का 65 फीसदी भाग युवा है। यह युवा भारत की आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक विकास की बैकबॉन है, लेकिन दुर्भाग्यवश भारत का युवा नकारात्मक नशों की ओर लगातार अग्रसर हो रहा है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडीज 2017 के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में लगभग 7.5 लाख युवाओं की मौत अवैध ड्रग्स से हुई है। इनमें से लगभग 22000 मौतें भारत में ही हुई हैं। भारत में नशों के विकसित होने के कारण : भारत में अचानक चार-पांच सालों से मादक तत्वों का प्रयोग बढ़ा है जिसके निम्नलिखित कारण विद्वानों द्वारा सुझाए गए हैं, जैसे : नारको आतंकवाद : पाकिस्तान आतंकवादी घटनाओं को बढ़ावा केवल मिसाइल व एक-47 से ही नहीं देता, बल्कि भारतीय युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों में नशे की गोलियां देकर भी बढ़ावा देता है। यही कारण है कि पंजाब, हिमाचल, गुजरात राज्य के युवा अधिक रूप से नशे के प्रभाव में आ रहे हैं, क्योंकि यहां से युवाओं को नशे की पुडिया की सप्लाई आसानी से उपलब्ध हो जाती है। इस कारण पंजाब राज्य की भगवंत मान सरकार को अपनी कुल आय का सालाना 2.2 प्रतिशत ड्रग्स की रोकथाम के लिए खर्च करना पड़ रहा है। युवाओं में बढ़ता तनाव : तनाव भी युवाओं को नशे की ओर धकेलने में मदद करता है। तनाव परीक्षाओं में कुछ अंकों से असफल हो जाने का हो सकता है, तनाव घर वालों की आकांक्षाओं पर खरा न उतरने का हो सकता है। इस तरह हमारे युवा जिंदगी की जंग से हार कर नशों की ओर शिफ्ट हो जाते हैं और खोखले हो जाते हैं। संगत का असर : संगत से हम बहुत कुछ सीखते हैं। संगत को हम कभी नकार नहीं सकते कि इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इस बात को हम एक अध्ययन से साबित कर सकते हैं। भारत सरकार और पंजाब सरकार ने एक अध्ययन (डायनामिक ऑफ ड्रग्स एडिक्शन एंड एब्यूज इन इंडिया इन फोकस ओन पंजाब 2024) किया। इसमें पाया गया कि 77 फीसदी जो युवा नशा करते हैं, वे 14 से 34 साल के बीच के हैं। इस अवधि के दौरान बच्चा स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय में होता है और उसे वहां संगत मिलती है। संगत से ही वे अच्छी चीज और बुरी चीज सीखते हैं। उसी में एक नशा भी हो सकता है। स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी नशों को प्रमोट करने में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। युवाओं को नशों से बचाने लिए सरकार के प्रयास : गृह मंत्रालय देश में नशीले पदार्थों की रोकथाम व युवाओं को नशों से बचाने के लिए प्रयासरत है। पिछले तीन वर्षों में देश के कई राज्यों में 90000 से ज्यादा भांग-अफीम वाले खेतों को नष्ट किया गया है क्योंकि भारत सरकार का लक्ष्य 2047 तक भारत को नशा मुक्त बनाना है। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं : 1. नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का गठन। 2. एनडीपीएस अधिनियम 1985 का क्रियान्वयन। 3. नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत। नशीले मादक तत्वों के नियंत्रण में भारत सरकार की चुनौतियां : भारत सरकार और राज्य सरकारें लगातार नशीले पदार्थों को रोकने में लगी हुई हैं, लेकिन कई ऐसे कार्य हैं जिससे सरकार निपटने में सफल नहीं हो पा रही है जैसे, पर्याप्त बुनियादी ढांचे का अभाव। नशीले पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग से प्रभावित ढंग से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने को विशेष उपकरण का अभाव। जागरूकता और शिक्षा का अभाव : जागरूकता और शिक्षा हमें सही मार्ग दर्शाते हैं। नशों की जागरूकता का प्रयास माता-पिता और स्कूलों द्वारा अच्छे से किया जा सकता है क्योंकि बच्चे पहले से नशों के अवगुणों से वाकिफ होंगे तो किसी नशीले पदार्थ के प्रति आकर्षित नहीं होंगे। युवा कर सकते हैं राष्ट्रभक्ति का नशा : राष्ट्रभक्ति से भाव राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने से है। यह तभी हो सकता है जब युवा नशे की इस परिभाषा को सकारात्मक रूप देंगे। भगत सिंह जैसे महान युवा और क्रांतिकारी ने राष्ट्र को स्वतंत्र करवाने का नशा किया। भारत के युवक विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देकर राष्ट्र के विकास में योगदान कर सकते हैं, जैसे सैन्य सेवा में जाकर, स्टार्टअप शुरू कर, वह खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकते हैं। भारत का ओलंपिक खेलों में उतना योगदान नहीं है जितना हो सकता है क्योंकि भारत में सबसे ज्यादा युवा वर्ग है। 2024 में पेरिस ओलंपिक में भारत पदक जीतने के मामले में 71वें स्थान पर है जबकि 2020 में टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के मामले में 48वें स्थान पर था। यह छोटी उपलब्धि है। चीन 2024 में पेरिस ओलंपिक में प्रथम स्थान पर है, जबकि चीन की जनसंख्या भारत से कम है तो भारत के युवा इस क्षेत्र में योगदान कर राष्ट्रीय विकास में और राष्ट्र के नाम को ऊंचा उठा सकते हैं। निष्कर्ष : नशा जब मजबूरी बन जाता है तो घर का चिराग मां-बाप के लिए अभिशाप बन जाता है। युवा जब दिशाहीन हो जाता है तो व्यवस्थाएं चरमरा जाती हैं। नेपाल का जेन जी आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। अतः भारत को अगर 2047 में विकसित भारत बनना है, तो युवाओं को खोखला होने से बचाना होगा। इसके लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय सहयोग लेना होगा तथा सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बढ़ानी होगी ताकि युवाओं के पास मादक तत्वों की आपूर्ति ही न हो पाए, क्योंकि मादक तत्वों का सबसे बड़ा स्रोत गोल्डन (म्यांमार, लाओस, थाईलैंड) ट्रायंगल और गोल्डन क्रिसेंट (ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान) देश हैं। भारत को नशे के खिलाफ क्रांति करनी होगी।

नशे के स्वरूप नकारात्मक और सकारात्मक दोनों हो सकते हैं, एक नशा किताबें पढ़ने का, खेलने का, घूमने फिरने का, आगे बढ़ने का, यह नशे का सकारात्मक रूप है, क्योंकि इसका व्यक्ति के मस्तिष्क व शरीर पर भी सकारात्मक प्रभाव ही पड़ता है। दूसरा नशा शराब का, भांग का, सिगरेट तथा चिट्टे के सेवन का है। यह नशे नकारात्मक हैं क्योंकि इनका प्रभाव भी अधिक नकारात्मक है। भारत के युवाओं की स्थिति : भारत की कुल आबादी का 65 फीसदी भाग युवा है। यह युवा भारत की आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक विकास की बैकबॉन है, लेकिन दुर्भाग्यवश भारत का युवा नकारात्मक नशों की ओर लगातार अग्रसर हो रहा है।

आप का नजरिया

बंटन और आबंटन के बीच

ग्रामीण विकास एव पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह के हवाले से हिमाचल के परिदृश्य में कुल 3577 पंचायतें ही आगामी चुनाव की सुबह देख पाएंगी। गिनती में नहीं नैन नक्श में वार्डों का पुनर्सीमांकन हो सकता है यानी आजू-बाजू की पंचायतों में कई गांव, कई बस्तियां बदल सकती हैं, लेकिन मुहिम अब पंचायतें बढ़ाने की नहीं, इनकी संख्या को 3577 के भीतर ही खपाने की रहेगी। पंचायत की धुरी से हिमाचल को सहेजने की एक कोशिश तो पंचायती राज संस्थाओं के लोकतांत्रिक, प्रशासनिक व सामाजिक दायित्व से जुड़ती है, दूसरी और प्रदेश की आकांक्षाओं को धरातल तक बढ़ाने के लिए हर प्रयोग और उपयोग के लिए स्थानीय निकाय अपनी हसरतों में मुकम्मल होते हैं। एक हल्का सा पुनर्गठन अगर पंचायत के औचित्य को बढ़ा देता है, तो पूरे प्रदेश के ढांचे में फेरबदल की गुंजाइश के सियासी संयोग बढ़ जाते हैं। वर्षों से राजनीतिक घूस का क्षेत्रवाद पैदा होता है, तो कहीं पंचायतें बंट जाती है या हट जाती हैं। कुछ कस्बों को नगर पंचायत, नगर पंचायतों को नगर परिषद और नगर परिषदों को नगर निगमों के हवाले करके संकल्प बदले गए। स्थानीय स्वशासन के मजमूनों को राजनीति पढ़ना चाहती है, इसलिए एक कोशिश यह कि मेयर का ओहदा पूरे पांच साल चले। पंचायत से पूरे पंचायती राज और नगर से नगर निगम तक प्रतिनिधियों के मानदेय ने छलांगें मारकर बता दिया कि इस कर्म की प्रतिष्ठा में कुछ तो हासिल हो। यह दीगर है कि हिमाचल को पहले ग्रामीण क्षेत्रों की परिभाषा में सीमित रखते हुए शहरीकरण के जज्बात और नगरों का व्यवहार नहीं समझा गया, लेकिन अब ऐसे शहरी गांव नजर आते हैं जो पंचायती राज से अलग पूरी तरह स्थापित नगरों की परिभाषा को पूरा करते हैं। इन्हीं गांवों का पुनर्गठन मुश्किल हवा का रुख है। उदाहरण के लिए प्रदेश के कुछ छावनी बोर्ड हट गए, लेकिन वहां वर्षों से स्थापित शहरी व्यवस्था को गांव की झोली में डाल कर नागरिक समाज की क्षमता को ग्रामीण बना दिया गया। मसलन योल कैंप के छावनी क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक गांवों को एक पंचायत बना देना उचित होगा या अंग्रेजी हुकूमत से जो क्षेत्र छावनी बोर्ड की नागरिक सुविधाओं में शहरी रहा हो, उसे नगर निगम धर्मशाला के तहत कर देना चाहिए। पंचायती क्षेत्रों तक पहुंचे नगर निगम की संभावना व क्षमता को पहचानने तथा इसके पुनर्गठन की जरूरत है। पुनर्गठन तो कई विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक समानता और सामाजिक समीपता से भी होना चाहिए। अगर नयनादेवी विधानसभा क्षेत्र बिलासपुर को लांघ कर घाघस की तरफ हदबंदी करे या मंडी का दरंग हलका पहाड़ी की दूसरी तरफ कुल्लू से मिलन करे तो वहां बदलाव के कई कारण हैं। इतना ही नहीं, दियोटसिद्ध परिसर की आस्था से जुड़ा शाहतलाई का महत्त्व अगर हमीरपुर और बिलासपुर में बंटे तो प्रशासनिक सुधार आएंगे कैसे। कमोबेश हर सरकार खासकर भाजपा सरकारों के कार्यकाल में कांगड़ा, मंडी और शिमला की तोडफ़ोड़ से नए जिलों के गठन का उद्भव खोजा जाता रहा है। इस दिशा में न्यायालयों के बाद पुलिस जिलों का आविष्कार हुआ है। कुछ इसी तरह के अन्य विभागीय प्रयास देहरा में चल रहे हैं, तो सोशल मीडिया नए जिले की खुराक में अनुमान लगा रहा है। दरअसल प्रदेश में तेरह जिले होने चाहिएं। ग्यारह जिलों में छह-छह विधानसभा क्षेत्र, जबकि ट्राइबल डिस्ट्रिक्ट में एक-एक हलका, अन्यथा राष्ट्रीय पैमाइश में नए पुनर्सीमांकन के तहत देखा जाए कि क्या और विधानसभा क्षेत्र बढ़ रहे हैं।

पंचायत की धुरी से हिमाचल को सहेजने की एक कोशिश तो पंचायती राज संस्थाओं के लोकतांत्रिक, प्रशासनिक व सामाजिक दायित्व से जुड़ती है, दूसरी और प्रदेश की आकांक्षाओं को धरातल तक बढ़ाने के लिए हर प्रयोग और उपयोग के लिए स्थानीय निकाय अपनी हसरतों में मुकम्मल होते हैं। एक हल्का सा पुनर्गठन अगर पंचायत के औचित्य को बढ़ा देता है, तो पूरे प्रदेश के ढांचे में फेरबदल की गुंजाइश के सियासी संयोग बढ़ जाते हैं। वर्षों से राजनीतिक घूस का क्षेत्रवाद पैदा होता है, तो कहीं पंचायतें बंट जाती है या हट जाती हैं। कुछ कस्बों को नगर पंचायत, नगर पंचायतों को नगर परिषद और नगर परिषदों को नगर निगमों के हवाले करके संकल्प बदले गए। स्थानीय स्वशासन के मजमूनों को राजनीति पढ़ना चाहती है, इसलिए एक कोशिश यह कि मेयर का ओहदा पूरे पांच साल चले। पंचायत से पूरे पंचायती राज और नगर से नगर निगम तक प्रतिनिधियों के मानदेय ने छलांगें मारकर बता दिया कि इस कर्म की प्रतिष्ठा में कुछ तो हासिल हो। यह दीगर है कि हिमाचल को पहले ग्रामीण क्षेत्रों की परिभाषा में सीमित रखते हुए शहरीकरण के जज्बात और नगरों का व्यवहार नहीं समझा गया, लेकिन अब ऐसे शहरी गांव नजर आते हैं जो पंचायती राज से अलग पूरी तरह स्थापित नगरों की परिभाषा को पूरा करते हैं। इन्हीं गांवों का पुनर्गठन मुश्किल हवा का रुख है। उदाहरण के लिए प्रदेश के कुछ छावनी बोर्ड हट गए, लेकिन वहां वर्षों से स्थापित शहरी व्यवस्था को गांव की झोली में डाल कर नागरिक समाज की क्षमता को ग्रामीण बना दिया गया।

दृष्टि कोण

भारत की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लुप्त

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस देश के पहले शिक्षा मंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित मौलाना अबुल कलाम आजाद की याद में हर 11 नवम्बर को मनाया जाता है। वैधानिक रूप से इसका प्रारम्भ वर्ष 2008 से किया गया है। मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्म 11 नवम्बर 1888 को हुआ था। वे भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे। मौलाना आजाद एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, कट्टर राष्ट्रवादी और दूरदर्शी शिक्षाविद थे। वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति थे और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अद्वितीय थी। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग समाज को बदलने और जनता को सशक्त बनाने के लिए किया जा सकता है। भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने देश की आधुनिक शिक्षा प्रणाली की नींव रखी। उनके अथक प्रयासों से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की स्थापना हुई। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रणाली, लेकिन, भारत अब दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी उच्च शिक्षा प्रणाली है, जिसमें 1100 विश्वविद्यालयों सहित 56000 से अधिक उच्च शैक्षणिक संस्थानों में 4.3 करोड़ (43 मिलियन) से अधिक छात्र हैं। हालांकि जहां तक सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) का सवाल है, हमारे देश में चार में से केवल एक युवा को उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज जाने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का एक प्रशंसनीय लक्ष्य 2035 तक जीईआर को दोगुना कर 50 फीसदी करना है। इसके अलावा विश्व स्तर पर चीन के बाद भारत अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। 2017 से 2022 तक 13 लाख से अधिक भारतीय छात्र उच्च अध्ययन के लिए विदेश गए। अमेरिका सबसे लोकप्रिय गंतव्य है, जहां 4.65 लाख छात्र रहते हैं। इसके बाद कनाडा (1.83 लाख छात्र), संयुक्त अरब अमीरात (1.64 लाख छात्र) और ऑस्ट्रेलिया (1 लाख छात्र) हैं। भारतीय छात्र अब विश्व स्तर पर 240 से अधिक देशों में पढ़ते

हैं। उज्बेकिस्तान, फिलीपींस, रूस, आयरलैंड और किर्गिस्तान जैसे देशों में रुचि बढ़ रही है। कुल मिलाकर, 11.30 लाख से अधिक भारतीय छात्र वर्तमान में विदेशी कॉलेजों में पढ़ रहे हैं। दूसरी ओर, 2021 में भारत में केवल 48000 विदेशी राष्ट्रीय छात्रों का नामांकन हुआ, जिनमें पड़ोसी देशों से आने वाले छात्रों की संख्या सबसे अधिक थी। इसका मतलब है कि भारत अभी भी अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने के मामले में शुरुआती चरण में है, जो इस तथ्य से परिलक्षित होता है कि 45 लाख (4.5 मिलियन) अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से केवल 0.6 फीसदी ही भारत को पसंद करते हैं। यहां तक कि उन छात्रों ने कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और दिल्ली जैसे राज्यों में स्थित मु_ी भर एचईआई को प्राथमिकता दी, लेकिन अन्य को नहीं। इस पृष्ठभूमि में, एनईपी देश की अत्यधिक विनियमित, नौकरशाही और काफी हद तक बंद शैक्षणिक प्रणाली को दुनिया के लिए खोलने का वादा करती है। 2022 में यूजीसी ने कुछ पात्र विदेशी संस्थानों (दोनों शीर्ष 500 विश्वविद्यालयों और अन्य विदेशी संस्थानों) को भारत में कैंपस स्थापित करने की अनुमति देने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (अंतरराष्ट्रीय शाखा परिसरों और अपतटीय शिक्षा केंद्रों की स्थापना और संचालन) पर विनियम जारी किए। प्राथमिक शिक्षा से लेकर संपूर्ण शिक्षा प्रणाली में सुधार किए बिना अकेले यह उपाय देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र में कैसे सुधार करेगा, यह स्पष्ट नहीं है। गुणवत्ता मानकों के दृष्टिकोण से, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली अत्यधिक असंगत और असंतुलित है।

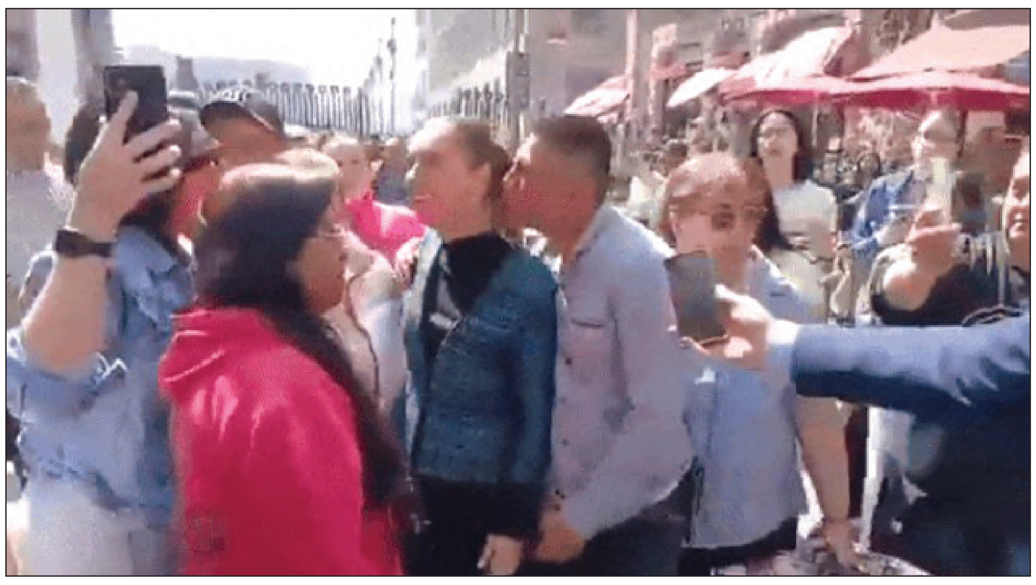

मेक्सिको की राष्ट्रपति से घिनौनी हरकत, जबरदस्ती किस करने की कोशिश, कमर पर भी रखा हाथ

मेक्सिको, 05 नवंबर (एजेंसियां)। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम से एक सिरफिरे ने आपत्तिजनक हरकतें करने की कोशिश की।

राजधानी मेक्सिको सिटी के ऐतिहासिक डाउनटाउन इलाके में यह विचलित करने वाला दृश्य उस समय सामने आया जब राष्ट्रपति सड़क पर जनता से बातचीत कर रही थीं। इस दौरान नशे में धुत एक व्यक्ति ने राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम को छुआ और चूमने की कोशिश की।

हालांकि, राष्ट्रपति के अंगरक्षक तुरंत हरकत में आए और उस व्यक्ति को उनसे दूर कर दिया। लेकिन, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया।

इस घटना ने मेक्सिको की राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहे इस वीडियो में एक व्यक्ति, जो नशे में लग रहा था, पीछे से उनके पास आता है, उन्हें पकड़ता है और उन्हें चूमने की कोशिश करता है, जबकि वह नागरिकों से बात कर रही थीं।

कई पलों तक, किसी भी सुरक्षाकर्मी ने हस्तक्षेप नहीं किया, जिससे वह व्यक्ति असहज रूप से उनके बहुत करीब आ गया। तभी एक सुरक्षाकर्मी हरकत में आया और उस व्यक्ति को दूर खींच लिया।

न्यूज ब्रीफ

डेमोक्रेट एबिगेल स्पैनबर्गर होंगी वर्जीनिया की पहली महिला गवर्नर

वाशिंगटन। डेमोक्रेट एबिगेल स्पैनबर्गर वर्जीनिया की पहली महिला गवर्नर होंगी। वह आधिकारिक रूप से

चुनाव जीत गई हैं। उन्हें रिपब्लिकन विनसम अर्ल-सियर्स से चुनाव में कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा। स्पैनबर्गर की जीत वर्जीनिया के राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण क्षण है। इस चुनाव को राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के लिए एक जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है। द वाशिंगटन पोस्ट और द हिल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, स्पैनबर्गर ने वर्जीनिया में गवर्नर पद का चुनाव आधिकारिक रूप से जीत लिया। वर्जीनिया के मतदान केंद्र मंगलवार शाम बंद हो गए। इसके बाद मतों की गिनती शुरू हुई। मतदान से एक दिन पहले चुनाव प्रचार में दोनों दलों ने अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में पूरी ताकत झोंक दी। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने स्पैनबर्गर और अन्य डेमोक्रेट्स के समर्थन में नॉरफॉक में नजर आए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोमवार रात राज्य के रिपब्लिकन समर्थकों के साथ एक टेलीफोनिक संवाद किया। सभी से रिपब्लिकन उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष केन मार्टिन ने सोमवार को विलियम्सबर्ग में कार्यकर्ताओं से कहा, 'हम इसलिए जीतेंगे क्योंकि हमारे पास ऐसे महान उम्मीदवार हैं जो लोगों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चुनाव लड़ रहे हैं।' पूर्व सीआईए अधिकारी और अमेरिकी कांग्रेस सदस्य स्पैनबर्गर ने शिक्षा, आर्थिक और लोकतंत्र की रक्षा जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ा। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, स्पैनबर्गर ने रिचमंड में विजयी भाषण में कहा कि वर्जीनिया ने पक्षपात के बजाय व्यावहारिकता और अराजकता के बजाय सभ्य समाज को चुना।

ब्रसेल्स एयरपोर्ट पर ड्रोन संकटः लैंडिंग-टेकऑफ ठप, यात्री परेशान

ब्रसेल्स। बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स के मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को मंगलवार शाम (4 नवंबर) संदिग्ध ड्रोन दिखाई देने के बाद तुरंत बंद कर दिया गया। इससे सैकड़ों यात्रियों को भारी असुविधा हुई। बेल्जियम की एयर ट्रैफिक कंट्रोल सर्विस और एयरपोर्ट प्राधिकरण ने घटना की पुष्टि की है। एयर ट्रैफिक कंट्रोल की प्रवक्ता कर्ट वेरविलीजेन ने बताया कि शाम करीब 7 बजे से कुछ मिनट पहले एयरपोर्ट के निकट एक ड्रोन देखा गया। सुरक्षा कारणों से तत्काल सभी उड़ानें रोक दी गईं। वर्तमान में कोई विमान लैंडिंग या टेकऑफ नहीं कर रहा। प्रवक्ता ने कहा कि बंद होने की अवधि का अनुमान लगाना मुश्किल है। इसके साथ ही बेल्जियम का छोटा लिएज एयरपोर्ट भी प्रभावित हुआ और उसे भी बंद करना पड़ा। यह पहला मामला नहीं है। हाल के महीनों में ड्रोन खतरे के चलते कई यूरोपीय हवाई अड्डे बंद हो चुके हैं। सितंबर में कोपेनहेगन और ओस्लो एयरपोर्ट को भी ड्रोन दिखने पर बंद करना पड़ा था। पिछले सप्ताहांत एक बेल्जियम सैन्य एयरबेस पर भी ड्रोन देखे गए थे। विशेषज्ञों का कहना है कि ड्रोन का अनधिकृत उपयोग हवाई सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। बेल्जियम में ड्रोन उड़ाने के सख्त नियम हैं, लेकिन उल्लंघन के मामले बढ़ रहे हैं।

अब कनाडा करेगा बड़े पैमाने पर अस्थायी वीजा रद्द, भारतीयों को लगेगा झटका

ओटावा। कनाडा जाने की चाह रखने वाले भारतीयों को झटका लग सकता है। कनाडाई सरकार संसद में

लंबित विधेयक के जरिए अस्थायी वीजा को रद्द करने की शक्ति चाहती है, जिसका इस्तेमाल भारत से आने वाले फर्जी आवेदनों को रोकने के लिए किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट में आईआरसीसी, सीबीएसए और अमेरिकी विभागों के हवाले बताया है कि इस प्रावधान को भारत से अस्थायी वीजा आवेदकों की धोखाधड़ी को रोकने वाला कदम बताया है। विधेयक में कहा गया है कि महामारी या युद्ध के समय ढेर सारे वीजा एक साथ रद्द किए जा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडाई अधिकारी इनमें से कुछ खास देशों के वीजा धारकों को निशाना बनाना चाहते हैं। अस्थायी निवासियों में काम करने वाले, विदेशी छात्र और घूमने आने वाले लोग शामिल हैं। यह नियम कनाडा की सीमाओं को मजबूत करने वाले कानून का हिस्सा बताया जा रहा है। इमिग्रेशन वकील ने बताया था कि अगर लिबरल सरकार का स्ट्रॉन्ग बॉर्डर्स बिल पास हो जाता है, तो हजारों आवेदन एक झटके में रद्द हो सकते हैं, क्योंकि इससे मंत्री को बहुत बड़ी ताकत मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि 2007 में फाइलें इसलिए बंद कर दी गईं थी ताकि पुरानी लंबित अर्जियों का बोझ हटाया जा सके।

नेपाल और भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सात-सूत्री योजना पर सहमति

काठमांडु, 05 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल और भारत ने द्विपक्षीय ऊर्जा सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सात बिंदुओं पर एक समझौता किया है, जिसमें बिजली के आदान-प्रदान और सीमा-पार ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार को शामिल किया गया है। यह समझौता 3 और 4 नवम्बर को पोखरा में आयोजित नेपाल-भारत ऊर्जा सहयोग पर संयुक्त तकनीकी टीम की 17वीं बैठक के दौरान अंतिम रूप से तय किया गया। बैठक की सह-अध्यक्षता नेपाल के ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मन्त्रालय के सह-सचिव संदीप कुमार देव और भारत के केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के मुख्य अभियन्ता भगवान सहाय भैरव ने की। मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने बिजली के आदान-प्रदान, ट्रांसमिशन प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा नई सीमा-पार ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण पर विस्तृत चर्चा के बाद सात प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनाई।

मुख्य समझौते

1. चमेलिया-जौलजीबी 220 केवी ट्रांसमिशन लाइन:

दोनों पक्षों ने अपने-अपने विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। संयुक्त नवंबर 2025 तक पूरा किया जाएगा और परियोजना दिसंबर 2027 तक सम्पन्न करने का लक्ष्य रखा गया है।

2. बुटवल-गोरखपुर 400 केवी लाइन:

इस नई लाइन को अस्थायी रूप से 220 केवी पर संचालित करने का निर्णय हुआ है। इसके साथ ही, विद्युत् आदान-प्रदान क्षमता को अंतिम रूप देने के लिए उत्तर प्रदेश ट्रांसमिशन कम्पनी के साथ 15 दिनों के भीतर पुन: बैठक की जाएगी।

3. धलकेबर-मुजफ्फरपुर और धनकेबर-सीतामढ़ी लाइन की क्षमता समीक्षा:

समीक्षा के बाद यह निर्धारित किया गया कि नेपाल इन लाइनों के माध्यम से अधिकतम 1,500 मेगावाट बिजली निर्यात व 1,400 मेगावाट आयात कर सकता है।

4. निजगढ-मोतीहारी 400 केवी लाइन:

इस परियोजना का तैयार करने के लिए नेपाल एक माह के भीतर आवश्यक तकनीकी विवरण भारत को उपलब्ध कराएगा। यह लाइन संयुक्त रूप से विकसित की जाएगी।

5. लमही-लखनऊ 400 केवी लाइन:

दोनों पक्षों ने यह तय किया कि डीपीआर तैयार करने से पहले इस प्रस्तावित लाइन का नेपाली पक्ष पर अंतिम बिंदु — लमही या कोहलपुर — संयुक्त रूप से तय किया जाएगा।

6. एचटीएलएस प्रौद्योगिकी का उपयोग:

दोनों देशों ने सहमति दी कि धलकेबर-मुजफ्फरपुर 400 केवी लाइन के पुनर्निर्माण में हाई-टेम्परेचर लो-सैग तकनीक का उपयोग किया जाएगा ताकि उच्च तापमान की स्थिति में भी इसका प्रदर्शन बेहतर रहे।

7. पुरानी लाइनों का आधुनिकीकरण:

रक्सौल-परवानीपुर और रामनगर-गंडक 132 केवी लाइनों में वर्तमान कंडक्टरों को एचटीएलएस कंडक्टरों से बदलने के लिए संयुक्त अध्ययन किया जाएगा ताकि ट्रांसमिशन क्षमता बढ़ाई जा सके। बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने इस बात पर भी पुन: जोर दिया कि नेपाल और भारत ऊर्जा नेटवर्क को सुदृढ़ करने और आपसी बिजली व्यापार को विस्तार देने में सहयोग जारी रखेंगे।

अमेरिका में ट्रक चलाने के लिए इंग्लिश जरूरी..........पंजाबी युवाओं पर ट्रम्प की सख्ती शुरु

लगातार हो रहे हादसों को देखकर ट्रंप ने लागू किए नियम

वाशिंगटन, 05 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में ड्राइविंग स्किल के आधार पर नौकरी की तलाश में गए पंजाबी युवाओं पर ट्रम्प सरकार ने सख्ती शुरु कर दी है। यहां ट्रक चलाने वाले युवाओं के लिए इंग्लिश स्पीकिंग मेंडेटरी कर दी गई है। बाकायदा इसके लिए टेस्ट भी लिए जा रहे हैं। पंजाब के ट्रक ड्राइवरों से हुए एक्सीडेंट के बाद ट्रंप प्रशासन ने नियम को लागू किया है। पुलिस ऑन रोड ट्रक ड्राइवरों को रोक-रोक कर भी इंग्लिश स्पीकिंग टेस्ट ले रही है। इस टेस्ट में अब तक नॉन अमेरिकी 7 हजार से ज्यादा ट्रक ड्राइवर फेल हो गए हैं। इनके लाइसेंस सस्पेंड कर दिए गए हैं। वर्तमान में अमेरिका में 1.50 लाख पंजाबी ड्राइवर हैं। अमेरिका के ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी सीन डफी के मुताबिक, 30 अक्टूबर तक चले इंग्लिश टेस्ट में कई ड्राइवर सही से इंग्लिश बोल नहीं सके, तब कुछ इंग्लिश में लिखे ट्रैफिक साइन के बारे में नहीं बता पाए।

बता दें कि लगातार हो रहे हादसों को देखकर अमेरिकी सरकार करीब दो महीने पहले भारतीय ड्राइवरों के वीजा पर रोक लगा चुका है। इसकी जानकारी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने दी थी। यूएसए के ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी डफी ने कहा कि रोडसाइड इंग्लिश लैंग्वेज प्रोफिशियंसी टेस्ट में पास न होने के कारण 7 हजार से ज्यादा नॉन अमेरिकी ड्राइवरों को आउट ऑफ सर्विस घोषित कर दिया गया है। अमेरिका के ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी डफी ने कहा कि अमेरिकी ट्रांसपोर्ट लॉ में सभी ट्रक ड्राइवरों के लिए अंग्रेजी में ट्रैफिक साइन पढ़ना और अंग्रेजी बोलना जरूरी है। इसके बिना लाइसेंस नहीं दिया जाता है। ओबामा प्रशासन में इस बात को सीरियसली नहीं लिया गया, जिससे अंग्रेजी टेस्ट में फेल ड्राइवरों को भी लाइसेंस मिल गए।

डफी ने कहा कि अमेरिका में बढ़ रहे ट्रक हादसों के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने 25 जून, 2025 से अंग्रेजी का टेस्ट अनिवार्य कर दिया। नई पॉलिसी के तहत अब अमेरिकन पुलिस सड़क पर ही ड्राइवरों का मौके पर टेस्ट ले रही है। अंग्रेजी न बोल पाने वाले ट्रक ड्राइवरों को तुरंत ट्रक से उतारा जा रहा है।

चीन ने बनाया पहाड़ी इलाकों में रेल-संचालित व्यापार गलियारा, दुनिया फिर हैरान

बीजिंग। चीन ने अपने पश्चिम के पहाड़ी इलाकों में रेल-संचालित व्यापार गलियारा बना लिया है, जो एशिया और यूरोप के बीच ट्रांसपोर्ट नक्शे को नया रूप दे रहा है। इसके केंद्र में चोंगकिंग है, जो एक बड़ा अंतर्देशीय महानगर है। यह समुद्री नौवहन के लिए तेज गति वाले विकल्प के रूप में काम कर रहा है। चीन का यह प्रयास साल 2023 से यह स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य की रणनीतिक रुकावटों को दूर करने की कोशिश है। ट्रेनें दक्षिण-पूर्व एशिया से यूरोप तक माल दो हफ्तों से भी कम समय में पहुंचाती हैं, जिससे समुद्री माल ढुलाई की तुलना में शिपिंग समय में 20 दिन की कमी आती है। दक्षिण-पूर्व एशिया से यूरोप तक हो रही माल ढुलाई, हो रहा अरबों का फायदा चीन का यह कदम आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की संवेदनशीलता को देखते हुए इसका प्रमुख घटक आसियान एक्सप्रेस है, जो 2023 में शुरू की गई माल रेल सेवा है। यह हनोई को चोंगकिंग से पांच दिनों में जोड़ती है। वहां सेमाल जर्मनी, पोलैंड और यूरोप तक जमीनी गलियारों के जरिए दो हफ्तों से भी कम समय में पहुंचता है। ऐसे में इसे स्वेज नहर जैसी पहल माना जा रहा है, भले ही इसका समुद्र से कोई ताल्लुक नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मार्ग सीमा शुल्क में देरी और वैश्विक बंदरगाहों में बढ़ती हुई आम समस्याओं से बचाता है। रेल शिपिंग उत्सर्जन हवाई माल ढुलाई की तुलना में काफी कम है।

अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर अमेरिका, चीन, पाकिस्तान की नजरें

भारत की इस एयरबेस को हासिल करने कोई पहल होनी चाहिए

काबुल, 05 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर अमेरिका, चीन, पाकिस्तान सबकी नजरें हैं। एक ओर जहां अमेरिका इस एयरबेस को वापस अपने कब्जे में लेना चाहता है। वहीं इस एयरबेस से चीन के परमाणु प्रयोगशाला की भी दूरी भी बेहद कम है। यहां से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और बलूचिस्तान की भी दूरी बेहद कम है। इसके अलावा यहां से पूरे मध्य एशिया के लिए एक रास्ता भी खुलता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर अफगानिस्तान तालिबान के इस एयरबेस को भारत को सौंपने की खबर भी खूब वायरल हुई। हालांकि, इस खबर का खुद अफगानिस्तान सरकार के अधिकारियों ने भी आधारहीन बताया है। इस तरह का कोई प्रस्ताव तालिबान ने भारत को नहीं दिया है और न ही भारत ने खुद ऐसी इच्छा

जताई है। अब डिफेंस एक्सपर्ट से जानते हैं कि भारत के लिए बगराम कितना बड़ा अवसर है क्या बगराम एयरबेस को हासिल करने के लिए कोई पहल होनी चाहिए मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बगराम एयरबेस से चीन की सबसे नजदीकी परमाणु प्रयोगशाला 2 हजार किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम चीन में लोप नूर क्षेत्र में है। सड़क या अन्य मार्ग से यह दूरी कई घंटों की हो सकती है। लॉकहीड एसआर-71 ब्लैकबर्ड जैसे आधुनिक सैन्य विमान इस फासले को करीब एक घंटे में पूरा कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बगराम एयरबेस काबुल के उत्तर में 60 किलोमीटर दूर परवान प्रांत में स्थित है। इसे सबसे पहले 1950 के दशक में सोवियत संघ ने बनाया था और 1980 के दशक में अफगानिस्तान पर कब्जे के दौरान यह उनका मुख्य सैन्य अड्डा बन गया। साल 2001 में जब अमेरिका ने तालिबान को सत्ता से हटाया तो उसने इस अड्डे पर नियंत्रण कर लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक जब अमेरिका बगराम में आया, तब तत्कालीन बगराम खंडहर में तब्दील हो चुका था, लेकिन अमेरिकी सेना ने इसे फिर से बनाया जो कि करीब 77 वर्ग किलोमीटर तक फैला है। बगराम अमेरिका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे मजबूत एयरबेस में से एक था जो कंक्रीट और स्टील से बना है। डिफेंस एनालिस्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी के मुताबिक बगराम कई किलोमीटर लंबी मजबूत दीवारों से घिरा है। इसके आसपास का क्षेत्र सुरक्षित था और कोई भी बाहरी शख्स इसके अंदर नहीं जा सकता था। यहां इतने बैरक और क्वार्टर्स हैं कि एक समय में यहां 10 हजार से ज्यादा सैनिक रह सकते हैं। पिछले तीन सालों से बगराम एयरबेस पर तालिबान की सेनाएं अमेरिकी सैनिकों के छोड़े गए सैन्य साज़ो-सामान का इस्तेमाल करते हुए सैनिक परेड और दूसरे समारोह आयोजित कर रही हैं। जेएस सोढ़ी के मुताबिक बगराम के दो रनवे में से एक ढाई किलोमीटर से अधिक लंबा है। ट्रंप ने हाल ही में अपनी ब्रिटेन की यात्रा के दौरान कहा था कि बगराम दुनिया के सबसे बड़े एयरबेस में से एक है और हमने इसे वापस दे दिया।

अमेरिका में लुइसविले हवाई अड्डे के पास यूपीएस का कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त

वाशिंगटन, 05 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में चालक दल के तीन सदस्यों वाला यूपीएस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) के अनुसार, यूपीएस (एमडी-11) विमान लुइसविले के केंटकी हवाई अड्डे के पास उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एफएए ने राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) के साथ मिलकर इस दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यूपीएस (उड़ान संख्या-2976) विमान स्थानीय समयानुसार शाम पांच बजे के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान होनोलूलू के डैनियल के. इनौये अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। एफएए ने मंगलवार को कहा कि एनटीएसबी जांच का नेतृत्व करेगा।

यूपीएस के बयान के अनुसार, विमान में चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। फिलहाल किसी ने भी इनके घायल या हताहत होने की पुष्टि नहीं की है।'

लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग (एलएमपीडी) और अन्य एजेंसियां दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची हैं। एलएमपीडी ने एक्स पोस्ट में कहा कि कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है।

सीएनएन के अनुसार, वीडियो फुटेज में लुइसविले मोहम्मद अली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टरमैक से कुछ ही दूरी पर धुएं का एक विशाल गुबार उठ रहा है। यह हवाई अड्डा यूपीएस के लिए काफी अहम है। यूपीएस के अनुसार, कंपनी का वर्ल्डपोर्ट 50 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैला है। यहां 12,000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। पुलिस ने बताया कि हवाई अड्डे के पांच मील के दायरे को सील कर दिया गया ह। स्ट्रजेस और क्रिटेंडेन के बीच ग्रेड लेन अनिश्चितकाल के लिए बंद रहेगी।'

मैकडॉनेल डगलस एमडी-11एफ मालवाहक विमान है। इसका निर्माण मूल रूप से मैकडॉनेल डगलस और बाद में बोइंग ने किया। इस विमान का इस्तेमाल मुख्य रूप से फेडेक्स एक्सप्रेस, लुफ्थांसा कार्गो और यूपीएस एयरलाइंस माल ढुलाई के लिए करती हैं। दुर्घटनाग्रस्त विमान को 1991 में बनाया गया था। मैकडॉनेल डगलस को खरीदने वाली बोइंग के अनुसार, यह विमान अधिकतम 633,000 पाउंड वजन का और 38,000 गैलन से अधिक ईंधन ले जाने में सक्षम है।

यूपीएस एयरलाइंस लुइसविले केंटकी स्थित एक प्रमुख अमेरिकी कार्गो एयरलाइन है। माल ढुलाई की मात्रा के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी कार्गो एयरलाइनों में से एक यूपीएस एयरलाइंस दुनिया भर में 815 गंतव्यों तक उड़ान भरती है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो जल्द ही लेंगे संन्यास कहा– मैं अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।

पुर्तगाल और अल नास्त्र के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने खुलासा किया है कि वे जल्द ही फुटबॉल से संन्यास लेने की तैयारी में हैं। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने कहा कि उनका शानदार करियर अपने अंतिम पड़ाव पर है और जब वह इस खेल को अलविदा कहेंगे, तो यह बेहद भावुक क्षण होगा।

रोनाल्डो ने पीयर्स मॉर्गन अनसेंसर्ड को दिए इंटरव्यू में अपने रिटायरमेंट और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, 'जल्द ही... लेकिन मैं तैयार रहूंगा। यह कठिन होगा, हां, मैं शायद रो भी दूं। मैं एक भावुक इंसान हूं। लेकिन मैंने 25-26 साल की उम्र से ही अपने भविष्य की तैयारी शुरू कर दी थी, इसलिए मुझे विश्वास है कि मैं इसे संभाल पाऊंगा।'

दुनिया के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल रोनाल्डो ने अब तक अपने करियर में 952 गोल दागे हैं। उन्होंने कहा कि फुटबॉल के बाद का जीवन वे अपने परिवार और निजी रुचियों को समर्पित करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'फुटबॉल में गोल करने का जो एड्रेनालिन होता है, उसकी बराबरी कुछ नहीं कर सकता। लेकिन हर चीज़ की एक शुरुआत होती है और एक अंत भी। अब मैं अपने परिवार और बच्चों के साथ अधिक समय बिताना चाहता हूं। मैं क्रिस्टियानो जूनियर के साथ रहना चाहता हूं क्योंकि वह अब उस उम्र में है जहां बच्चे कई बार गलतियां करते हैं। माटेओ को भी फुटबॉल बहुत पसंद है।' रोनाल्डो ने यह भी बताया कि वे अब अपने दोस्तों के साथ पैडल खेल का आनंद ले रहे हैं। रोनाल्डो ने अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत स्पोर्टिंग लिस्बन से की थी। इसके बाद उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड और जुवेंटस जैसी दिग्गज क्लबों के लिए खेला। मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ उन्होंने तीन प्रीमियर लीग खिताब और एक चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीती, जबकि रियल मैड्रिड के साथ दो ला लीगा और चार चैंपियंस लीग खिताब उनके नाम रहे। 2022 में यूनाइटेड छोड़ने के बाद वे सऊदी अरब के क्लब अल नास्त्र से जुड़े। हालांकि, वे अब भी मैनचेस्टर यूनाइटेड के परिणामों पर नज़र रखते हैं, क्योंकि उनके पूर्व पुर्तगाली साथी रुबेन अमोरीम अब क्लब के मैनेजर हैं। रोनाल्डो ने यूनाइटेड के मौजूदा हालात पर कहा, 'वह (अमोरीम) अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे हैं, लेकिन कोई चमत्कार नहीं कर सकता। टीम में प्रतिभा है, पर कुछ खिलाड़ियों को समझना होगा कि मैनचेस्टर यूनाइटेड क्या है।

न्यूज ब्रीफ

पहले तेज गेंदबाजी करती थी दीप्ति

नई दिल्ली। महिला विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाली दीप्ति शर्मा ने 8 साल की उम्र में खेलना शुरु किया। वह अपने भाई के साथ नेट्स पर खेलने जाती थीं। एक दिन पूर्व भारतीय बल्लेबाज हेमलता काला ने दीप्ति को थ्रो करते देखा तो वह प्रभावित हो गयी और उसी के बाद से ही उसे ट्रेनिंग देना शुरु कर दिया, यहीं से परिवर्तन आना शुरु हो गया। पहले दीप्ति तेज गेंदबाजी करती थीं पर बाद उसने ऑलराउंडर बने स्पिन करनी शुरु कर दी। 12 साल की उम्र में ही दीपति का चयन उत्तर प्रदेश की अंडर-19 टीम में हो गया. वहीं केवल 17 साल की उम्र में दीप्ति को भारतीय टीम में जगह मिल गयी। दीपति ने अपना पहला एकदिवीसय मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला। इसके बाद 2026 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी 20 में डेब्यू किया और 2021 में उनका टेस्ट डेब्यू इंग्लैंड के खिलाफ हुआ। दीपति ने साल 2017 में आयरलैंड के खिलाफ पूनम राउत के साथ मिलकर 320 रनों की शुरुआती साझेदारी कर विश्व रिकार्ड भी बनाया।दीप्ति ने उस मैच में 188 रन बनाए जो महिला एकदिवसीय का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इतना ही नहीं दीप्ति 20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 100 विकेट लेने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी हैं। उसके नाम डब्ल्यूपीएल 2023 में एक हैट्रिक भी है। दीपति ने 2024 टी20 सीरीज में 30 विकेट लिए और इस बार विश्वकप में सबसे अधिक 22 विकेट इन सब उपलब्धियों के लिए दीप्ति को 2020 में अर्जुन अवॉर्ड मिला। इसके अलावा उन्हें उत्तर प्रदेश पुलिस में डीएसपी पद भी मिला।

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः गॉफ ने पाओलीनी को हराकर किया टूर्नामेंट से बाहर

रियाद। डिफेंडिंग चैंपियन अमेरिका की कोको गॉफ ने मंगलवार को जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए इटली की जैस्मिन पाओलीनी को 6-3, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की और साथ ही पाओलीनी को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। 21 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ ने अपने पिछले मुकाबले में हमवतन जेसिका पेगुला के खिलाफ 17 डबल फॉल्ट किए थे, लेकिन इस बार उन्होंने केवल तीन ही डबल फॉल्ट किए और पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा। गॉफ ने मैच के बाद कहा, 'मुझे पता था कि यह जीत टूर्नामेंट में बने रहने के लिए जरूरी है। अगर मैं हारती, तो बाहर हो जाती।' पहले सेट में गॉफ ने मात्र 10 मिनट में 3-0 की बढ़त बना ली। पाओलीनी ने अगला गेम जीतने के लिए नौ मिनट तक संघर्ष किया और तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए। हालांकि, गॉफ ने फिर शानदार रिटर्न खेलते हुए 5-3 की बढ़त हासिल की और पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी गॉफ की रणनीति कारगर साबित हुई, जिसमें उन्होंने पाओलीनी को लगातार कोर्ट के एक सिरे से दूसरे सिरे तक दौड़ाया।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को पहले एकदिवसीय में 2 विकेट से हराया

फैसलाबाद। सलमान अली आगा और मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों की सहायता से पाकिस्तान ने मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच के साथ ही पाक टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में लगातार पांचवीं जीत हासिल की है। इस मैच में पाक टीम के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। दक्षिण अफ्रीकी टीम 263 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद पाक टीम ने ये लक्ष्य आठ विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से केवल क्विंटन डिकॉक 63 और लुआन ड्रेप्रिटोरियस 57 रन ही बना पाये। इसके अलावा मैथ्यू ब्रीट्जके ने 42 रनों की पारी खेली, वहीं 41 रन कोर्बिन बोस ने भी बनाए।। पाक की ओर से नसीम शाह और अबरार अहमद ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि 2 विकेट सैम अयूब ने लिए। शाहीन अफरीदी और मोहम्मद नवाज को एक-एक विकेट मिला। पाक टीम की शुरुआत 264 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहद खराब रही।

हांगकांग सिक्सेज़ 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान, दिनेश कार्तिक संभालेंगे कप्तानी

हांगकांग, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।

क्रिकेट हांगकांग चाइना ने हांगकांग सिक्सेज़ 2025 टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया की पूरी टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम की कमान अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को सौंपी गई है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कुछ दमदार घरेलू प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर भी शामिल किए गए हैं।

दिनेश कार्तिक अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभव और दबाव की स्थितियों में शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। रॉबिन उथप्पा, जिन्होंने पिछले साल टीम इंडिया की कप्तानी की थी, इस बार भी टीम का हिस्सा होंगे। 2007 टी20 वर्ल्ड कप विजेता उथप्पा ने 2024 संस्करण में ओमान के खिलाफ मात्र 13 गेंदों पर 52 रन की विस्फोटक पारी खेली थी और टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों में शामिल रहे थे।

भरत चिपली, जो पिछले संस्करण में भारत के शीर्ष स्कोरर रहे थे, इस बार भी टीम में बरकरार हैं। 42 वर्षीय चिपली ने 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 गेंदों पर नाबाद 53 रन की शानदार पारी खेली थी और कुल 156 रन बनाए थे।

स्टुअर्ट बिन्नी एक ऑलराउंडर के रूप में टीम को संतुलन प्रदान करेंगे। भारत के लिए टेस्ट, वनडे और टी20—तीनों प्रारूपों में खेल चुके बिन्नी बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने में सक्षम हैं, जो इस छोटे प्रारूप में टीम के लिए अहम साबित होगा। गेंदबाजी की अगुवाई अभिमन्यु मिथुन करेंगे, जिन्होंने भारत के लिए टेस्ट और वनडे दोनों खेले हैं। 330 से अधिक प्रथम श्रेणी विकेट लेने वाले मिथुन घरेलू क्रिकेट में बेहद अनुभवी हैं।

झारखंड के शहबाज नदीम बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में टीम में विविधता और नियंत्रण जोड़ेंगे। 2019 में भारत के लिए टेस्ट पदार्पण करने वाले नदीम लगातार घरेलू क्रिकेट में विकेट लेते रहे हैं।

टीम में प्रियंक पांचाल भी शामिल हैं, जो तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाज हैं और हाल ही में घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। 8,800 से अधिक प्रथम श्रेणी रन बनाने वाले पांचाल टीम को स्थिरता प्रदान करेंगे।

भारत की पूरी टीमः

दिनेश कार्तिक (कप्तान), रॉबिन उथप्पा, भरत चिपली, स्टुअर्ट बिन्नी, अभिमन्यु मिथुन, शहबाज नदीम, प्रियंक पांचाल

टीम इंडिया मैनेजरः कपिल अरोड़ा

भारत इस बार टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन कर अपने दूसरे हांगकांग सिक्सेज़ खिताब पर निशाना साधेगा। टीम इंडिया ने इससे पहले 2005 में यह खिताब जीता था। हांगकांग सिक्सेज़ एक तेज़ रफ्तार प्रारूप है, जिसमें हर टीम छह खिलाड़ियों की होती है और प्रत्येक पारी छह ओवर की होती है। 2025 संस्करण 7 से 9 नवंबर तक हांगकांग में खेला जाएगा।

पहले एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, लाबुशेन की वापसी, स्मिथ होंगे कप्तान

सिडनी, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के पहले टेस्ट के लिए टीम की घोषणा कर दी है। युवा ओपनर सैम कॉनस्टास को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन की टीम में वापसी हुई है।

कॉनस्टास को वेस्टइंडीज दौरे पर खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर किया गया है। अनकैप्ड बल्लेबाज जेक वेदराल्ड को उनके स्थान पर मौका मिला है, जिन्होंने शेफील्ड शील्ड सीजन की शानदार शुरुआत करते हुए तीन अर्धशतक लगाए हैं। लाबुशेन ने घरेलू सीजन में अब तक पांच शतक जड़कर शानदार फॉर्म में वापसी की है, जिसके बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें फिर से टेस्ट टीम में शामिल किया है। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, 'हमारे पास 15 में से 14 खिलाड़ी शेफील्ड शील्ड के चौथे राउंड में खेल रहे हैं। कैमरन ग्रीन गेंदबाजी में वापसी कर रहे हैं, जिससे हमें और जानकारी मिलेगी।'

मिचेल मार्श को व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि टीम के कोच और चयनकर्ता एंड्रू मैकडॉनल्ड ने हाल में उनका समर्थन किया था। पैट कमिंस की पीठ की चोट के कारण स्टीव स्मिथ पहले टेस्ट में कप्तानी की जिम्मेदारी निभाएंगे। यह मैच 21 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा।

पहले एशेज के लिए ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम

स्टीव स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, बो वेबस्टर, जोश इंगलिस, एलेक्स कैरी, जेक वेदराल्ड, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, नाथन लायन, जोश हेजलवुड, सीन एबॉट, ब्रेंडन डॉगेट।

मेरी दादी की सेहत ठीक : अमनजोत

चंडीगढ़। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर अमनजोत कौर ने कहा है कि मेरी दादी ठीक हैं और उसकी सेहत में सुधार आ रहा है। अमनजोत की दादी को विश्वकप के दौरान दिल का दौरा पड़ा था पर उनके परिवार ने ये बात इसलिए छिपा दी जिससे कि खेल से उसका ध्यान न भटके। अमनजोत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में कप्तान लॉरा वॉल्वार्ट का महत्वपूर्ण कैच पकड़कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वॉल्वार्ट ने मैच में शतक लगाया था और अगर वह नहीं आउट होती तो भारतीय टीम को जीत हासिल करना कठिन हो जाता। लॉरा इस मैच में 101 रन बना चुकीं थीं और धीरे-धीरे अपनी टीम को जीत की ओर बढ़ा रहीं थीं तभी अमनजोत ने उछलकर एक बेहद कठिन कैच पकड़ लिया। अमनजोत ने कहा, 'बस इतना बताना चाहती हूं कि कि मेरी दादी ठीक है। कृपया ऑनलाइन फैल रही किसी भी झूठी जानकारी पर विश्वास न करें और न ही उसे फैलाएं।

घर पहुंचने पर कोच अमोल मजूमदार का हुआ जबरदस्त स्वागत

मुम्बई, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच अमोल मजूमदार का घर पहुंचने पर जबरदस्त स्वागत हुआ है। वह जैसे ही अपने घर पहुंचे वहां ऐसा जश्न हुआ, जैसा आस-पड़ोस के लोगों ने भी कई साल से नहीं देखा था। उनके स्वागत में गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गईं, जयकारे गूंजने लगे, ढोल-ताशों की थाप से माहौल में बेहद उत्साह नजर आया।

ऐसा लग रहा था मानो कोई परिवार अपने किसी प्रियजन की घर वापसी से बेहद खुश हुआ हो। अमोल मजूमदार जब अपने घर की ओर बढ़ रहे थे तब प्रवेश द्वार पर बल्ला उठाकर अमोल को सलामी दी गई। महिलाएं और बेटियां बेहद खुश नजर आ रहीं थीं। अमोल के स्वागत के लिए एकत्र लोगों के लिए ये ये केवल एक विश्व कप जीत की बात नहीं थी। यह उनके बीच रहने वाले एक व्यक्ति की मेहनत की प्रशंसा करना भी था जिसके बिना भारतीय टीम कभी जीत हासिल नहीं कर पाती। इस स्वागत के बीच भी अमोल अपने ही सरल और शांत अंदाज में नजर आये। इसके बाद लोगों को संबोधित करते हुए दिया उनका संदेश भी काफी सादगी भरा था जिसमें उन्होंने लोगों के प्रति आभार जताया। मजूमदार ने अपने करियर में कई भूमिकाएं काफी अच्छे से निभाई हैं। एक शानदार घरेलू बल्लेबाज, एक कमेंटेटर और एक आईपीएल फ्रैंचाइजी के मेंटर की जिम्मेदारी उन्होंने निभाई है।

अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी में द्रविड़ के बेटे अन्वय पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय भी हैदराबाद में शुरू रहे पुरुष अंडर19 एकदिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को इस टूर्नामेंट में टीम सी में शामिल किया गया है। ऐसे में सभी की नजरें अन्वय के प्रदर्शन पर रहेंगी। इस टूर्नोमेंट से युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला शुक्रवार को आरोन जॉर्ज की अगुवाई वाली टीम सी वेदांत त्रिवेदी की कप्तानी वाली टीम बी के खिलाफ करेगी। टूर्नोमेंट में भाग ले रही

टीमें इस प्रकार हैं।

टीम एः विहान मल्होत्रा (कप्तान), अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), वंश आचार्य, बालाजी राव (विकेटकीपर), लक्ष्य रायचंदानी, विनीत वीके, मार्कंडेय पांचाल, सात्विक देसवाल, वी यशवीर, हेमचुदेशन जे, आरएस अंबरीश, हनी प्रताप सिंह, वासु देवानी, युधाजीत गुहा, इशान सूद।

टीम बीः वेदांत त्रिवेदी (कप्तान), हरवंश सिंह (उपकप्तान और विकेटकीपर), वाफी कच्छी, सागर विर्क, सायन पॉल, वेदांत सिंह चौहान, प्रणव पंत, अहित सलारिया (विकेटकीपर), बी के किशोर, अनमोलजीत सिंह, नमन पुष्पक, डी दीपेश, मोहम्मद मलिक, महामद यासीन सौदागर, वैभव शर्मा।

टीम सीः आरोन जॉर्ज (कप्तान), आर्यन यादव (उपकप्तान), अंकित चटर्जी, मणिकांत शिवानंद, राहुल कुमार, यश कासवांकर, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), युवराज गोहिल (विकेटकीपर), खिलान ए पटेल, कनिष्क चौहान, आयुष शुक्ला, हेनिल पटेल, लक्ष्मण प्रुथी, रोहित कुमार दास, मोहित उलवा।

टीम डीः चंद्रहास दाश (कप्तान), मौल्यराजसिंह चावड़ा (उपकप्तान), शांतनु सिंह, अर्नव बुग्गा, अभिनव कन्नन, कुशाग्र ओझा, आर्यन सकपाल (विकेटकीपर), ए रापोल (विकेटकीपर), विकल्प तिवारी, मोहम्मद एनान, अयान अकरम, उधव मोहन, आशुतोष महिदा, एम तोशिथ यादव, सोलिब तारिक।

विश्वकप जीत से मंधाना, जेमिमा सहित महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत के बाद खिलाड़ियों की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू तेजी से बढ़ी है। ऐसे में अब इनकी कमाई भी पहले से कई गुना बढ़ जाएगी। विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स और स्मृति मंधाना की ब्रांड वैल्यू सबसे अधिक बढ़ी है। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में नाबाद 127 रनों की पारी खेली थी। रिपोर्ट के अनुसार, जेमिमा की एंडोर्समेंट फीस अब 75 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपये तब पहुंच गयी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के बाद ही उनके पास 10 से 12 अलग-अलग कैटेगरी के ब्रांड्स से करार के प्रस्ताव आने लगे। वहीं मंधाना पहले से ही महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी ब्रांड एंबेसडर हैं। वो इस समय हिंदुस्तान यूनिलीवर, नाइक , हुंडाई , हरबेलाइफ , एसबीआई, गल्फ आइल, और पीएबी मैटलाइफ जैसे 16 प्रमुख ब्रांड्स का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। विश्व कप जीत के बाद उनकी फीस भी 1.5 से 2 करोड़ रुपये प्रति ब्रांड तक पहुंच गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विश्वकप जीत से भारतीय महिला क्रिकेट पूरी तरह से बदल जाएगा।

तेल के खेल में सरकार और कॉरपोरेट की मुनाफाखोरी से आमजन परेशान

नई दिल्ली,05 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय से स्थिर और अपेक्षाकृत कम हैं, तब भी देश में पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर से ऊपर बिक रहा है। पड़ोसी देश भूटान, जो भारत से ही रिफाइंड पेट्रोल-डीजल आयात करता है, वहां यही पेट्रोल लगभग 75 रुपये प्रति लीटर में उपलब्ध है। यह अंतर भारत की टैक्स और मूल्य निर्धारण नीति पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

पड़ोसी देश भूटान में 75 रुपये तो भारत में 100 रुपये से ऊपर क्यों है पेट्रोल

विशेषज्ञों के अनुसार, रिफाइनरी से निकलने वाले ईंधन का बेस प्राइस लगभग 30 रुपये प्रति लीटर होता है। लेकिन एक्साइज ड्यूटी, वैट, सेस, मार्केटिंग लागत, डीलर मार्जिन और अन्य टैक्स जुड़ने से इसकी कीमत तीन गुना तक बढ़ जाती है। सरकार और पेट्रोलियम कंपनियां दोनों ही इस अंतर से भारी मुनाफा कमाती हैं। सरकारी कंपनियों के अलावा निजी पेट्रोलियम कंपनियां भी उपभोक्ताओं पर भार डालकर अपने मुनाफे को बढ़ा रही हैं। सरकार का तर्क है कि पेट्रोलियम से होने वाली कमाई देश के विकास में इस्तेमाल हो रही है। परंतु सवाल यह उठता है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल सस्ता हो रहा है, तो उसका लाभ देश के आम उपभोक्ताओं तक क्यों नहीं पहुंच रहा कोविड महामारी के दौरान और उसके बाद भी सरकार ने कीमतों में वह लचीलापन नहीं दिखाया जो उसकी नीति में निर्धारित था।

विषय विशेषज्ञों की मानें तो भूटान में पेट्रोलियम की कीमतों का उदाहरण इस असंतुलन को स्पष्ट करता है। भारत से रिफाइन होकर गया वही पेट्रोल-डीजल वहां टैक्स और परिवहन लागत के बाद भी सस्ता बिकता है। भूटान सरकार अपने नागरिकों से उतना ही टैक्स वसूलती है जितना वे वहन कर सकें, जबकि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों पर टैक्स का बोझ लगातार बढ़ रहा है। इससे आमजन खासा परेशान है और किसी न किसी रुप में वह अपना आक्रोष भी प्रदर्शित करता नजर आता है। महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में जब आम नागरिक बुनियादी जरूरतें भी पूरी करने में खुद को असमर्थ पा रहा, तब सरकार और कॉरपोरेट कंपनियों की यह मुनाफाखोरी चिंता का विषय बन गई है।

न्यूज ब्रीफ

नया स्मार्टफोन वीवो वाय19एस 5जी पेश

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में चाइनीज कंपनी वीवो ने अपना नया स्मार्टफोन वीवो वाय19एस 5जी पेश किया है। वीवो कंपनी ने इसे तीन वेरिएंट्स में पेश किया है 4जीबी प्लस 64जीबी की कीमत रुपए 10,999, 4जीबी प्लस 128जीबी की कीमत रुपए11,999 और 6जीबी प्लस 128जीबी की कीमत रुपए13,499 रखी गई है। यह फोन दो कलर ऑप्शन्स मैजेस्टिक ग्रीन और टाइटेनियम सिल्वर में आता है। वीवो वाय19एस 5जी में 6.74 इंच का एचडी प्लस एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है, जिसका रेजॉल्यूशन 1600गुणा 720 पिक्सल और रिफ्रेश रेट 90 एचझेड है। डिस्प्ले का पीक ब्राइटनेस लेवल 700 निट्स है, जो इसे आउटडोर उपयोग के लिए उपयुक्त बनाता है। फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 6300 प्रोसेसर दिया गया है, जो इसे 5जी कनेक्टिविटी के साथ स्मूथ परफॉर्मेंस प्रदान करता है। इसमें 6जीबी तक की एलपीडीडीआर4 एक्स रैम और 128जीबी तक की ईएमएमसी 5.1 स्टोरेज दी गई है, जिसे माइक्रोएसडी कार्ड से बढ़ाया जा सकता है। फोटोग्राफी के लिए फोन में 13 मेगापिक्सल का मेन कैमरा और 0.08 मेगापिक्सल का सेकेंडरी लेंस दिया गया है, जबकि सेल्फी और वीडियो कॉल के लिए 5 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मौजूद है। फोन में 6000एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है, जो 15वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। कनेक्टिविटी के लिए इसमें वायफाय (2.4जीएचझेड/5जीएचझेड), ब्ल्यूटूथ 5.4, जीपीएस, और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। कुल मिलाकर, वीवो वाय19 एस 5जी एक ऐसा बजट 5जी स्मार्टफोन है जो मजबूत बैटरी, आकर्षक डिजाइन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के साथ ग्राहकों को एक किफायती लेकिन आधुनिक विकल्प प्रदान करता है।

एफटीए वार्ता पर चर्चा के लिए पीयूष गोयल पहुंचे न्यूजीलैंड, बोले- सहयोग और निवेश के नए अवसर तलाशेंगे

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मंगलवार को न्यूजीलैंड पहुंचे, जहां वे अपने समकक्ष टॉड मैक्ले से प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा करेंगे। दोनों देशों के बीच सहयोग और निवेश के नए अवसर गोयल ने

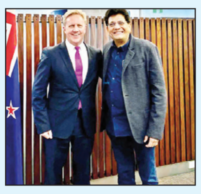

सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि न्यूजीलैंड पहुंचकर चल रही एफटीए वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा करने पर खुशी है। उन्होंने बताया कि दोनों देश व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक साझेदारी को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने कहा कि मैं दोनों देशों के बीच सहयोग और निवेश के नए अवसरों का पता लगाने के लिए निवेशकों के साथ-साथ उद्योग जगत के लीडर्स से भी मिलूंगा। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2025 में 1.3 अरब डॉलर का कारोबार हुआ भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता का चौथा दौर 3 नवंबर को ऑकलैंड में शुरू हुआ। एफटीए वार्ता औपचारिक रूप से 16 मार्च, 2025 को शुरू की गई। न्यूजीलैंड के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापारिक व्यापार 2024-25 में 1.3 अरब डॉलर रहा।

गुरु नानक जयंती के अवसर पर बंद रहा शेयर बाजार

मुंबई। गुरु नानक जयंती के अवसर पर बुधवार को भारतीय शेयर बाजार बंद रहा। इस अवसर पर इक्विटिटी, इक्विटिटी डेरिवेटिव और एसएलबी सेगमेंट में ट्रेडिंग बंद रही। इसके अलावा, करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट और इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स में भी ट्रेडिंग नहीं हुई पर शाम 5 बजे से रात 11:30 बजे तक शाम के सत्र के लिए बाजार खुला रहेगा। । वहीं एनएसई और बीएससी पर कारोबार गुरुवार 6 नवंबर से ही शुरू होगा। वहीं गत दिवस मंगलवार के कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुआ था। गत दिवस 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 519.34 अंक टूटकर 83,459.15 स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 165.70 अंक टूटकर 25.597.65 स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी बैंक 250.20 अंक की गिरावट के बाद 57,827.05 स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 250.20 अंक टूटकर 60,037.20 स्तर और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 152.50 अंक नीचे आकर 18,360.90 स्तर पर बंद हुआ। सेक्टोरल आधार पर निफ्टी ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियल्टी सभी इंडेक्स नुकसान में लाल निशान पर बंद हुए।

प्रीमियम एसयूवी होंडा इलेवेट के नए एडिशन का टीज़र जारी

नई दिल्ली,05 नवंबर (एजेंसियां)।

होंडा कार्स इंडिया ने अपनी प्रीमियम एसयूवी होंडा इलेवेट के नए एडिशन का टीजर जारी किया है। इस नए एडिशन को एक्सप्लोरर एडिशन नाम से पेश किए जाने की उम्मीद है। नई होंडा इलेवेट में ब्लैक और रेड थीम देखने को मिलेगी, जो इसे अधिक स्टाइलिश और दमदार लुक देती है। टीजर में एसयूवी का आकर्षक और स्पोर्टी लुक नजर आ रहा है, जो हयूदै क्रेटा जैसी गाड़ियों को सीधी चुनौती देने वाला है। फ्रंट ग्रिल पर रेड लाइन एक्सेंट, ब्लैक फिनिश वाले एलॉय व्हील्स और फॉग लैंप्स पर लाल हाइलाइट्स इसके डिज़ाइन को और प्रभावशाली बनाते हैं।

कंपनी की टैगलाइन 'ए बोल्ड कैपिनियन फार द एक्पलोरर इन यू' यह संकेत देती है कि यह एडिशन खासतौर पर एडवेंचर पसंद उपभोक्ताओं के लिए तैयार किया गया है। इंजन के मामले में इस एसयूवी में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। इसमें वही 1.5 लीटर, 4-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 119 बीएचपी की पावर और 145 एनएम टॉर्क पैदा करता है। इसमें 6-स्पीड मैनुअल और 7-स्टेप सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों विकल्प मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, सीएनजी का विकल्प डीलर-लेवल फिटमेंट के रूप में उपलब्ध रहेगा।

फीचर्स के लिहाज से यह एसयूवी पहले की तरह प्रीमियम और सुरक्षित रहेगी। इसमें लेवल-2 अडास सिस्टम, छह एयरबैग, लेन वॉच कैमरा, ट्रैक्शन कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट और इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल जैसी सुरक्षा सुविधाएं दी जाएंगी। साथ ही, वायरलेस चार्जिंग, टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी जैसी आधुनिक सुविधाएं इसे और भी उन्नत बनाती हैं। होंडा अपनी इलेवेट एसयूवी के साथ 3 साल या अनलिमिटेड किलोमीटर की स्टैंडर्ड वारंटी देती है, जिसे 7 या 10 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9एस से पर्दा उठाएगी महिंद्रा

नई दिल्ली। स्वदेशी महिंद्रा कंपनी आगामी 27 नवंबर 2025 को बेंगलुरु में होने वाले अपने वार्षिक कार्यक्रम 'स्क्रीम इलेक्ट्रिक' के दौरान नई इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9एस से पर्दा उठाएगी। एक्सईवी 9एस को महिंद्रा के नए इंग्लो स्केटबोर्ड प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। यह महिंद्रा की पहली 'बॉर्न इलेक्ट्रिक' 7-सीटर एसयूवी होगी, जो पूरी तरह से इलेक्ट्रिक ड्राइविंग अनुभव को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है। इसका मतलब है कि इसे किसी पुराने पेट्रोल या डीज़ल मॉडल से रूपांतरित नहीं किया गया, बल्कि यह शुरुआत से ही एक शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में बनाई गई है। यह प्लेटफॉर्म फ्लैट फ्लोर, बड़ा व्हीलबेस और विशाल केबिन स्पेस प्रदान करता है, जिससे तीसरी पंक्ति तक पहुंच आसान और यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक होगी। इस एसयूवी का डिजाइन पूरी तरह फैमिली-केंद्रित है, जिसमें स्पेस, स्टाइल और परफॉर्मेंस का संतुलन देखने को मिलेगा। बाहरी लुक में कनेक्टेड एलईडी लाइटिंग, मस्क्यूलर बॉडी लाइन और दमदार ग्रिल स्टाइल जैसी आधुनिक झलकें दिख सकती हैं। उम्मीद है कि इसमें तीन स्क्रीन वाला डिजिटल डैशबोर्ड, एडवांस कनेक्टिविटी फीचर्स और स्मार्ट इंफोटेनमेंट सिस्टम दिए जाएंगे। हालांकि कंपनी ने अब तक बैटरी और पावरट्रेन की जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन अनुमान है कि एक्सईवी 9एस में बड़ी बैटरी और 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज मिल सकती है। यह एसयूवी कई वेरिएंट्स में आ सकती है, जिनमें रियर-व्हील ड्राइव और ऑल-व्हील ड्राइव दोनों विकल्प शामिल होंगे। महिंद्रा की यह लॉन्चिंग कंपनी की इलेक्ट्रिक रणनीति का नया अध्याय साबित होगी।

मारुति सुजुकी ने की कुल 2,20,894 यूनिट की बिक्री

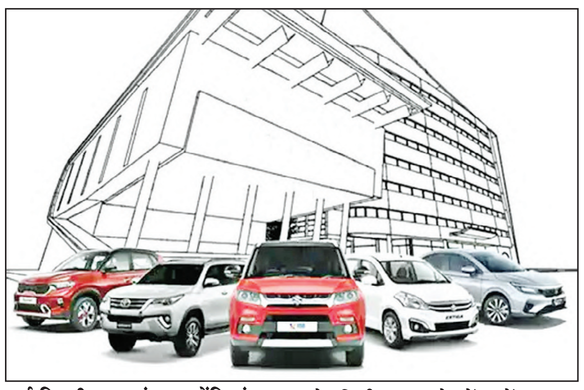

नई दिल्ली,05 नवंबर (एजेंसियां)।

मारुति सुजुकी इंडिया कंपनी ने अक्टूबर महीने में कुल 2,20,894 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जिसमें घरेलू और निर्यात दोनों शामिल हैं। फेस्टिव सीजन की मजबूत मांग और हाल ही में लागू जीएसटी 2.0 टैक्स दरों में कमी से ग्राहकों की खरीदारी रुचि बढ़ी, जिससे कंपनी को बिक्री में रिकॉर्ड उछाल मिला। अक्टूबर 2025 में मारुति सुजुकी की घरेलू पैसेंजर व्हीकल (पीवी) बिक्री 1,76,318 यूनिट रही।

वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल से अक्टूबर अवधि में कुल पीवी बिक्री 9,93,088 यूनिट रही। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले हल्की गिरावट दर्शाती है, हालांकि मासिक आधार पर कंपनी ने 10.48प्रतिशत की उल्लेखनीय सालाना वृद्धि दर्ज की।

सेगमेंटवार प्रदर्शन की बात करें तो मिनी कार सेगमेंट में 9,067 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल की 10,687 यूनिट्स से कम हैं। वहीं कॉम्पैक्ट सेगमेंट ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 65,948 यूनिट्स से बढ़कर 76,143 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। कंपनी की लोकप्रिय ईको वैन ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी बिक्री 11,653 यूनिट से बढ़कर 13,537 यूनिट हो गई। वहीं सुपर कैरी लाइट कमर्शियल व्हीकल की बिक्री 3,539 यूनिट से बढ़कर 4,357 यूनिट रही।

अन्य ओईएम्स जैसे टोयोटा को सप्लाई की गई 8,915 यूनिट्स को मिलाकर कंपनी की कुल घरेलू बिक्री 1,89,590 यूनिट रही, जो पिछले साल की 1,73,266 यूनिट से 9.42 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, निर्यात में मामूली गिरावट आई और यह 33,168 से घटकर 31,304 यूनिट पर पहुंच गया।

कुल मिलाकर, अक्टूबर 2025 में मारुति सुजुकी ने अपने बाजार नेतृत्व को और मजबूत किया है। दिलचस्प बात यह रही कि मिड-साइज सियाज की इस महीने कोई बिक्री नहीं हुई। मारुति सुजुकी का मुख्य फोकस यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी और एमपीवी) सेगमेंट पर रहा, जहां बिक्री 70,644 यूनिट से बढ़कर 77,571 यूनिट तक पहुंची।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चैंपियंस की ...

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि फाइनल मैच के बाद हरमनप्रीत ने बॉल को कैसे अपनी जेब में रख लिया था। उन्होंने कहा कि वह लकी थीं कि बॉल उनके पास आई और उन्होंने उसे रख लिया। इसके बाद, उन्होंने अमनजोत कौर के मशहूर कैच के बारे में बात की, जो उन्होंने कई बार चूकने के बाद पकड़ा था। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी चूक है जिसे वह देखना पसंद करती हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कैच करते समय आपको बॉल देखनी चाहिए, लेकिन कैच के बाद आपको ट्रॉफी देखनी चाहिए।क्रांति गौड़ ने बताया कि उनके भाई प्रधानमंत्री मोदी के बहुत बड़े फैन हैं, जिस पर उन्होंने तुरंत उन्हें मिलने का खुला न्योता दिया।पीएम मोदी ने महिला वर्ल्ड कप चैंपियंस से पूरे देश में, खासकर लड़कियों के बीच, फिट इंडिया का मैसेज आगे बढ़ाने को कहा। उन्होंने मोटापे की बढ़ती समस्या पर बात की और फिट रहने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उनसे अपने स्कूलों में जाकर वहां के युवा स्टूडेंट्स को मोटिवेट करने को भी कहा।

तथ्यों की...

राहुल गांधी ने इसके पहले भी 29 अक्टूबर को बिहार के दरभंगा में जेनजी को उकसाया था कि वो मोदी जी के घर तक पहुंच जाएं। राहुल गांधी ने कहा था, अगर बेरोजगारों को इंस्टाग्राम और फेसबुक में बिजी नहीं रखोगे, तो ये मोदीजी के घर पहुंच जाएंगे उन्होंने जेनजी से बेरोजगारी पर बात करते हुए कहा कि युवा 24 घंटे इंस्टा पर इसलिए हैं क्योंकि आपने नौकरी नहीं दी। आप जितना चाहे इंस्टा पर रह सकते हो। अगर आप फेसबुक, इंस्टाग्राम पर नहीं रहोगे, तो रोजगार के लिए मोदी जी के घर पहुंच जाओगे। रील में कुछ नहीं है आपके लिए, एक दो लोग इंफ्लुएंसर बनेंगे और एक दो साल बाद बेरोजगारी में डूब जाएंगे।बहरहाल, राहुल गांधी ने हर चुनाव के पहले चुनाव आयोग पर आरोप लगाने की आदत बना ली है। 18 सितंबर 2025 को उन्होंने कर्नाटक में लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काटे जाने का आरोप आयोग पर लगाया था। हालांकि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। फिर भी राहुल गांधी ने कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के गढ़ रहे क्षेत्रों में 6,000 से ज्यादा मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए। ये तब कहा जब अलंद में भी कांग्रेस का ही विधायक है। इस दौरान राहुल गांधी ने देश के युवा से लोकतंत्र को बचाने की अपील की। 18 सितंबर को ही राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि संस्थानों को बचाने का काम उनका नहीं है, बल्कि ये जेनजी का है। राहुल गांधी ने कहा था, सच कहूं तो मैं यहां जो कर रहा हूं वह मेरा काम नहीं है। मेरा काम लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाग लेना है। मेरा काम लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करना नहीं है। हिंदुस्तान के लोकतंत्र को बचाने का काम उनका नहीं और वे इसकी रक्षा नहीं करेंगे। उसके बाद में ये कहना कि यह काम जेनजी का है। यह साफ दिखा रहा है कि वह युवाओं को अपने ही देश, अपने ही लोकतंत्र के खिलाफ भड़काने का प्रयास कर रहें हैं। उनकी इस तरह की हरकत के पीछे उनकी क्या मंशा है? यह देश देख रहा है।राहुल गांधी के वोट-चोरी के प्रलाप पर चुनाव आयोग (ईसीआई) के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस पार्टी ने मतदाता सूची के संशोधन प्रक्रिया के दौरान कोई आपत्ति या अपील दर्ज नहीं की। उन्होंने कहा, कांग्रेस के पोलिंग एजेंट मतदान केंद्रों के अंदर क्या कर रहे थे? अगर किसी मतदाता की पहचान पर संदेह था या वह पहले ही वोट डाल चुका था, तो पोलिंग एजेंटों को तत्काल आपत्ति दर्ज करनी चाहिए थी। मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान कांग्रेस के बूथ स्तर एजेंटों (बीएलए) ने कथित तौर पर डुप्लीकेट, स्थानांतरित या मृत मतदाताओं के संबंध में कोई आपत्ति या दावा नहीं किया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पार्टी को डुप्लीकेट प्रविष्टियों की जानकारी थी, तो उसने उस चरण में कोई अपील या दावा क्यों नहीं दायर किया।

नेपाल के नौ ...

इस बीच, प्रचंड ने खुलासा किया कि एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी के पूर्व नेता भीम रावल समेत कई अन्य वाम नेताओं को भी नई पार्टी में शामिल करने की बातचीत अंतिम चरण में है। इस विलय के साथ ही माओवादी केंद्र ने अपने आधिकारिक नाम से माओवादी शब्द हटा दिया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि नई पार्टी एक विस्तृत वाम एकता मंच के रूप में खुद को पेश करना चाहती है। एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, नई नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी 5 मार्च, 2026 को होने वाले आम चुनाव में भाग लेगी।

यह गठबंधन देश में भ्रष्टाचार, वंशवाद और राजनीतिक अस्थिरता के खिलाफ उभर रहे युवा नेतृत्व वाले जेन-जेड आंदोलनों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि नेपाल की राजनीति में वामपंथी पुनर्संगठन की नई शुरुआत की जा सके।

न्यूयॉर्क को...

जोहरान ममदानी की जीत के बाद एलन मस्क का बड़ा धमाका, न्यूयॉर्क मेयर चुनाव को बताया वोटिंग घोटालों मामला पहुंचा कोर्ट

न्यूयॉर्क, 05 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में मंगलवार की रात के ग्यारह बज चुके थे। ब्रुकलिन के सड़कों पर जश्न का माहौल था। जोहरान ममदानी की जीत की खबर फैलते ही हजारों समर्थक नाच-गाने लगे। भारतीय मूल का यह युवा नेता अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क का पहला दक्षिण एशियाई मुस्लिम मेयर बन चुका था। विराट जीत के बाद ही जोहरान ममदानी ने ट्रंप को ललकारा था, लेकिन तभी एक्स (पूर्व ट्विटर) पर साझा की गई एलन मस्क के एक पोस्ट ने सबको हिला दिया। दुनिया के सबसे अमीर आदमी और एक्स के मालिक एलन मस्क ने लिखा, न्यूयॉर्क सिटी का बैलट फॉर्म एक घोटाला है!एलन मस्क की इस पोस्ट से न्यूयॉर्क ही नहीं, बल्कि पूरे अमेरिका में खलबली मच गई। मस्क ने पोस्ट में आगे लिखा, कोई आईडी जरूरी नहीं! अन्य मेयर उम्मीदवार दो बार दिखाई देते हैं! कुओमो का नाम सबसे नीचे दाएं कोने में!मस्क का यह पोस्ट वायरल हो गया, जिसे लाखों बार रीट्वीट्स किया गया और इसके बाद मीम्स व बहसें शुरू हो गईं।न्यूयॉर्क के एक छोटे से अपार्टमेंट में रहने वाली भारतीय मूल की एक महिला पत्रकार अपने लैपटॉप पर स्क्रॉल कर रही थीं। वह ममदानी की जीत पर रिपोर्टिंग कर रही थी, लेकिन मस्क का ट्वीट देखते ही वह चौंक उठी। उन्होंने जल्दी से बैलट फॉर्म की तस्वीरें खंगालीं। सचमुच, वोटिंग मशीन पर कोई आईडी चेक का विकल्प नहीं था। स्लिवा का नाम दो कॉलम में दोहराया गया था, जैसे जानबूझकर भ्रम फैलाने के लिए ऐसा किया गया हो, वहीं ट्रंप के समर्थित उम्मीदवार एंड्रयू कुओमो का नाम सूची के अंत में दाएं कोने में जैसे भूलकर रख दिया गया हो।मस्क के इस ट्वीट ने पूरे अमेरिका में आग लगा दी है। सुबह होते-होते न्यूयॉर्क टाइम्स ने हेडलाइन छाप दी: मस्क का आरोप- वोटिंग फ्रॉड या प्रोपगैंडा?... इसके बाद ममदानी के समर्थक सड़कों पर उतर आए। वे कहने लगे कि ये ट्रंप का खेल है! वे चिल्ला रहे थे। कुओमो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं हार मानता हूं, लेकिन ये अनियमितताएं जांच की मांग करती हैं।इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी मस्क का समर्थन किया। इसके बाद न्यूयॉर्क की सड़कों पर तनाव पैदा हो गया। एक बुजुर्ग वोटर ने कहा, बिना आईडी के वोट? ये लोकतंत्र का मजाक है... लेकिन एक युवा लड़की बोली, मस्क खुद एक्स पर फेक न्यूज फैलाते हैं। ये उनकी साजिश है! शाम तक कोर्ट में याचिका दाखिल हो गई। ममदानी ने संयम बरता: हमारी जीत जनादेश है, लेकिन सच्चाई सामने आएगी।

रात ढलते-ढलते एक्स पर छधउतेंशडलरा ट्रेंड कर रहा था। मस्क ने एक और पोस्ट किया: सच्चाई जीतेगी। न्यूयॉर्क की चकाचौंध वाली रातें अब और रहस्यमयी लगने लगी हैं। लोकतंत्र की दीवारें हिल रही हैं, लेकिन उम्मीद की किरण बाकी है।

नीतीश कुमार के ...

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एनडीए सरकार ने कानून-व्यवस्था सुधारी, रोजगार बढ़ाया और महिलाओं को सशक्त किया है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता हमारे साथ है और विपक्ष के झूठे वादों पर भरोसा नहीं करेगी क्योंकि सब जानते हैं कि उनके वादे केवल हवा हैं। हमने काम किया है और हम बिहार को नई अर्थव्यवस्था की दिशा में ले जा रहे हैं, जिसमें युवा और महिलाएं हमारी ताकत हैं।

जब उनसे प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी के प्रभाव को लेकर सवाल पूछा गया, तो धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह चुनाव केवल एनडीए और विपक्ष के बीच की लड़ाई है। एनडीए हमारी ताकत है, और हम एकजुट हैं। 1996 में हमने बिहार में यह गठबंधन शुरू किया था और तब से यह लगातार मजबूत हुआ है। यह सिर्फ राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक गठबंधन है।

अदालतों के पास...

ढांचा उपलब्ध कराने में सक्रिय योगदान दिया है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में न्यायपालिका को दिया गया बुनियादी ढांचा देश के सर्वोत्तम में से एक है।

जस्टिस गवई ने कहा कि कानून एक जीवंत और प्रगतिशील शाखा है, जो निरंतर विकसित हो रही है। उन्होंने कहा, आज हम जो विधिक बुनियादी ढांचा बना रहे हैं, वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के स्तर का है। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर का उद्धरण देते हुए कहा, एक वकील एक सामाजिक इंजीनियर होता है, जो सामाजिक न्याय के वादे को वास्तविकता में बदलता है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस अवसर पर कहा कि महाराष्ट्र में तीन राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय हैं और न्यायमूर्ति गवई इन संस्थानों की स्थापना और विकास में सहायक रहे हैं। फडणवीस ने विश्वास जताया कि महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय को जल्द अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता मिलेगी। उन्होंने जानकारी दी कि नवी मुंबई स्थित एजुसिटी शैक्षणिक केंद्र में दुनिया के 12 सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले विश्वविद्यालय अपने परिसर स्थापित कर रहे हैं, जिनमें से सात आने वाले दो से तीन वर्षों में शुरू हो जाएंगे।

एलओसी की...

और आईएसआई के वरिष्ठ अधिकारियों की पीओके में उच्चस्तरीय बैठकें हुई हैं। इनमें घाटी में निष्क्रिय आतंकी स्लीपर सेल्स को फिर से एक्टिव करने, पूर्व कमांडरों को हर महीने भत्ता देने और ऑपरेशन सिंदूर में हुए नुकसान का बदला लेने की योजना बनाई गई है।लश्कर ने कश्मीर घाटी में स्थानीय हमदर्दों की पहचान करके नेटवर्क खड़ा करने की कवायद शुरू कर दी है। इस नेटवर्क को भारत ने कड़ी कार्रवाई के बाद काफी हद तक निष्क्रिय कर दिया था। इसके अलावा नशे और हथियारों की तस्करी के जरिए फंडिंग के रास्ते भी फिर से सक्रिय किए जा रहे हैं। पंजाब और राजस्थान में इस साल ऐसी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है।जम्मू-कश्मीर में जहां एक तरफ स्थानीय चुनाव और पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी को सामान्य स्थिति बहाली का अहम कदम माना जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ आईएसआई की अगुआई में इस शांति को पटरी से उतारने की आतंकी साजिशें शुरू हो गई हैं। पाकिस्तान की कट्टरपंथी लॉबी अपने देश की आर्थिक बदहाली और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग पड़ने के बाद अब फिर से प्रॉक्सी वॉर को हवा देने की कोशिश कर रही है।इस खुफिया इनपुट को नई दिल्ली में शीर्ष सुरक्षा अधिकारी गंभीर चेतावनी की तरह देख रहे हैं। उत्तरी कमान के सभी सेक्टरों में सेना और खुफिया एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। साफ है कि अगर पाकिस्तान की ओर से आतंक को बढ़ावा देने की गतिविधियां जारी रहीं, तो ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा चरण भी शुरू किया जा सकता है।

यह खुफिया चेतावनी ऐसे समय आई है जब भारत गुजरात और राजस्थान की पश्चिमी सीमाओं पर तीनों सेनाओं का अब तक का सबसे बड़ा त्रिशूल युद्धाभ्यास कर रहा है। जानकारों का मानना है कि सर्दियों में आमतौर पर घुसपैठ कम हो जाती है, लेकिन इस बार पाकिस्तान की आक्रामक रणनीति घाटी में आतंक की नई शुरुआत की वजह बन सकती है।

मार्गशीर्ष मास माना गया है भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप

आज से 4 दिसंबर तक रहेगा मार्गशीर्ष मास

मार्गशीर्ष माह 6 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर 2025 को समाप्त होगा। भागवत के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने भी कहा था कि सभी माह में मार्गशीर्ष या अगहन श्रीकृष्ण का ही स्वरूप है। मार्गशीर्ष मास में श्रद्धा और भक्ति से विशेष फल की प्राप्ति होती है। हिंदू पंचांग के अनुसार चंद्रमास में नए माह का आरंभ पूर्णिमा तिथि के अनुसार होता है। हर माह पूर्णिमा तिथि के बाद अगले दिन प्रतिपदा से नए मास का आरंभ हो जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 6 नवंबर से मार्गशीर्ष मास का आरंभ होगा, जिसका समापन 4 दिसंबर 2025 को होगा। यह हिंदू वर्ष का नौंवा माह होता है। प्रत्येक चंद्रमास का नाम उसके नक्षत्र के आधार पर रखा जाता है। मार्गशीर्ष माह में मृगशिरा नक्षत्र होता है इसलिए इसे मार्गशीर्ष कहा जाता है। आम बोलचाल की भाषा में इसे अगहन मास के नाम से भी जाना जाता है। इस माह में भगवान कृष्ण की उपासना करने का विशेष महत्व माना गया है।

सनातन धर्म में साल के सभी बारह महीनों को विशेष महत्व दिया गया है। प्रत्येक माह किसी न किसी देवता को समर्पित है। हिंदू धर्म में अगहन यानी मार्गशीर्ष महीना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार इसे हिंदी का 9वां महीना माना जाता है। इस माह शंख पूजा का भी विशेष महत्व बताया गया है। यह महीना शुभ कार्य करने का भी महीना है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मार्गशीर्ष माह भगवान श्री कृष्ण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस महीने भगवान कृष्ण की पूजा करने से मनुष्य जन्म और मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है।

मार्गशीर्ष तिथि

मार्गशीर्ष माह 6 नवंबर 2025 से शुरू होकर 4 दिसंबर 2025 तक रहेगा। इसके बाद पौष माह की शुरुआत होती है।

मार्गशीर्ष माह में करें ये काम

यदि आपके कार्यों में कोई बाधा आ रही है तो आपको ओम दामोदराय नमः मंत्र का जाप करना चाहिए और अपने गुरु को प्रणाम करना चाहिए। इससे आपका काम बनेगा। इस माह में आपको शंख की पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से घर से कलह दूर होता है और शांति आती है। अपने मनोकामनाओं की पूर्ति के इस माह में प्रत्येक दिन विष्णु सहस्रनाम, भगवत गीता और गजेन्द्रमोक्ष का पाठ करें। सभी पाप भी मिट जाएंगे। मार्गशीर्ष माह में भगवान विष्णु को तुलसी का पत्र चढ़ाएं। फिर उसे प्रसाद स्वरूप ग्रहण करें। इस माह में भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए और ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। शास्त्रों में इस महीने को भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप कहा गया है। इस महीने में शंख पूजन का विशेष महत्व है। साधारण शंख को श्रीकृष्ण के पंचजन्य शंख के समान समझकर उसकी पूजा करने से सभी मनोवांछित फल प्राप्त हो जाते हैं। अगहन मास में शंख की पूजा इस मंत्र से करनी चाहिए। पुराणों के अनुसार, विधि-विधान से अगहन मास में शंख की पूजा की जानी चाहिए। जिस प्रकार सभी देवी-देवताओं की पूजा की जाती है, वैसे ही शंख का भी पूजा करें। इस मास में साधारण शंख की पूजा भी पंचजन्य शंख की पूजा के समान फल देती है जो भगवान कृष्ण का अतिप्रिय है।

भागवत में बताया गया है इस महीने का महत्व

भागवत के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने भी कहा था कि सभी माह में मार्गशीर्ष या अगहन श्रीकृष्ण का ही स्वरूप है। मार्गशीर्ष मास में श्रद्धा और भक्ति से विशेष फल की प्राप्ति होती है। इस माह में नदी स्नान और दान-पुण्य का विशेष महत्व है।

इसी माह में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया था उपदेश

मार्गशीर्ष मास भगवान श्रीकृष्ण को अत्यंत प्रिय है। भक्तवत्सल भगवान ने स्वयं अपनी वाणी से कहा है कि मार्गशीर्ष मास स्वयं मेरा ही स्वरूप है। इस पवित्र माह में तीर्थाटन और नदी स्नान से पापों का नाश होने के साथ मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। मार्गशीर्ष की शुक्ल पक्ष की एकादशी को भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में धनुर्धारी अर्जुन को गीता का उपदेश सुनाया था। इस माह में गीता का दान भी शुभ माना जाता है। गीता के एक श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण मार्गशीर्ष मास की महिमा बताते हुए कहते हैं।

बृहत्साम तथा साम्नां गायत्री छन्दसामहम्।
मासानां मार्गशीर्षोऽहमृतूनां कुसुमाकरः

इसका अर्थ है गायन करने योग्य श्रुतियों में मैं बृहत्साम, छंदों में गायत्री तथा मास में मार्गशीर्ष और ऋतुओं में बसंत हूं। शास्त्रों में मार्गशीर्ष का महत्व बताते हुए कहा गया है कि हिन्दू पंचांग के इस पवित्र मास में गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने से रोग, दोष और पीड़ाओं से मुक्ति मिलती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

गुरु वक्री कर्क राशि में, वृषभ सहित अन्य राशियों को मिलेगा भाग्य का पूरा साथ, बढ़ेगी आपकी धन संपत्ति

गुरु वक्री कर्क राशि में 11 नवंबर को हो रहे हैं। यानी गुरु अब उल्टी चाल चलेंगे। वैसे तो किसी भी ग्रह की उल्टी चाल को शुभ नहीं माना गया है लेकिन, गुरु एक शुभ ग्रह हैं ऐसे में गुरु के वक्री होने पर भी वृषभ, कन्या सहित 4 राशियों को लाभ मिलने वाला है। बता दें कि इसी साल गुरु अतिचारी होकर कर्क राशि में पहुंचे थे और कर्क राशि में पहुंच गए थे। अब 5 दिसंबर तक गुरु कर्क राशि में ही वक्री रहने वाले हैं।

वृषभ राशि संबंधों में होगी सुधार

गुरु की वक्री चाल से वृषभ राशि के लोगों के लिए सामान्य रहेगी। वृषभ राशि के लोगों को इस अवधि में सामान्य लाभ मिल सकता है। बात करें आर्थिक मामलों की तो आपको अच्छा लाभ मिल सकता है। आप अपने जीवनसाथी के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। उनके साथ आपके संबंधों में सुधार देखने को मिलेगा। हालांकि, इस अवधि में आपको अपने भाई बहनों पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। गुरु की चाल से आपको लाभ तो मिलेगा लेकिन, थोड़ी देरी हो सकती है।

कन्या राशि दोस्तों से मिलेगा साथ

गुरु की वक्री चाल से कन्या राशि के लोगों को नए दोस्त मिल सकते हैं। साथ ही आपको अपने नए दोस्तों से आपको अच्छा सहयोग मिल सकता है। करियर के मोर्चे पर देखें तो आपको इस अवधि में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। साथ ही व्यापारी वर्ग के लोगों को गुरु की कृपा से अच्छा लाभ मिल सकता है। आप जो भी प्रयास करेंगे उससे आप काफी संतुष्ट महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ संबंधों पहले से काफी अच्छी होंगी। बात करें आपके स्वास्थ्य की तो आपकी सेहत तो सामान्य रहेगी आपको कोई बड़ी स्वास्थ्य समस्या नहीं हो सकती है।

वृश्चिक राशि को मिलेगी करियर में उन्नति

गुरु की वक्री चाल से वृश्चिक राशि के लोगों को भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। साथ ही आपको करियर के मोर्चे पर उन्नति मिलने के योग हैं। आपको कार्यस्थल पर ऐसे काम सौंपे जा सकते है जो आपको अपनी क्षमता का एहसास दिलाएगा। आप अपने काम के तरीके से और मेहनत के बल पर अच्छा लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपके नेतृत्व क्षमता की तारीफ की जाएगी। बात करें आपकी आर्थिक स्थिति की तो इस दौरान आपको अच्छा धन प्राप्त हो सकता है। आप अपने पैसे समझदारी से खर्च करेंगे। आप अच्छी तरह से समझदारी के साथ निवेश करेंगे। हालांकि, इस दौरान आपको अपने पिता की

धनु राशि को मिलेगा मुनाफा

गुरु की वक्री चाल से धनु राशि के लोगों की सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार की चिंता तो रहेगी लेकिन, कोई बड़ी समस्या का सामना आपको नहीं करना पड़ेगा। इस दौरान आपको निवेश से अच्छा लाभ मिल सकता है। जिससे आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। आप इस दौरान जो भी मेहनत करेंगे उसमें आपको सफलता मिल सकती है। यह अवधि आपके लिए मिलीजुली रहने वाली है। इसलिए थोड़ा योजना बनाकर ही अपने काम करें। व्यक्तिगत मोर्चे पर बात करें तो आपको थोड़ा व्यवहारिक होने की जरूरत है।

चारधाम की यात्रा पुष्कर स्नान के बिना अधूरी, जानिए पौराणिक कथा!

हिंदू धर्म के अनुसार, देवउठनी एकादशी से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक चलने वाले पुष्कर स्नान को लेकर मान्यता है कि, इसके बिना चारधाम की यात्रा का पुण्य फल अधूरा माना जाता है। पूरे साल में इन 5 दिनों में पुष्कर स्नान का विशेष महत्व होता है।

कार्तिक पूर्णिमा के दिन इसकी महत्ता और अधिक बढ़ जाती है। इन पांच दिनों को भीष्म पंचक के नाम से भी जाना जाता है।

पुष्कर से जुड़ी पौराणिक कथा

पुष्कर से जुड़ी एक पौराणिक कथा भी है, जिसके बारे में कहा जाता है कि, एक बार ब्रह्मांड के रचयिता ब्रह्मा जी ने पृथ्वी लोक पर यज्ञ करने का निर्णय लिया। उस वक्त पृथ्वी लोक पर हर और वज्रनाभ नाम के असुर का आतंक था। वह असुर बच्चों को जन्म के बाद ही मार देता था।

उसके इस आतंक की जानकारी ब्रह्मलोक तक पहुंची। जिसके बाद ब्रह्मा जी ने उस दैत्य का अंत करने का निश्चय किया। ब्रह्मा जी ने अपने कमल पुष्प से प्रहार कर वज्रनाभ असुर का अंत कर दिया। उस पुष्प का प्रहार इतना भीषण था कि, जहां वह गिरा उस स्थान पर एक विशाल सरोवर बन गया।

हाथों से पुष्प द्वारा किए गए प्रहार से इस सरोवर का निर्माण होने के कारण इसका नाम पुष्कर सरोवर पड़ा। ब्रह्माजी के द्वारा यहां यज्ञ करने से इस सरोवर को आदि तीर्थ होने का भी दर्जा प्राप्त हो गया।

पुष्कर यात्रा का संपूर्ण फल कैसे प्राप्त करें?

ऐसी कई पौराणिक कथाएं हैं, जो तीर्थराज पुष्कर के महत्व को दर्शाती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि, भारत देश में ब्रह्माजी का एकमात्र मंदिर पुष्कर में ही है।

पुष्कर को लेकर मान्यताएं है कि, यहां किया हुआ जप-तप और पूजा पाठ अक्षय फल के बराबर होता है। विशेष रूप से कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी से लेकर पूर्णिमा के दौरान। आपको पुष्कर यात्रा का पूर्ण फल तभी प्राप्त होता है, जब आप यज्ञ पर्वत पर स्थित अगस्त्य कुंड में स्नान करते हैं।

पुष्कर मंदिर के पुजारी गुर्जर समुदाय से

राजस्थान के अजमेर शहर से 11 किलोमीटर दूर 52 घाटों और करीब 3 किलोमीटर के दायरे में फैला पुष्कर विश्व पर प्रसिद्ध है। पुष्कर सरोवर भी तीन हैं। ज्येष्ठ, मध्य और कनिष्ठ पुष्कर है। जिसमें ज्येष्ठ पुष्कर के स्वामी ब्रह्माजी, मध्य पुष्कर श्री विष्णु और कनिष्ठ पुष्कर के देवता रुद्र हैं।

पुष्कर मंदिर के पुजारी गुर्जर समुदाय से होते हैं, जिन्हें भोगा के नाम से जाना जाता है।

वेशी योग से मेष, कर्क सहित अन्य राशियों की चमकेगी किस्मत

बुध के वृश्चिक राशि में होने और बुध के द्वादश में सूर्य के होने से वेशी योग का निर्माण हो रहा है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, इसे बेहद ही शुभ योग माना जाता है। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति भाग्यशाली और गुणवान बनता है। यह योग करियर, पारिवार और सामाजिक जीवन में लाभकारी परिणाम देता है। ऐसे में मेष राशि के जातकों के रुके हुए काम पूरे होते दिख रहे हैं। कर्क राशि वालों को आजीविका के क्षेत्र में लाभ होता दिख रहा है। कन्या वालों को कानूनी मामलों में जीत मिलेगी और संतान पक्ष से भी सुखद समाचार मिलेगा। वहीं, धनु राशि वालों को ससुराल पक्ष से भी शुभ समाचार मिलता हुआ दिख रहा है। जबकि, मकर राशि के जातकों को आजीविका के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

मेष राशि : रुका काम बनने की संभावना

जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। राशि का स्वामी मंगल-नीच राशि की संगति में है। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशाजनक समाचार मिल सकता है। सायंकाल के समय कोई रुका काम बनने की संभावना है। रात्रि का समय प्रियजनों से भेंट व आमोद-प्रमोद में बीतेगा।

वृष राशि : पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी

आज का दिन संतोष और शान्ति का है। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नये अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिलेगी।

मिथुन राशि : मूल्यवान वस्तु के खोने का भय

राशि स्वामी की व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। सायं काल में कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात्रि में उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

कर्क राशि : आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी

चन्द्रमा दशम भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा।

सिंह राशि : आमदनी के नए स्रोत बनेंगे

राशि का स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गया है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। सूर्य के कारण अधिक

भागदौड़ और नेत्र विकार होने की संभावना है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

कन्या राशि : कानूनी विवाद में मिलेगी जीत

राशि स्वामी बुध भाग्य वृद्धि कर रहा हैं रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है। शुभ खर्चा व कीर्ति की वृद्धि होगी।

तुला राशि : पर्याप्त मात्रा में घन लाभ होगा

आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों का प्रभाव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

वृश्चिक राशि : डॉक्टर के पास जाना पड़ सकता है

आपकी राशि पर पंचम शनि एवं षष्ठम भाव चन्द्र योग अभी सात दिन और चलेगा। फलस्वरूप कुछ आन्तरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त, जड़ जमा रहे हैं। आज का दिन इस सबकी जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर से इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत करें। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है।

धनु राशि : ससुराल से मिलेगा शुभ समाचार

आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात्रि के समय तक किसी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर राशि : आजीविका के क्षेत्र में सफलता मिलेगी

आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगा। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें।

कुंभ राशि : स्वास्थ्य को लेकर परेशानी

आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि क्योंकि मार्गी उदय चल रहा है। अतः निर्मूल विवाद अकारण शत्रु पति, अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि और निराशा का कारक है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें और किसी भी प्रकार के झगड़े या विवाद से बचें।

मीन राशि : दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी

आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें सम्बन्ध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्च हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें। बृहस्पति का चतुर्थ योग मूल्यवान वस्तुओं को चोरी करा सकता है।

दूसरे शहर में बीवी बच्चे छोड़, अभिनेत्री संग लिव इन में रह रहा था टीवी का पॉपुलर अभिनेता

डिटेक्टिव तान्या पुरी का सनसनीखेज दावा

प्राइवेट डिटेक्टिव तान्या पुरी ने बताया कि टीवी का पॉपुलर एक्टर अपनी बीवी को धोखा दे रहा था। उन्होंने दूसरे शहर में पहले से शादी की हुई थी और उनका बच्चा भी था, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से एक्टर के कंधों पर थी।वो बार-बार अपनी पहली बीवी और बच्चों के पास मिलने जाया करते थे।

सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में तान्या पुरी ने कहा,'टीवी एक्टर्स थे, हिंदी इंडस्ट्री से।उनके साथ ऐसा था कि एक्टर और एक्ट्रेस दोनों ने शादी की थी। लेकिन, एक्ट्रेस को लग रहा था कि उनके पार्टनर का अफेयर है किसी और के साथ।हालांकि, जब इन्वेस्टिगेट किया तो पता चला कि वो पहले से शादीशुदा थे, उनका बच्चा भी था। उनकी पहली फैमिली दूसरे शहर में रहा करती थी।'

एक्ट्रेस को पहली शादी के बारे में नहीं था पता

तान्या ने कहा,'हमने बिल्कुल भी ऐसा नहीं सोचा था। क्योंकि, वो पॉपुलर एक्टर थे अभी नहीं 90 के दशक के दौरान।उन्होंने बहुत पॉपुलर सीरियल में भी काम किया था। वाइफ को बिल्कुल भी इसके बारे में पता नहीं था।उन्हें बस लगता था कि ये मुझसे दूर होता जा रहा है, लेकिन शादी के इतने साल बाद ऐसा क्यों हो रहा है।'

एक्ट्रेस से पैसे लेकर पहली वाइफ को देते थे

तान्या ने आगे बताया,'दूसरे सिटी में एक्टर की जो फैमिली थी, जिनके पास वो रेगुलरली जाते थे, जिनको फंड करते थे। आपको बता दें कि वो अपनी करंट वाइफ से पैसे लेकर ही उन्हें फंड किया करते थे।'

दूसरी शादी नहीं थी रजिस्टर्ड

तान्या ने कहा,'एक्टर ने अपनी पहली पत्नी से तलाक नहीं लिया था और उन्होंने अपनी दूसरी शादी रजिस्टर्ड नहीं करवाई थी। क्योंकि, पहले के टाइम में लोग इन सब पर ध्यान नहीं देते थे। बस साथ रहना शुरू कर देते थे।देखा जाए तो टेक्निकली जो दूसरी थीं वो उनकी वाइफ नहीं थीं। लेकिन, दोनों ने मंदिर में जाकर प्रॉमिस किया था साथ रहेंगे,हमें शादी की क्या जरूरत है।'

पति-पत्नी की तरह रहते थे साथ

तान्या के अनुसार ये सब बहुत ही पब्लिकली एक दौर में न्यूजपेपर में भी छपा था कि हम शादी के कॉन्सेप्ट में विश्वास नहीं रखते। पार्टनरशिप अच्छी होनी चाहिए।हालांकि, दोनों एक-दूसरे के साथ काफी लंबे वक्त से थे।दोनों पति-पत्नी की तरह साथ रहा करते थे। लेकिन, एक्टर की वाइफ और बच्चा दूसरे सिटी में थे।

छोटे शहर से थी पहली पत्नी

तान्या ने कहा,'पहली पत्नी और बच्चे को एक्टर के बारे में सबकुछ पता था।लेकिन, उनकी पत्नी उन्हें कभी कुछ नहीं बोलती थी, क्योंकि वो बहुत ही हंबल थीं, जो एक स्कूल में पढ़ाती थीं। बहुत छोटे से शहर से थीं, वहां तो लोगों को पता भी नहीं था कि ये टीवी एक्टर है।'

एक्टर ने छुपाई थी पहचान

आप मानेंगे नहीं कि दूसरी सिटी में उनका नाम भी अलग था। तान्या ने आगे बताया कि वो एक्टर मुंबई में जिस नाम से जाना जाता था, दूसरी सिटी में उसने कुछ और नाम बता रखा था।जिससे लोग उसे पहचान ना पाएं, बहुत ही छोटी सीटी थी।

सैलून के बाहर स्पॉट हुईं महिमा चौधरी की बेटी खूबसूरती पर फिदा हुए फैंस

अभिनेत्री महिमा चौधरी की बेटी एरियाना चौधरी सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। एरियाना को अक्सर स्पॉट किया जाता है। वो अपनी मां के साथ नजर आती हैं। एरियाना की खूबसूरती के फैंस दीवाने हैं। उन्हें बार्बी डॉल कहा जाता है। इसके अलावा उन्हें अमेरिकन एक्टर सेलेना गोमेज से भी कंपेयर किया जाता है।

बेटी के साथ स्पॉट हुईं महिमा चौधरी

हाल ही में महिमा चौधरी और एरियाना को साथ में सैलून के बाहर स्पॉट किया गया। महिमा को इस दौरान ग्रे कलर के आउटफिट में देखा गया। उन्होंने काला चश्मा लगाया था। साथ ही लाइट मेकअप किया हुआ था। उन्होंने गले में चेन-पेंडेंट भी पहना था। साथ ही डेनिम जींस पहनी थी।

वहीं एरियाना की बात करें तो उन्होंने बैगी जींस और शर्ट पहनी हुई थी। इस लुक को उन्होंने काजल औक मिनिमल मेकअप के साथ कैरी किया। उन्होंने भी गले में चेन पहनी थी। एरियाना बहुत क्यूट लग रही थीं। महिमा और एरियाना ने साथ में कई पोज दिए।

सोशल मीडिया पर महिमा और एरियाना की ये वीडियो वायरल है। फैंस एरियाना को बार्बी डॉल बोल रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- बहुत क्यूट है। एक ने लिखा-नैचुरल ब्यूटी है। कुछ लोगों का कहना है कि वो बिल्कुल अपनी मां की तरह दिखती हैं।

महिमा चौधरी के काम की बात करें तो उन्होंने 2024 में कमबैक किया था। उन्हें अनुपम खेर की द सिग्नेचर में देखा गयाथा। इसके बाद वो कंगना रनौत की इमरजेंसी में भी दिखीं। वहीं वो इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की फिल्म नादानियां में भी देखा गया। इस फिल्म में वो नीलू जयसिंह के रोल में थीं। अब वो दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी में नजर आएंगी। हाल ही में वो फिल्म का प्रमोशन करती दिखी थीं। उन्हें दुल्हन के जोड़े में देखा गया था। फिल्म में वो संजय मिश्रा के अपोजिट रोल में हैं।

अभिनेत्री पूजा हेगड़े एक विज्ञापन के लिए चार्ज करती हैं 40 लाख, 45 करोड़ के आलीशान बंगले की हैं मालकिन

हम आज जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं वो सिर्फ अपनी खूबसूरती ही नहीं बल्कि टैलेंट के दम पर भी लोगों के दिलों पर राज करती हैं। ये हसीना साउथ से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री तक अपना जलवा बिखेर चुकी है।

ये कोई और नहीं बल्कि पूजा हेगड़े हैं।एक्ट्रेस अपनी शानदार एक्टिंग और धमाकेदार डांस मूव्स के साथ-साथ अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। पूजा हेगड़े ने 2010 में मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया था। उसके बाद उन्होंने तमिल, तेलुगू और हिंदी सिनेमा में कदम रखा। चलिए जानते हैं एक्ट्रेस की कमाई और संपत्ति कितनी है। रिपोर्ट के अनुसार पूजा हेगड़े महीने में करीब 50 लाख रुपये की कमाई कर लेती हैं। इतना ही नहीं वो ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 40 लाख रुपये चार्ज करती हैं। पूजा हेगड़े के इंस्टाग्राम पर 27 मिलियन फॉलोअर्स हैं। फिल्मों के लिए एक्ट्रेस 4 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार एक्ट्रेस की नेटवर्थ 50 करोड़ रुपये है। मुंबई के 4,000 स्क्वायर फीट के सी-फेसिंग बंगले में पूजा रहती हैं, जिसकी कीमत 45 करोड़ रुपये बताई जाती है। इसके अलावा बांद्रा में 6 करोड़ का 3 बीएचके अपार्टमेंट और हैदराबाद में 4 करोड़ रुपये का घर है। पूजा हेगड़े के पास लग्जरी कारों का कलेक्शन है। 4 करोड़ की रेंज रोवर, 2 करोड़ की पोर्श केन, 80 लाख की ऑडी टी7, 60 लाख की जैगुआर। एक्ट्रेस के पास लुई वुइटन का 1.91 लाख और क्रिश्चियन डायर का 1.13 लाख का बैग है जो उनके स्टाइलिश लुक में और चार चांद लगा देता है।

44 की उम्र में भी नहीं घटा सनी लियोनी का ग्लैमर

सोशल मीडिया पर अक्सर ही सनी लियोनी अपने हुस्न के जलवे बिखेरती रहती हैं। अपने अलग-अलग अवतार से वो यूजर्स को इंप्रेस करती रहती हैं। अब सनी लियोनी की वायरल वेकेशन फोटोज लाइमलाइट में हैं।

सनी लियोनी भले अब पर्दे पर कम ही नजर आती हैं लेकिन सोशल मीडिया पर वो हमेशा ही अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर छाई रहती हैं। अब एक बार फिर उन्होंने अपने हुस्न का जलवा बिखेरते हुए सबकी निगाहें अपनी ओर खींच ली हैं। दरअसल हसीना ने आज अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन पिक्चर्स में एक्ट्रेस को मालदीव में वेकेशन एंजॉय करते देखा जा सकता है। अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में सनी लियोनी वाकई काफी खूबसूरत लग रही हैं। पिंक कलर के स्विमसूट में उनकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। एक्ट्रेस का सिजलिंग अवतार यूजर्स को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर हसीना की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस भी जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स की बरसात कर रहे हैं। अपने इस कलरफुल स्विमसूट में सनी लियोनी ने अलग-अलग पोज देते हुए कई तस्वीरें शेयर की हैं। समंदर किनारे अभिनेत्री ने अपनी दिलकश अदाओं से नेटीजेंस को अपना मुरीद बना लिया है। इस वेकेशन

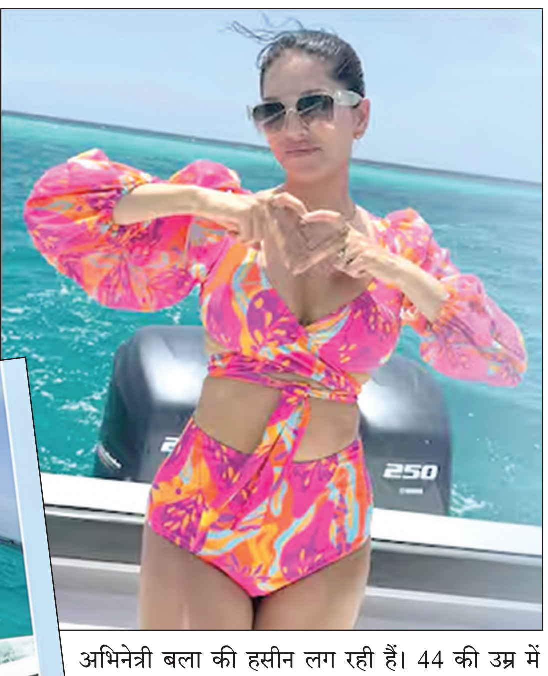

लुक को हसीना ने पिंक स्विमसूट और सनग्लासेज के साथ कंप्लीट किया है। स्लिक बन हेयरस्टाइल और स्टेटमेंट पेंडेंट में सनी लियोनी बेहद ग्लैमरस नजर आ रही हैं। नो मेकअप लुक में भी अभिनेत्री बला की हसीन लग रही हैं। 44 की उम्र में एक्ट्रेस का ये नया अवतार फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। सभी उनके लुक और परफेक्ट फिगर की बहुत तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनके इस कातिलाना अंदाज की खूब चर्चा हो रही है। पोस्ट शेयर करने के कुछ ही घंटों में इन पिक्चर्स पर धमाकेदार लाइक्स आ चुके हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी लियोनी को आजकल कम ही फिल्मों में देखा जाता है। आखरी बार एक्ट्रेस को 'बैडएस रवि कुमार' में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने कैमियो रोल से सबका दिल जीता। इसके अलावा हसीना को 'त्रिमुखा' में शिवानी राठौड़ के रोल में देखा गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक़्क़तें हो सकती हैं। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। परिवार के साथ आज शॉपिंग पर जाना संभव हैं, परन्तु थकान का अनुभव भी हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस-पास के लोगों को दु:खी कर सकती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शकी स्वभाव के चलते आपको हार का मुँह देखना पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। शाम को रसोई के लिए ज़रूरी चीज़ों की ख़रीदारी आप-को व्यस्त रखेगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। आपकी ऊर्जा आज बेवजह के कामों में जाया हो सकती है। जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। अपने काम के प्रति आज आपका फोकस गजब का होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। हँसी-मजाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत में टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देख सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। रोमांस आपके दिल-दिमाग़ पर छाया रहेगा, क्योंकि आज आपकी मुलाक़ात अपने प्रिय से होगी। हवन/पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। इसका अनुभव कीजिए। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ। आप कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज खेल-कूद में हिस्सा लें । यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। किसी पार्क में बैठकर आज आपको सुकून मिले-गा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। ख़ास तौर पर माइग्रेन के मरीज़ों को समय पर खाना नहीं छोड़ना चाहिए, नहीं तो उन्हें व्यर्थ में भावनात्मक तनाव से गुज़रना पड़ सकता है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन-साथी का सहयोग मिलेगा। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका कोई दोस्त आज आपकी जमकर तारीफ कर सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार के ख़यालों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें, बल्कि इसे सही दिशा में लगाएँ। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें साथ ही आज आप मस्तीभरे सफ़र पर भी जा सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव के बाद एक-दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है। आज आप फ़ोटोग्राफ़ी करके आने वाले कल के लिए कुछ बेहतरीन यादें संजो सकते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 नवंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 02:56 तक
नक्षत्र : भरणी प्रात: 06:34 तक
योग : व्यतिपात प्रात: 07:04 तक
करण : कौलव दोपहर 02:56 तक
चन्द्रराशि : मेष प्रात: 11:47 तक
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विशाखा में रवि दोपहर 02:52 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लु महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल सरकार का बड़ा फैसला

300 से ज्यादा सरकारी स्कूल होंगे बंद

जयपुर, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार का बड़ा फैसला , सरकार ने तीन सौ से ज्यादा सरकारी स्कूलों को बंद किए जाने का फैसला किया। इन स्कूलों को पड़ोस के दूसरे स्कूलों में मर्जर किया जाएगा। राज्य के शिक्षा विभाग ने 312 सरकारी स्कूलों को बंद किए जाने का फैसला किया है। मर्जर वाले इन स्कूलों में बच्चों की संख्या 25 या उससे कम है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के मुताबिक इनमें प्राइमरी यानी पहली से आठवीं और सेकेंडरी यानी पहली से 12वीं दोनों ही तरह के स्कूल हैं। शिक्षा मंत्री ने यह माना है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने या बरकरार रखने की सारी कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं। उनके मुताबिक यहां पढ़ने वाले बच्चों को पड़ोस के दूसरे स्कूलों में शिफ्ट किया जाएगा।

बता दें इस फैसले के बाद टीचर्स और दूसरे स्टाफ को भी दूसरी जगह पर भेजा जाएगा। इनमें कई ऐसे स्कूल भी हैं, जहां एक भी बच्चा पढ़ाई नहीं कर रहा है। इन स्कूलों की बिल्डिंग को जिला कलेक्टरों को सरकारी उपयोग के

लिए दे दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने माना है कि प्राइवेट स्कूलों में बच्चे बढ़ रहे हैं, जबकि सरकारी स्कूलों में संख्या तेजी से घट रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के 2 साल तक प्रयास किए जाने के बाद अब इन्हें बंद किए जाने और इनका मर्जर किए जाने का फैसला किया गया है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सीधे तौर पर नाम लिए बिना स्कूलों को बंद किए जाने के फैसले के पीछे कांग्रेस की पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि पहले के समय में तमाम स्कूल मानकों को पूरा किए बिना ही खोल दिए गए थे। जहां ज्यादा आबादी नहीं है, वहां भी सरकारी स्कूल खोले गए थे। उन्होंने बताया कि सेशन खत्म होते ही इन 312 स्कूलों का मर्जर कर दिया जाएगा। राजस्थान में इस बार शिक्षा विभाग का नया सेशन 1 अप्रैल से ही शुरू हो जाएगा। सरकार ने इससे पहले भी कम संख्या में अलग-अलग चरणों में स्कूलों का मर्जर किया है। राजधानी जयपुर के शहरी इलाके में भी स्कूलों को बंद कर उनका मर्जर किया गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राजधानी जयपुर के चर्चित नीरजा मोदी स्कूल में 10 साल की छात्रा अमायरा की मौत के मामले में कहा है कि शिक्षा विभाग की टीम जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। उनके मुताबिक स्कूल में लगातार छुट्टी होने की वजह से जांच प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा स्कूल खुलने पर दो कार्य दिवसों में जांच पूरी हो जाने की उम्मीद है। जांच रिपोर्ट के आधार पर उचित कदम उठाए जाएंगे। स्कूल मर्जर के इस फैसले पर सियासी कोहराम मचना तय है। कांग्रेस पार्टी पहले से ही स्कूलों के मर्जर को लेकर आवाज उठा रही है।

अब शराब पीकर वाहन चलाने पर रद्द होगा लाइसेंस

राजस्थान सरकार का बड़ा आदेश

जयपुर, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में यातायात एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने परिवहन, पुलिस और सार्वजनिक निर्माण विभाग को संयुक्त रूप से प्रदेशभर में आगामी 15 दिन तक सड़क सुरक्षा अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करवाने के साथ ही दुर्घटनाओं में जनहानि को रोकने के लिए सभी संबंधित विभाग मिलकर कार्य करें।

श्री शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने जिला सड़क सुरक्षा समिति की नियमित बैठक नहीं लेने वाले जिला कलक्टर्स से जवाब लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारी वाहन लाइसेंस नवीनीकरण के समय प्रस्तुत की जाने वाली आंखों की जांच रिपोर्ट गलत पाए जाने पर उसे जारी करने वाली संबंधित डॉक्टर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने परिवहन और पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि शराब पीकर वाहन चलाने और ओवरस्पीड के बार-बार चालान होने पर वाहन चालक का लाइसेंस निरस्त किया जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत प्रदेश में चिन्हित ब्लैक स्पॉटों को शीघ्र ठीक करवाने एवं राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों पर अवैध कट को शीघ्र बंद करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जयपुर-कोटा, जयपुर-दिल्ली, जयपुर-अजमेर व जयपुर-भरतपुर हाईवे पर वाहन चालकों के लिए नवीन आरामस्थलों के लिए जमीन चिन्हित कर बनवाने के निर्देश दिए। एनएचएआई के अधिकारियों को राजस्थान में भारतमाला राष्ट्रीय राजमार्ग और दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर के किनारे समस्त अवैध निर्माणों को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि दुर्घटना की स्थिति में घायलों को एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल तक पहुंचाया जाए। उन्होंने ट्रक चालकों की आंखों की जांच कराने, ओवरटाइम ड्राइविंग के लिए ट्रांसपोर्ट कंपनियों की जिम्मेदारी तय करने और सर्दियों में कोहरे के कारण आवश्यक स्थानों पर रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश दिए।

दोस्त से उधार लेकर सब्जी वाले ने जीते 11 करोड़ रुपए!

जयपुर, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

कहते हैं पल भर में दुनिया बदल सकती है और ऐसा हुआ भी जब दोस्त से उधारी के पैसे लेकर अमित ने लॉटरी ख़रीदी और लॉटरी में 11 करोड़ रुपया जीत लिए। सुनने में आपको आश्चर्य हो रहा होगा अमित को भी इस बात पर यकीन नहीं हुआ जब उसके दोस्त मुकेश ने उसे बताया कि वो 11 करोड़ रुपये की लॉटरी जीत चुका है।

जब ये बात गांव में फैली तो किसी ने यक़ीन नहीं किया कि सब्ज़ी वाला अमित जो कल तक गली मोहल्ले में आलू प्याज़ बेचता था वो आज करोड़पति बन गया। ये लॉटरी पंजाब सरकार की ओर से निकाली जाती है। दीवाली पर ये लॉटरी निकाली गई थी जिसमें अमित ने दो लॉटरी ख़रीदी थी। राजस्थान के जयपुर के कोटपूतली का रहने वाला अमित सब्ज़ी बेचने का काम करता है। उसका जीवन भी उतना ही संघर्ष भरा और साधारण था जितना एक सब्ज़ी बेचने वाले का होता है। लेकिन फिर वह अपने दोस्त मुकेश के साथ पंजाब जाता है और यह सचिन की पहली पंजाब यात्रा होती है।

इसी बीच रास्ते में सचिन और मुकेश चाय पीने के लिए एक होटल पर रुकते हैं। अमित ने बताया कि उसे नहीं पता था कि बठिंडा कहां है और अमृतसर कहां। जब चाय पीने रुके तो वहां सब कुछ पंजाबी में लिखा था और उसे कुछ समझ नहीं आया।

इसी दौरान मुकेश ने उसे रतन लॉटरी एजेंसी के बारे में बताया। वहां उसने दो लॉटरी ख़रीदी। लॉटरी ख़रीदने के पैसे नहीं थे, इसलिए मुकेश ने उसे पैसे उधार दिए और फिर उसकी क़िस्मत बदल गई।

राजस्थान के चिकित्सा विभाग ने भर्तियों में रचा कीर्तिमान

रिकॉर्ड समय में 35 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की

जयपुर, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में रिक्त पदों पर भर्ती के कार्य को प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जा रहा है। चिकित्सा विभाग ने राज्य सरकार की इस प्राथमिकता को मिशन मोड में लेते हुए अल्प समय में ही सर्वाधिक भर्तियां करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग ने अब तक 35 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करते हुए 28 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्तियां प्रदान कर दी हैं। उल्लेखनीय है कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक करीब 91 हजार पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं और करीब 1 लाख 50 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल प्रारंभ होने से पूर्व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में बड़ी संख्या में पद रिक्त थे। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की सुगम पहुंच प्रभावित हो रही थी। शहरों में भी बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कार्मिकों के पद रिक्त थे, वहीं गांवों एवं कस्बों में तो स्थिति इससे भी अधिक विकट थी। ऐसे में मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने समयबद्ध रूप से भर्तियां करने के निर्देश प्रदान किए। इन निर्देशों के बाद चिकित्सा विभाग ने मिशन मोड में भर्तियां कर मिसाल कायम की है। विभाग ने करीब 50 हजार पदों पर भर्तियां करने का लक्ष्य निर्धारित किया था और इस दिशा में सार्थक पहल करते हुए अब तक 35 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती का कार्य पूरा कर लिया गया है। करीब 15 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है, जो भी शीघ्र पूरी होगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि विभाग ने अराजपत्रित संवर्ग में 20 हजार 630 पद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 10 हजार 657 पद, मेडिकल ऑफिसर के 1700 पद तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग 2300 से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की गई है।

चिकित्सा मंत्री ने ट्रोमा सेंटर पहुंचकर घायलों की कुशलक्षेम पूछी, परिजनों से मिले

जयपुर, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर बुधवार शाम को सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर पहुंचकर सीकर रोड पर हरमाड़ा क्षेत्र में हुए सड़क हादसे के घायलों से मिले और उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने घायलों के परिजनों से बात की और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया। खींवसर ने चिकित्सा विशेषज्ञों से घायलों की स्थिति के बारे में पूरी जानकारी ली और बेहतर उपचार के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क हादसे में घायल हुए सभी लोगों के उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे। राज्य सरकार हादसे के मृतकों एवं घायलों के परिवारों के साथ खड़ी है। उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

वोट चोरी के जरिए हरियाणा में की गई सरकार की चोरी : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हरियाणा में वोट चोरी के खुलासे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सह प्रभारी जितेंद्र बघेल और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए चुनाव आयोग से जवाब मांगा। हुड्डा ने कहा कि आयोग को हमारे नेता राहुल गांधी के सवालों का जवाब देना चाहिए। क्योंकि उन्होंने सबूतों के साथ वोट चोरी का भंडाफोड़ किया है। उन्होंने जो गंभीर आरोप लगाए हैं, इससे आयोग की निष्पक्षता पर सवालिया निशान लगना लाजमी है। यह सिर्फ हरियाणा का नहीं, बल्कि पूरे देश और हमारे लोकतंत्र का सवाल है। चुनाव आयोग को अपना काम निष्पक्षता से करना चाहिए, जो वो नहीं कर रहा। हमने बार-बार कहा है कि इलेक्शन बैलेट पेपर से करवाए जाने चाहिए। इसबार भी बैलेट पेपर की काउंटिंग में कांग्रेस 73 सीटों पर लीड कर रही थी। लेकिन ईवीएम की गिनती में पिछड़ गई। जबकि पिछले 5 चुनावों के नतीजे बताते हैं कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के लोगों की आवाज दबाई गयी और वोट चोरी के जरिये हरियाणा में सरकार चोरी की गयी। चुनाव आयोग ने पोलिंग वाले दिन 61।19 प्रतिशत पोलिंग बतायी। फिर 6 तारीख को कहा 65।65 प्रतिशत वोटिंग दिखाई। 7 अक्टूबर को बताया कि 67।9 प्रतिशत वोट पड़ी। रातों-रात वोट कैसे बढ़ गयी? हर विधानसभा में औसत 15175 वोट बढ़ाकर दिखाई गईं।

प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के खुलासे से ये साबित हो गया है कि हरियाणा में 25 लाख वोटों की हेराफेरी की गयी यानी हर 8 में से 1 वोट फर्जी वोट था। जनादेश चुरा लिया गया है।

ये लड़ाई केवल कांग्रेस की नहीं बल्कि लोकतंत्र की और देश के संविधान की है। पोस्टल बैलट में कांग्रेस आगे थी, लेकिन मशीन खुलते ही भाजपा आगे हो गयी। हार और जीत में सिर्फ 22779 वोटों का अंतर था। जबकि लोकसभा चुनाव के बाद साढ़े तीन लाख वोट हटा दिये गये थे। भाजपा ने जनादेश का अपमान किया है। कांग्रेस पार्टी इस सरकार चोरी के खिलाफ हर जिले में जोरदार प्रदर्शन करेगी। आपको बता दें कि राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके हरियाणा में वोटों की धांधली करके सरकार चोरी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वोट चोरी से हरियाणा में कांग्रेस की सरकार चोरी की गई है और इसका ब्लैक एंड व्हाइट सबूत आपके सामने हैं। हरियाणा में करीब 25 लाख फर्जी वोट बनाए गए। इस हद तक धांधली हुई कि ब्राज़ील की एक मॉडल हरियाणा की वोटर लिस्ट में 10 बूथों पर 22 वोट - अलग-अलग नाम से बनाए गए। एक ही फोटो के साथ 223 वोट एक बूथ में पाए गए। एक ही घर में 501 वोटर रजिस्टर किए गए। पूरे राज्य में 1,24,177 फ़र्ज़ी तस्वीरों वाले वोटर मिले हैं। हज़ारों लोग ऐसे हैं जिनके वोट हरियाणा और उत्तर प्रदेश दोनों जगह हैं, इनमें कई इगझ नेता और कार्यकर्ता भी शामिल हैं। दो मंज़िला पुराने मकान को भी मकान संख्या 0 दिखा दिया गया।

शहीदी दिवस को समर्पित यात्रा का

अम्बाला छावनी में 18 को जगह जगह होगा स्वागत : अनिल विज

चंडीगढ़, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि हिंद की चादर श्री गुरू तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को श्रद्धाभाव से मनाया जाएगा। शहीदी दिवस को समर्पित शहीदी यात्रा का आयोजन किया जा रहा है जोकि 18 नवम्बर को अम्बाला छावनी में आएगी। यात्रा के माध्यम से सर्वसमाज को गुरू तेग बहादुर जी के अदम्य साहस, उनके बलिदान बारे जानकारी दी जाएगी। विज आज अंबाला में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में यात्रा को लेकर 21 सदस्यीय गठित कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने बताया कि 18 नवम्बर को शहीदी यात्रा पंजोखरा साहिब से गांव कलरहेड़ी होते हुए बोह, बब्याल होते हुए टांगरी पार इंडियन रोलर रेस्टोरेंट पहुंचेगी। इसके बाद जगाधरी रोड से होते हुए सुभाष पार्क, चौड़ा बाजार, कबाड़ी बाजार, निशात सिनेमा रोड, राय मार्केट होते हुए यात्रा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पर पहुंचेगी जहां से यात्रा आगे अम्बाला शहर मंजी साहिब गुरुद्वारा साहिब की ओर रवाना होगी।

यात्रा का स्वागत अम्बाला छावनी में श्रद्धापूर्वक किया जाएगा। उन्होंने सर्वसमाज से आह्वान किया कि शहीदी दिवस को समर्पित यात्रा का सभी संस्थाओं द्वारा किया जाए। यात्रा के स्वागत को लेकर बाजारों को सजाया जाएगा व पुष्पवर्षा की जाएगी। बैठक में यात्रा के स्वागत के लिए विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के अलावा राजनीति दलों से भी यात्रा का स्वागत करने का आह्वान किया गया। बैठक में हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के पूर्व सीनियर उपप्रधान सुदर्शन सिंह सहगल, पूर्व सदस्य बीएस बिंद्रा, हरप्रीत सिंह बब्बर, बलविंद्र सिंह शाहपुर, तरविंद्र सिंह सोनू, मनप्रीत सिंह, जसवंत सिंह भाटिया, हरविंद्र सिंह, जतिंद्र सिंह, केपी सिंह, राजू के अलावा अन्य सदस्य मौजूद रहे।

राहुल गांधी के आरोपों के बीच हरियाणा मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने साझा किए महत्वपूर्ण तथ्य

चंडीगढ़, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके हरियाणा विधानसभा चुनाव, 2024 में वोट चोरी के आरोप लगाए। इसी बीच हरियाणा मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने चुनाव से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में बताया। हरियाणा मुख्य निर्वाचन अधिकारी के आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट कर चुनाव के महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में बताया गया। पोस्ट में लिखा, मसौदा मतदाता सूचियां 2 अगस्त, 2024 को प्रकाशित और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की गईं। एसएसआर (स्पेशल समरी रीविजन) के दौरान 4,16,408 दावें और आपत्तियां प्राप्त हुईं। 20,629 कुल बीएलओ की संख्या थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया, अंतिम मतदाता सूचियां 27।8।2024 को प्रकाशित और सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की गईं। जिलाधिकारियों के पास ईआरओ के विरुद्ध शून्य दायर अपील रही। जिलाधिकारियों के आदेशों के विरुद्ध मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास दायर दूसरी अपीलों की संख्या भी

शून्य रही। नाम वापसी की अंतिम तिथि तक मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दे दिया गया और 16 सितंबर, 2024 को चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के साथ साझा की गईं।

हरियाणा सीईओ ने बताया, हरियाणा में मतदान केंद्रों की कुल संख्या 20,632 थी। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या 1,031 थी। सभी चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एजेंटों की कुल संख्या 86,790 थी। मतदान के अगले दिन जांच के दौरान उम्मीदवारों द्वारा शून्य आपत्ति दर्ज कराई गई। मतगणना के लिए सभी उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतगणना एजेंटों की संख्या 10,180 थी। मतगणना के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा पांच शिकायतें/आपत्तियां प्राप्त हुईं। 8 अक्टूबर को रिजल्ट घोषित किए गए। चुनावों को चुनौती देने के लिए 23 चुनाव याचिका दायर की गई। बता दें कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके हरियाणा चुनाव के नतीजों पर कथित तौर पर गड़बड़ी करने का आरोप दोहराया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तर पर हो रही है। हरियाणा में कांग्रेस की जीत को हार में बदला गया।

गन्ना किसानों का संघर्ष तेज, राजमार्ग जाम, विजयेंद्र ने रात भर दिया धरना

पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गन्ने के उचित मूल्य और बकाया राशि की मांग को लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन सातवें दिन में प्रवेश कर गया है और सरकार की मध्यस्थता की कोशिशें नाकाम रही हैं। किसानों का धैर्य जवाब दे गया है और उन्होंने बेलगावी में सुवर्ण सौधा के पास पुणे और बेंगलूरु को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 4 को जाम कर दिया है। दूसरी ओर, कर्नाटक रक्षण वेदिके के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने टायरों में आग लगाकर अपना गुस्सा जाहिर किया। एहतियात के तौर पर पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। बेलगावी, चिक्कोडी, हुक्केरी और अन्य जगहों पर विरोध प्रदर्शन ने गंभीर रूप ले लिया है और किसानों ने कसम खाई है कि जब तक सरकार गन्ने का मूल्य तय नहीं करती, वे अपना विरोध प्रदर्शन नहीं छोड़ेंगे। बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल सरकार की ओर से धरना स्थल पर आए और किसानों को

समझाने की कोशिश की। उन्होंने कहा सरकार आपके साथ है। हम गुरुवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में उचित निर्णय लेंगे। उन्होंने किसानों से धरना वापस लेने की अपील की। लेकिन किसान नहीं माने और कहा उन्हें मौके पर ही कीमत की घोषणा करनी चाहिए। तब तक वे किसी भी कारण से यहां से नहीं हटेंगे। दूसरी ओर, किसानों ने राजमार्गों को जाम कर दिया और अर्धनग्न होकर जुलूस निकाला और केंद्र व राज्य सरकारों के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने नकली शवयात्रा निकाली और कहा कि मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि जमीन पर लेटे हुए हैं और उन्हें ढूँढने को कहा। हम सड़कों पर इसलिए उतरे हैं क्योंकि केंद्र और राज्य सरकारें गन्ने का मूल्य तय नहीं कर रही हैं। उन्हें तुरंत 3,500 प्रति टन गन्ने का मूल्य तय करना चाहिए और पिछले दो वर्षों का बकाया भुगतान करना चाहिए। दूसरी ओर, खाद्यान्न मजदूरों ने भी पंजाब जैसा संघर्ष शुरू कर दिया है और 7 नवंबर को राष्ट्रीय राजमार्ग बंद का आह्वान किया है। कई जिलों में राजमार्गों के जाम होने के कारण, किसानों का आंदोलन अब राज्य में हाल के दिनों में हुए सबसे बड़े कृषि संघर्षों में से एक बन गया है, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। किसानों के आंदोलन का समर्थन करने वाले भाजपा नेता कड़ाके की ठंड में पूरी रात किसानों के साथ सोए हैं। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के राजनेता और किसान नेता गन्ना किसानों के संघर्ष स्थल का दौरा कर रहे हैं। देशव्यापी किसान आंदोलन के नेता राजू शेट्टी के आगमन ने ध्यान आकर्षित किया है। लेकिन राज्य में सत्तारूढ़ दल के नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस बीच, चीनी मिल मालिकों की चुप्पी चर्चा का विषय बनी हुई है। यह संघर्ष गुरलापुर क्रॉस राष्ट्रीय राजमार्ग पर हो रहा है और किसान अपने घर छोड़कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रह रहे हैं और सड़क पर सो रहे हैं। सब कुछ सड़क पर ही हो रहा है। किसानों के लिए भारी मात्रा में भोजन तैयार किया जा रहा है। पड़ोसी गांव वालों ने किसानों को रोजाना अनाज दिया है। कन्नड़ संगठनों के समर्थन से, किसानों ने अथानी में बंद का आह्वान किया है, जो चिक्कोडी, गुरलापुरा, जंबोती और गोकक तक फैल गया है, जिससे सामान्य जनजीवन ठप हो गया है। दुकानें और व्यवसाय स्वेच्छा से बंद हैं, वहीं किसानों ने गोकक-अथानी मार्ग और दारूर-हलयाल पुल सहित कई जगहों पर प्रमुख राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। सरकार गन्ने का 3,500 रुपये प्रति टन समर्थन मूल्य घोषित करे और बकाया राशि का अविलंब भुगतान करे। हम सरकार को शाम तक का समय दे रहे हैं।

पूरे राज्य में एक जोरदार आंदोलन शुरू करेंगे

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं देती है, तो हम पूरे राज्य में एक जोरदार आंदोलन शुरू करेंगे। केंद्र और राज्य सरकारें प्रत्येक टन गन्ने पर 5,000 रुपये कर वसूलेंगी। राज्य और केंद्र सरकारें, प्रत्येक को किसानों को 1,000 रुपये कर के रूप में देना चाहिए। चीनी मिलों को 3,500 रुपये मिलेंगे, जबकि केंद्र और राज्य सरकारों को 2,000 रुपये मिलेंगे। इसीलिए एक और मांग गन्ने का मूल्य 5500 रुपये प्रति टन करने की है। दस साल पहले चीनी 27 रुपये प्रति किलो थी, तब भी किसानों को केवल 3,000 रुपये मिलते थे। अब 50 रुपये पहुंच जाने के बावजूद, किसानों के हिस्से में कोई बदलाव नहीं आया है। किसानों के अनुसार, मिल मालिक हमसे 100 रुपये लेते हैं। उसमें से उन्हें 40 रुपये अपने पास रखकर 60 रुपये किसानों को देने चाहिए। लेकिन उन पर 100 रुपये में से 90 रुपये अपनी जेब में डालकर और किसानों को केवल 10 रुपये देकर अन्याय करने का आरोप है।

नवंबर क्रांति पर बहस के बाद सिद्धू की ताकत का प्रदर्शन करने के लिए अहिंदा सम्मेलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नवंबर क्रांति के शोर के बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के समर्थकों ने गैर-हिंदू सम्मेलन की तैयारी शुरू कर दी है। इससे पहले, 2023 और 2024 में राज्य के कई हिस्सों में गैर-हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए थे। जब 2025 में इसी तरह के सम्मेलन आयोजित करने का प्रयास किया गया, तो केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने इसे रोक दिया। कांग्रेस पार्टी के नेताओं और सरकारी अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी धन से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को गैर-पक्षपाती के रूप में चित्रित करने के बजाय, कांग्रेस के मंच पर आयोजित किया जाना चाहिए। इस प्रकार, हासन में हुआ सम्मेलन कांग्रेस के कार्यक्रम में बदल गया। तब से, गैर-हिंदू सम्मेलन कांग्रेस के कार्यक्रमों में बदल गए हैं। जब भी सिद्धरामैया को राजनीतिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा, उन्होंने गैर-हिंदू सम्मेलनों के माध्यम से अपनी ताकत दिखाई है। इसके तुरंत बाद, सिद्धरामैया के सामने आने वाली बाधाएं दूर हो गईं। अब, नवंबर क्रांति के बहाने, सिद्धरामैया को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश की जा रही है। इस प्रकार, गैर-हिंदू वर्ग एक बार फिर सत्ता में आ गया है। वर्ष के अंत तक एक विशाल गैर-हिंदू सम्मेलन आयोजित करने की चर्चा है। इस महीने के अंत में इसके लिए एक प्रारंभिक बैठक आयोजित करने की चर्चा है। सिद्धरामैया समर्थकों को उम्मीद है कि इस बार गैर-हिंदू सम्मेलन गैर-पक्षपातपूर्ण होगा। इस प्रकार, डी.के. शिवकुमार के दबाव में आए बिना सम्मेलन आयोजित करने के लिए अलग-अलग रणनीतियां बनाई जा रही हैं।

कर्नाटक कौशल विकास के माध्यम से

अपनी जनसांख्यिकीय ताकत को जनसांख्यिकीय लाभांश में बदलेगा: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक वर्तमान में एक अन-ोखे जनसांख्यिकीय चौराहे पर खड़ा है। हमारी 60 प्रतिशत से ज्यादा आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, और अगले दशक में लगभग 1.2 करोड़ युवा कार्यबल में शामिल होंगे। यह बात मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बेंगलूरु कौशल शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कही। यह राज्य की अपनी सबसे पुरानी संपत्ति, मानव पूँजी, को प्रशिक्षित और पोषित करने की पहली पहल है। मंगलवार को यहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा अगर हम इस पीढ़ी को सही कौशल, मानसिकता और आत्मविश्वास से लैस कर सकें, तो यह एक असाधारण अवसर है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु कौशल शिखर सम्मेलन, कौशल विकास, पुनर्कौशल और अकुशलता पर केंद्रित राज्य द्वारा शुरू किया गया एक नया वार्षिक प्रदर्शनी, एक आयोजन से कहीं बढ़कर है। मुख्यमंत्री ने कहा यह तेजी से बदलती दुनिया में हमारे

लोगों को करियर के लिए तैयार करने का एक आंदोलन है। यह आयोजन कौशल, रोजगार और नवाचार के भविष्य की पुनर्कल्पना करने के लिए उद्योग, शिक्षा जगत, स्टार्ट-अप और युवाओं के सर्वश्रेष्ठ दिमागों को एक साथ लाने की सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। शिखर सम्मेलन में उभरते हुए वित्तपोषण मॉडल, तकनीकी सक्षमताएं और सा-झेदारियां प्रदर्शित की जाएंगी जो कर्नाटक में कौशल विकास के अगले दशक को आकार देंगी। उन्होंने कहा इस तरह हम कर्नाटक की जनसांख्यिकीय शक्ति को जनसांख्यिकीय लाभांश में बदलेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक युवा नए कर्नाटक का निर्माता बने।

अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने कहा बुद्ध ने एक बार सिर की तुलना ज्ञान के आसन से, हृदय की तुलना करुणा के स्रोत से और हाथों की तुलना सेवा के साधन से की थी। जब सिर, हृदय और हाथ एक साथ काम करते हैं, तभी व्यक्ति पूर्ण बनता है। बुद्धि, सहानुभूति और क्षमता का यह सामंजस्य ही सच्चे कौशल विकास का लक्ष्य होना चाहिए। कर्नाटक हमेशा से कौशल विकास में अग्रणी रहा है, और यह राज्य 2016-17 में कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका के लिए एक समर्पित विभाग बनाने वाले भारत के पहले राज्यों में से एक था।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह (इस आयोजन की शुरुआत) कोई नौकरशाही कदम नहीं था, बल्कि सभी कौशल पहलों को एक छत्र के नीचे, एक मिशन के साथ, कर्नाटक को विश्व कौशल का प्रवेश द्वार बनाने का एक दूरदर्शी कदम था। हालाँकि, उन्होंने कहा कि कौशल एक दिन में नहीं बनता, बल्कि धैर्य, दृढ़ता और निरंतर अभ्यास से बनता है। कौशल विकास की दिशा में राज्य की विभिन्न पहलों का संक्षिप्त विवरण देते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि मुख्यमंत्री कौशल्य कर्नाटक योजना के माध्यम से 5 लाख युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन राज्य ने उस लक्ष्य को पार कर लिया। उन्होंने कहा कि 2013 और 2018 के बीच, राज्य ने 100 नए आईटीआई शुरू किए, 104 आईटीआई भवनों का उन्नयन किया और सरकारी टूल रूम और प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से 11,835 अल्पकालिक और 19,500 दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए। युवा युग के तहत, राज्य ने आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और एनीमेशन क्षेत्रों में 1.10 लाख से अधिक युवाओं को उन्नत डिजिटल कौशल प्रदान किए। कर्नाटक ने 16 मेगा जॉब मेले भी आयोजित किए, जिनमें 52,000 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिले, तथा 75 मिनी जॉब मेले भी आयोजित किए गए।

उडुपी नगर पालिका ने सार्वजनिक स्थानों पर आवारा कुत्तों को खाना न देने का दिया निर्देश

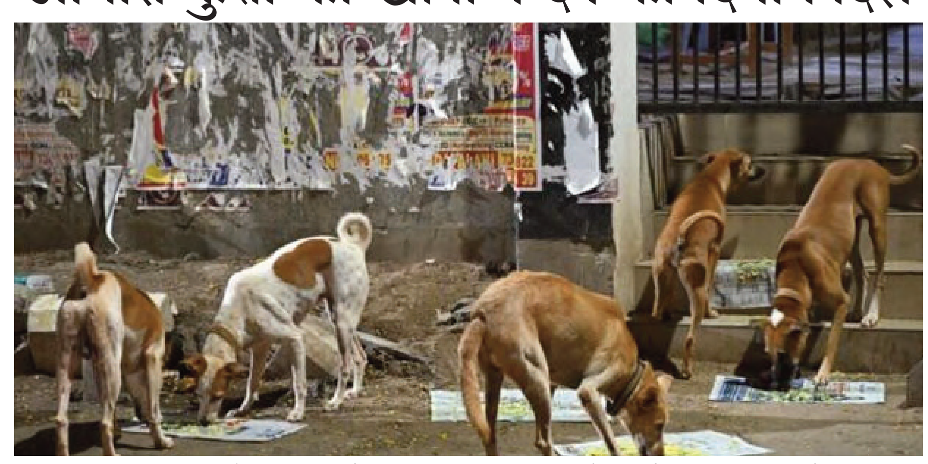

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी नगर पालिका ने एक सार्वजनिक परामर्श जारी कर नागरिकों से सड़कों, नालियों, स्कूल परिसरों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और बस स्टैंड जैसे अनधिकृत सार्वजनिक क्षेत्रों में आवारा कुत्तों को खाना न खिलाने का आग्रह किया है। यह कदम शहर के विभिन्न हिस्सों में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने के संबंध में जनता की कई शिकायतों के बाद उठाया गया है। इस प्रथा को नियंत्रित करने के लिए, नगर पालिका ने विशिष्ट स्थानों की पहचान की है जहां आवारा कुत्तों को वैध और व्यवस्थित तरीके से भोजन दिया जा सकता है।

इनमें बीदीनागुड्डे रुद्रभूमि के पीछे, आदि उडुपी बाजार के पीछे, इंद्राली रुद्रभूमि के सामने, परकला वेलकम आर्च के पास, नित्तूर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के सामने, पेरमपल्ली मेन रोड पर भारतीय विकास ट्रस्ट के नीचे, राज फिश मिल के पास, आदि उडुपी-मालपे रोड पर हेलीपैड के पास, ककुंजे में नारायण नगर की ओर मुड़ें, और बैलूर में डायना रोड मार्ग पर विजय वीर संघ के पास शामिल हैं।

जो लोग अन्य स्थानों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाना चाहते हैं, उन्हें नगर पालिका को लिखित अनुरोध प्रस्तुत करना होगा। केवल आधिकारिक अनुमति और पहचान पत्र के साथ ही कुत्तों को भोजन देने की अनुमति होगी। भोजन देने वालों को यह सुनिश्चित करने की भी पूरी जिम्मेदारी होगी कि कुत्तों को रेबीज का टीका लगाया गया हो और उनकी नसबंदी की गई हो। नगर आयुक्त महंतेश हंगारगी ने आगे चेतावनी दी कि कुत्तों के मालिकों को अपने पालतू जान-वरों या पिल्लों को सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से आवारा कुत्तों की आबादी बढ़ती है। पालतू जानवरों के मालिकों को रेबीज का टीकाकरण, नसबंदी और अपने कुत्तों को कॉलर लगाना भी सुनिश्चित करना होगा। आयुक्त ने चेतावनी दी कि सार्वजनिक क्षेत्रों में कुत्तों या पिल्लों को छोड़ते पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अक्षयकल्प ऑर्गेनिक से जुड़ने के बाद किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई: सीईओ शशि कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर स्थित अक्षयकल्प ऑर्गेनिक ने मंगलवार को दावा किया कि दक्षिण भारत में अपनी जैविक यात्रा का हिस्सा बनने वाले किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि करने में उसकी भूमिका रही है। उदाहरण के लिए, इसके एक संस्थापक, ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट (बीआईआई) के लिए किए गए ईवाई विश्लेषण में पाया गया कि अक्षयकल्प से जुड़ने से पहले, किसान केवल 10,000 प्रति माह कमाते थे, जो 2022 तक बढ़कर 95,000 हो गया और वर्तमान में औसतन 1,28,000 तक पहुंच गया है। यहां एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए, अक्षयकल्प ऑर्गेनिक के

संस्थापक और सीईओ शशि कुमार ने कहा कि मौजूदा किसानों के हाथ मजबूत करने के लिए ज्यादा से ज्यादा युवाओं को खेती में आना चाहिए। उन्होंने कहा खेतों को नई ऊर्जा की जरूरत है और यह भारत की खेती की पूरी कहानी बदल देगा। कंपनी के नेटवर्क में कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 2,200 से ज्यादा जैविक किसान हैं और इनमें से लगभग 1,500 कर्नाटक के सात जिलों से हैं। उन्होंने विस्तार से बताया हम विप्रो के 27 लोगों द्वारा शुरू की गई एक कंपनी हैं और शुरुआती नौ सालों में हमें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हम लगभग छह बार दिवालिया होने के कगार पर थे। हालांकि, उसके तुरंत बाद हमने खेती को एक व्यवहार्य, लाभदायक और टिकाऊ व्यवसाय साबित कर दिया। अक्षयकल्प ऑर्गेनिक का वर्तमान में मासिक कारोबार 46 करोड़ है, जिसमें अकेले बेंगलूरु का योगदान 36 करोड़ है, जबकि बाकी का यो-गदान चेन्नई और हैदराबाद का है। कुमार ने कहा कि यह ब्रांड जल्द ही मुंबई और पुणे के बाजारों में प्रवेश करेगा।

चातुर्मास परिवर्तन को लेकर बंबोरी आवास पहुंचे संत साध्वीवृंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन संघ महालक्ष्मी लेआउट में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री प्रभाकर सुरिश्वरजी, मुनि श्री महापद्मविजय जी, मुनि पद्म विजयजी, साध्वी श्री

तत्वत्रयाश्रीजी, साध्वी श्री गोयमरत्नाश्रीजी व साध्वीजी परमप्रज्ञाश्रीजी का चातुर्मास बुधवार को सम्पन्न हुआ। चातुर्मास परिवर्तन को लेकर सुबह आचार्य श्री एवं साध्वीत्रय चतुर्विद्ध संघ के साथ वाजते गाजते चातुर्मास परिवर्तन के लाभार्थी नर-ेशकुमार, महेन्द्र कुमार, सुनील कुमार बंबोरी के आवास स्थान पर पधारे। परिवर्तन के अवसर पर आचार्य ने शत्रुजय महातीर्थ की भाव यात्रा कराते हुए कहा कि कार्तिक पूर्णिमा का जैन धर्म में विशेष महत्व है।
क्योंकि कार्तिक पूनम के दिन चातुर्मास पश्चात् श्री शत्रुंजय महातीर्थ पलिताना की यात्रा पुनः प्रारंभ होती है।
आज ही के दिन द्राविड एवं वारिखिल्लजी 10 करोड़ मुनियों के साथ इस गिरिराज से मोक्ष पधारे थे। चातुर्मास जो आषाढ़ चतुर्दर्शी से प्रारम्भ होता है, वह कार्तिक पूर्णिमा के दिन संपन्न होता है। यह शुभ जैन शासन में महत्वपूर्ण है।

कार और कूरियर वाहन के बीच भीषण टक्कर, चार लोगों की मौत

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।
धन्नूर पुलिस थाना क्षेत्र में तड़के सुबह हुए एक भीषण हादसे में भगवान दत्तात्रेय के चार भक्तों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान तेलंगाना निवासी रचप्पा, नवीन, काशीनाथ और नागराज के रूप में हुई है। पांच लोग तेलंगाना से कलबुर्गी स्थित गंगापुर दत्तात्रेय मंदिर में शिफ्ट कार से आए थे। भगवान के दर्शन करने के बाद, वे तेलंगाना लौट रहे थे। सुबह लगभग 7.20 बजे, उनकी कार बीदर जिले के भालकी तालुक में नीलमनल्ली थांडा के पास जा रही थी, तभी एक तेज रफ्तार कूरियर वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे चारों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर में दोनों वाहनों का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त

हो गया। खबर मिलने पर धन्नूर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे चार लोगों के शवों को बाहर निकाला गया। गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति को इलाज के लिए बिमसौ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चारों के शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिए गए हैं। मृतकों में से एक नागराज नारायण खेड़ स्थित पीयूसी कॉलेज में व्याख्याता थे। धन्नूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आगे की जांच में जुट गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com